वार्षिक प्रतिवेदन
ANNUAL REPORT
2017-18

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान – भारत
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान
National Innovation Foundation - India
Autonomous Body of the Department of Science and Technology, Govt. of India

प्रस्तावना

डॉ. पी. एस. गोयल
अध्यक्ष, राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत

सर्वप्रथम मैं प्रसिद्ध वैज्ञानिक एवं राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान (रानप्र) के शासी मंडल के पूर्व अध्यक्ष डॉ. आर.ए. माशेलकर के प्रतिकृतज्ञता ज्ञापित करना चाहता हूँ, जिनकी दृष्टि व नेतृत्व के बलबूते प्रतिष्ठान ने पिछले दो दशक में कई मील के पत्थर स्थापित किए। रानप्र को संरक्षण प्रदान करने व मार्गदर्शन के लिए मैं प्रो. अनिल गुप्ता का भी हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। मैं शासी मंडल के सभी सदस्यों और रानप्र से जुड़े सभी व्यक्तियों की सराहना करता हूं, जिन्होंने रानप्र को दृष्टि दिखाई और गतिविधियों के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया।

जैसाकि मैंने अनुभव किया है किदेश के लोगों में अद्भुत क्षमताएं हैं, लेकिन उसका बेहतर उपयोग नहीं हो पाता है। रानप्र के साथ मैंने पाया कि इसका प्रयास होता है कि क्षमतावान नवप्रवर्तक को खोज लिया जाए और उसका सहयोग व समर्थन किया जाए। रानप्र लगातार यह प्रयास कर रहा है कि हमारे देश के अप्रशिक्षित और कम या फिर अपनढ़ लोगों की क्षमताओं का सही व सार्थक उपयोग हो। इसकी गतिविधियों में नवप्रवर्तनों की पहचान करना, उसका मूल्य संवर्धन और उनका प्रमाणीकरण करना, पेटेंट के लिए आवेदन करना, उद्यमिता विकास के लिए व्यापारिक व अव्यापारिक माध्यमों से प्रसार करना शामिल हैं।

जहां तक मैं समझता हूँ रानप्र इनोवेशन वेल्यू चेन को तीन हिस्सों में आगे बढ़ाता है। सबसे पहले रानप्र द्वारा विभिन्न तरीकों से नवप्रवर्तन की पहचान की जाती है, फिर इसके वैज्ञानिक प्रमाणीकरण और इसमें आवश्यक तकनीकी विकास किया जाता है और फिर व्यापारिक व सामाजिक प्रसार के लिए इसकी बौद्धिक सम्पदा को संरक्षण प्रदान किया जाता है। पहले हिस्से को इसलिए महत्वपूर्ण समझा जा सकता है कि यह नवप्रवर्तनों व सुझावों का प्रोत्साहक या पोषक होता है। बिना दूसरे हिस्से को पार किए, तीसरे हिस्से का कोई अर्थ नहीं है, इस लिए दूसरा हिस्सा भी महत्वपूर्ण है। तीसरे हिस्से को इसलिए महत्वपूर्ण समझा जाता है कि यही सभी प्रयासों का चरमबिन्दु है और परदे के पीछे हुए परिश्रम को दृश्यता प्रदान करता है।

अब तक रानप्र ने दूर-दराज के इलाके के नवप्रवर्तकों की पहचान करने में बेहतर कार्य किया है और करीब 3 लाख नवप्रवर्तनों की पहचान की है। इसने अब एक डिजिटल कैटलॉग बनाने का कार्य शुरू किया है, जो कि वित्तिय वर्ष के आखिर तक पूरा हो जाना चाहिए और यह वेबसाइट पर भी उपलब्ध रहेगा। राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान को मेरा सुझाव है कि 5 से 10 सर्वश्रेष्ठ नवप्रवर्तन का चयन करके उसके प्रसार की सार्थक योजना तैयार हो, ताकि हम उन्हें पूरे देश में कम से कम दस लाख (एक मिलियन) लोगों तक पहुँचा सकें। एक बार हम इस तरह का बड़ा प्रभाव सृजित कर लेंगे तो फिर शेष हिस्सों को अपने आप बढ़ावा मिलेगा। मैं आशा करता हूँ कि राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान मेरे सुझाव पर गंभीरता से अमल करने में सक्षम है।

मैं नए शासी मंडल के सदस्यों का स्वागत करता हूँ तथा उनके सहयोग से राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान के मिशन और गतिविधियों को आगे बढ़ाने की आशा करता हूँ। मैं रानप्र से जुड़े सभी तृणमूल नवप्रवर्तकों तथा युवा कर्मियों को शुभकामनाएं देता हूँ। मैं शासी मंडल की ओर से रानप्र को समर्थन, मार्गदर्शन और निर्देशन देने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता हूँ, ताकि रानप्र नवप्रवर्तकों और सम्पूर्ण समाज को समर्पित अपनी गतिविधियों कासफल संचालन कर सके। मैं रोमांचक गतिविधियों वाले नए वर्ष के इंतजार में हूँ।

आर्शिवाद और शुभकामनाओं के साथ

पी. एस. गोयल

निदेशक संदेश

डॉ. विपिन कुमार
निदेशक एवं मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी

वर्ष 2017-18 विभिन्न परिवर्तनों और नव प्रारम्भ का था। देश ने अपने नए राष्ट्रपतिश्री रामनाथ कोविंद जी का स्वागत किया और राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान ने 'द इनोवेशन प्रेसीडेंट' नामक पुस्तक का संपादन करके सेवामुक्त हो रहे राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी के प्रति आभार व्यक्त किया। यह पुस्तक राष्ट्राध्यक्ष के रूप में उनके द्वारा देश के नवप्रवर्तकों के समय विकास हेतु नवप्रवर्तन प्रोत्साहन योजनाओं को प्रारम्भ करने में उनके योगदान का स्मरण करती है।

भारत के नए राष्ट्रपतिश्री रामनाथ कोविंद जी भी अपने पूर्ववर्ती की ही तरह अपने संरक्षण व मार्गदर्शन के साथ आर्शीवाद प्रदान कर रहे हैं। राष्ट्रपति भवन में 2015 से आयोजित होने वाले 'नवप्रवर्तन उत्सव' में 'उद्यमिता' का नया आयाम जोड़कर उसे 'नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता उत्सव' का स्वरूप देते हुए अधिक समग्र किया गया है। आशा है कि उत्सव के इस नए स्वरूप के माध्यम से देश के नवप्रवर्तन व उद्यमिता परिवेश को अधिक समृद्ध बनाने में सहायता मिलेगी।

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान ने इस वर्ष भी अपनी विविध गतिविधियों में जनसाधरण नवप्रवर्तन के साथ उसके सामाजिक प्रसार को महत्वपूर्ण स्थान दिया। इस वर्ष यह पहली बार हुआ कि रानप्र के राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त सेनिटरी नेपकिन बनाने वाली मशीन के नवप्रवर्तक अरूणाचल मुरूगन्थम के जीवन पर मुख्य धारा की हिन्दी फिल्म रिलीज हुई। यह फिल्म न केवल मासिक धर्म स्वच्छता (मेनस्ट्रल हाइजीन) के प्रति संदेश देने के लिए महत्वपूर्ण रही, बल्कि यह बताने में भी सफल रही की देश का साधारण नागरिक भी नवप्रवर्तन कर सकता है। राष्ट्रीय नवप्रवर्तन संस्थान ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के इंस्पायर अवार्ड्स- मानक पुरस्कार के देश भर में समन्वयन में सहायता की तथा सुदूर क्षेत्रों से भी प्रतिभागिता सुनिश्चित करायी।

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान के प्रशासनिक ढांचे में भी बदलाव देखने को मिला। रानप्र के अध्यक्ष डॉ. आर.ए. माशेलकर तथा कार्यकारी उपाध्यक्ष प्रो. अनिल गुप्ता, जो कि सन 2000 में संस्थान के प्रारम्भ से शासी मंडल में योगदान दे रहे थे, ने रानप्र को अगले दशक में नेतृत्व देने के लिए नए नेतृत्वकर्ताओं को अवसर देने का निर्णय लिया और शासी मंडल से त्यागपत्र दे दिया। यह मेरा सौभाग्य है कि मैं विदा हो रहे शासी मंडल द्वारा रानप्र-भारत को इस मुकाम तक पहुंचाने में दिए गए दिशा निर्देशन व संरक्षण देने की सराहना करूं एवं उसके प्रतिआदर व्यक्त करूं। मुझे विश्वास है कि रानप्र भविष्य में भी उनके मार्गदर्शन, सुझाव व समर्थन के रूप में आर्शीवाद प्राप्त करता रहेगा।

मैं आदर के साथ शासी मंडल के अध्यक्ष के रूप में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के पूर्व सचिव डॉ. पी.एस. गोयल, नए उपाध्यक्ष श्री एन. पी. राजिव, कार्यकारी निदेशक विभारानी सहित शासी मंडल के नये सदस्यों का राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान परिवार में हार्दिक स्वागत करता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि रानप्र इनके अनुभवों एवं सुझावों से लाभान्वित होगा।

मैं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केन्द्रीय मंत्री आदरणीय डॉ. हर्षवर्धन जी के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ कि उन्होंने रानप्र को लगातार मार्गदर्शन व दृष्टि दिया है। जनसाधारण नवप्रवर्तन के लिए लगातार सहयोग व समर्थन देने के लिए मैं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव प्रो. आशुतोष शर्मा व अन्य अधिकारियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। अन्त में मैं रानप्र के सभी सहयोगियों व हनी बी. नेटवर्क के सभी स्वयं सेवकों द्वारा संस्थान के मिशन को आगे बढ़ाने में किए गए अथक प्रयासों की सराहना करता हूँ। एक नए सार्थक वर्ष की ओर देखते हुए मैं आशा करता हूँ कि आप सभी हमारी पिछले वर्ष की गतिविधियों को पढ़ने का आनंद उठाएंगे।

सभी के प्रति अनंत शुभकामनाओं के साथ

विपिन कुमार

विषय सूची

1. शासी मंडल	8-9
2. वित्त समिति	10
3. बढ़ते कदम	11
4. डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इग्नाइट पुरस्कार 2017	12-13
5. नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता उत्सव 2017	14-19
6. ग्रामीण क्षेत्रों में रचनात्मकता की खोजः शोधयात्रा	20-21
7. इंस्पायर अवार्ड्स-मानक	22
8. अनुभागीय गतिविधियां	23-30
9. नईं पहल और साझेदारियां	31
10. अंतरराष्ट्रीय गतिविधियां एवं साझेदारी	32-33
11. सांस्थानिक नीतियां	34
12. प्रशासनिक मामले	34
13. प्रकाशन	35-36

शासी मंडल

1. डॉ. पी. एस. गोयल-अध्यक्ष
पूर्व सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली

2. श्री एन. पी. राजीव-उपाध्यक्ष-सदस्य
कार्यकारी निदेशक, विभा वाणी, दिल्ली

3. प्रो. अनिल के गुप्ता-सदस्य
अतिथि प्राध्यापक, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद

4. प्रो. अनिल डी. सहस्त्रबुद्धे-सदस्य
अध्यक्ष, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली

5. प्रो. सत्यजीत मजूमदार -सदस्य
टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई

6. डॉ. सी शम्भू प्रसाद -सदस्य
सेंटर फॉर सोशल एंटरप्रेन्योरशिप एंड इंटरप्राइजेज, ग्रामीण प्रबंधन संस्थान, आणद

7. डॉ. के विजयलक्ष्मी -सदस्य
उपाध्यक्ष, डेवलपमेंट अल्टरनेटिव, नई दिल्ली

8. सुश्री अनुराधा भवानी -सदस्य
स्थानीय प्रमुख, शेल फाउंडेशन, गुरूग्राम

9. सुश्री लक्ष्मी एन -सदस्य
शासी, गुड कर्मा फाउंडेशन, कोचि

10. सचिव, डीएसटी - पदेन सदस्य
नई दिल्ली

11. सचिव, डीबीटी-पदेन सदस्य
नई दिल्ली

12. सचिव, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, एमएचआरडी-पदेन सदस्य
नई दिल्ली

13. सचिव, एमएसएमई-पदेन सदस्य
नई दिल्ली

14. सचिव, आयुष-पदेन सदस्य
नई दिल्ली

15. महानिदेशक, आईसीएमआर - पदेन सदस्य
नई दिल्ली

16. महानिदेशक, आईसीएआर- पदेन सदस्य
नई दिल्ली

17. महानिदेशक, सीएसआईआर- पदेन सदस्य
नई दिल्ली

18. मुख्य सचिव, गुजरात सरकार- पदेन सदस्य
गांधीनगर, गुजरात

19. वित्तिय सलाहकार, डीएसटी, भारत सरकार- पदेन सदस्य
नई दिल्ली

20. निदेशक/मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी-सदस्य सचिव, पदेन सदस्य
राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत, गांधीनगर

वित्त समिति

1. डॉ. पी. एस. गोयल - अध्यक्ष
पूर्व सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली

2. वित्तिय सलाहकार, डीएसटी, भारत सरकार- पदेन सदस्य
नई दिल्ली

3. प्रो अनिल डी. सहस्त्रबुद्धे -सदस्य
अध्यक्ष, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली

4. डॉ. संजीव सक्सेना- सदस्य
सहायक निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली

5. प्रो. सत्यजीत मजूमदार- सदस्य
टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई

6.निदेशक/मुख्य नवप्रवर्तन अधिकारी-सदस्य सचिव, पदेन सदस्य
राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत, गांधीनगर

बढ़ते कदम...

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत (रानप्र) समाज के जन-साधारण नवप्रवर्तकों व ज्ञानधारकों की सहायता व सहयोग के लिए निरंतर प्रयासरत है तथा अपने क्षेत्रीय केन्द्रों के द्वारा देश के उन क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति को व्यापकता देने में सफल हो रहा है, जो अभी तक पहुँच से बाहर थे। रानप्र के प्रयासों तथा ज्ञान के सृजन में इसकी भूमिका को औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग द्वारा 15 जून 2017 को प्रकाशित रिपोर्ट 'टास्क फोर्स ऑन इनोवेशन-रिपोर्ट ऑन ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्सः एन इण्डियन पर्सपेक्टिव' में भी निम्नलिखित टिप्पणी के साथ अभिस्वीकृति मिली हैः

"ज्ञान के सृजन में, केवल औपचारिक तंत्र द्वारा सृजित ज्ञान को ही ध्यान में रखा जाता है। यह साधारणतया इसलिए कि गरीब लोगों को कमतर समझा जाता है, न कि स्रोत। राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान ने यह दिखाया है कि हाशिए पर रखा जाने वाला दिमाग वास्तव में गौण नहीं है। वे जन-साधारण नवप्रवर्तन के माध्यम से वृहद रूप में ज्ञान का सृजन कर रहे हैं। इन मूल्यवान ज्ञान स्रोतों को समाहित करने और औपचारिक व अनौपचारिक तंत्रों के बीच समन्वय बनाने का प्रयास आवश्यक है, ताकि इसके सामाजिक-आर्थिक लाभ संपूर्ण मानवता तक पहुँच सकें।"

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत के माननीय पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी के उस योगदान के प्रति आभारोक्ति व्यक्त करता है, जिसके अन्तर्गत उन्होंने 'द इनोवेशन प्रेसिडेंट' पुस्तक तैयार की है। इस पुस्तक में राष्ट्रपति भवन द्वारा की गई उन पहल का संकलन है, जो देश के नवाचार पारिस्थिक तंत्र को समृद्ध करने में सक्षम है। यह पुस्तक 24 जुलाई 2017 को तत्कालीन उपराष्ट्रपति श्री हामिद अंसारी ने तत्कालीन राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी, नवनियुक्त राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द और भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में विमोचित किया था।

27 जुलाई 2017 को तत्कालीन राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने पुस्तक 'द इनोवेशन प्रेसिडेंट' की पहली प्रति तत्कालीन उपराष्ट्रपति श्री हामिद अंसारी से स्वीकार किया। तत्कालीन राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी के 13 वें राष्ट्रपति के रूप में कार्यालय के आखिरी दिन राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केन्द्र में तत्कालीन उपराष्ट्रपति श्री हामिद अंसारी ने नवनियुक्त राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविन्द और भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में इस पुस्तक को विमोचित किया था।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इग्नाइट पुरस्कार 2017

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान प्रत्येक वर्ष स्कूल स्तर के विद्यार्थियों के मौलिक तकनीकी विचारों तथा नवप्रवर्तनों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम इग्नाइट प्रतियोगिता का आयोजन करता है। वर्ष 2017 की प्रतियोगिता के लिए देश के 576 जिलों से 65,000 से भी अधिक प्रविष्टियां प्राप्त हुई थीं। इनमें से 16 राज्यों के 56 विद्यार्थियों को उनके 29 सुझावों/नवप्रवर्तनों के लिए पुरस्कृत किया गया। 22 दिसम्बर 2017 को गांधीनगर के ग्राम भारती में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। भारत के पूर्व राष्ट्रपति माननीय श्री प्रणव मुखर्जी ने गुजरात के राज्यपाल माननीय श्री ओ.पी. कोहली की उपस्थित में सृजनशील विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। समारोह स्थल पर उक्त सृजनशील विद्यार्थियों की पुरस्कृत कृतियों की प्रदर्शनी भी आयोजित की गई।

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इग्नाइट प्रतियोगिता 2017 के विजेता अनंग टडर अपना आइडिया 'दृष्टिहीनों के लिए अभिनव चश्मा' को पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी को दिखाते हुए।

अपने सम्बोधन में राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत के कार्यकारी उपाध्यक्ष प्रो. अनिल गुप्ता ने कहा कि बच्चों में किसी भी समस्या को जानने समझने के प्रति उत्सुकता होती है और यही उत्सुकता उन्हें नवप्रवर्तन के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने बच्चों की सृजनशीलता की सराहना की। उन्होंने श्री प्रणव मुखर्जी के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान राष्ट्रपति भवन द्वारा नवप्रवर्तन के विकास तथा देश के नवप्रवर्तन पारिस्थितक तंत्र को समृद्ध करने के प्रयासों को विस्तार से बताया।

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान के अध्यक्ष डॉ. आर.ए. माशेलकर ने कहा विश्व में भारत को नवप्रर्तक राष्ट्र समझा जाता है। उन्होंने भी राष्ट्रपति भवन तथा श्री प्रणव मुखर्जी के प्रयासों की सराहना की। गुजरात के माननीय राज्यपाल श्री ओ.पी. कोहली ने बच्चों के सृजनात्मक विचारों की सराहना करते हुए अभिभावकों व अध्यापकों से अपील की कि वे बच्चों के सपने देखने और उन्हें पुरा करने देने में सहायक बने। न कि उनपर अपने अभिभावकों के सपने पूरे करने का दबाव बनाया जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि सुविधा सम्पन्न परिवार से आने वाले बच्चों को कम सुविधा सम्पन्न परिवारों से आने वाले बच्चों के साथ जुड़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए ताकि वे जमीनी हकीकत से परिचित हो सकें तथा दूसरों के प्रति सहचर्य की भावना विकसित कर सकें। यह उनमें संवेदना व सहानुभूति विकसित करने में सहायक होगा।

पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी ने बच्चों के सृजनात्मक विचारों की सराहना की और कहा को मस्तिष्क को झकझोर देने वाले इन विचारों को बच्चों की किताबों में एक अध्याय के रूप में शामिल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को सामाजिक आवश्यकताओं व समस्याओं को समझना व उसके समाधान खोजना सीखना चाहिए। श्री मुखर्जी ने कहा कि जोखिम उठाने से सम्बन्धित सुझावों व गतिविधियों तथा सामाजिक, आर्थिक व सांस्कृतिक नव उद्यम से बच्चों को परिचित कराना चाहिए। इन बच्चों को देश के उन बच्चों से मिलवाना चाहिए, जिनके सृजनात्मक सुझाव मानक स्तर पर स्वीकृत हुए हैं और सराहे गये हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि बच्चों को मौलिक रूप से सोचने के लिए प्रेरित करना चाहिए ताकि वे देश के समग्र विकास में योगदान दे सकें। माननीय पूर्व राष्ट्रपति ने भारत सरकार द्वारा वृहद स्टार्ट-अप अभियान के माध्यम से समाज के विभिन्न स्तरों पर उद्यमिता के विकास को बढ़ावा देने पर प्रसन्नता व्यक्त किया। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के इंस्पायर अवाड्र्स-मानक योजना के सम्बन्ध में विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि यह एक अभिनव प्रयास है, जिसके अन्तर्गत राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान लाखों सृजनात्मक सुझावों में से विशिष्ट 60 सुझावों को नए आयाम देने में भूमिका निभाता है।

विजेता बच्चों को पुरस्कृत करते माननीय पूर्व राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी, गुजरात के गर्वनर माननीय श्री ओपी कोहली, डॉ.आर. ए. माशेलकर, प्रो. अनिल गुप्ता, डॉ. विपिन कुमार।

नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता उत्सव 2018

नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता उत्सव (पूर्व में नवप्रवर्तन उत्सव) राष्ट्रपति भवन द्वारा जनसाधारण नवप्रवर्तकों को स्वीकृति, आदर व सम्मान देने तथा नवप्रवर्तन पारिस्थितिक तंत्र विकसित करने की दिशा में किया गया अभिनव प्रयास है। मार्च माह में राष्ट्रपति भवन में आयोजित होने वाला यह उत्सव सृजन, नवप्रवर्तन और उद्यमिता का उत्सव है। वर्ष 2018 में यह उत्सव 19 से 21 मार्च 2018 को राष्ट्रपति सचिवालय द्वारा राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत एवं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया। यह उत्सव देश की नवप्रवर्तन क्षमता का उत्सव है, विशेषकर जन-सामान्य स्तर पर उपजने वाले सुझावों का तथा सृजनात्मक समुदायों का।

19 मार्च 2018 को नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता उत्सव का शुभारम्भ करते माननीय राष्ट्रपतिश्री रामनाथ कोविन्द।

राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में आयोजित नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता उत्सव 2018

19 मार्च 2018 को भारत के राष्ट्रपति माननीय श्री राम नाथ कोविंद ने नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता उत्सव का उद्घाटन किया तथा प्रदर्शनी स्थल पर उपस्थित कुछ नवप्रवर्तकों से बातचीत भी की। उन्होंने इनोवेशन स्कॉलर्स इन-रेजिडेंस कार्यक्रम के पांचवें बैच के प्रतिभागियों से भी बातचीत की। इस दौरान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केन्द्रीय मंत्री डा. हर्षवर्धन भी उपस्थित थे। तद्उपरान्त माननीय राष्ट्रपति भवन में गांधियन यंग टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन पुरस्कार वितरित किए। इस अवसर पर केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. हर्ष वर्धन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव प्रो. आशुतोष शर्मा, राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत के अध्यक्ष डॉ. आर.ए. माशेलकर तथा कार्यकारी उपाध्यक्ष प्रो. अनिल गुप्ता उपस्थित थे। इस वर्ष 2018 में गांधियन यंग टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन प्रतियोगिता में 34 राज्यों के 312 विश्वविद्यालयों व संस्थानों से 2915 प्रविष्टियां प्राप्त हुई थी। ये प्रविष्टियां 54 तकनीकी ज्ञानक्षेत्रों से प्राप्त हुई थीं। राष्ट्रपति ने जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र के 15 तथा 8 इंजीनियरिंग क्षेत्र के नवप्रवर्तन प्रोजेक्ट को गांधियन यंग टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन पुरस्कार दिए। डॉ. हर्ष वर्धन ने 28 सराहना (प्रशंसा) पुरस्कार वितरित किए। कुल 118 विद्यार्थियों के प्रयासों को पुरस्कृत किया गया।

नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता उत्सव 2018 के दौरान माननीय राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान जम्मू एवं कश्मीर के नवप्रवर्तक मुश्ताक अहमद डार से नवप्रवर्तन पोल प्रो क्लाइबर के बारे में जानकारी लेते हुए।

समारोह को सम्बोधित करते हुए माननीय राष्ट्रपति ने कहा कि नए भारत के स्वप्न को पूरा करने के लिए हमें विकास के कई प्रतिमान स्थापित करने हैं, जिसके लिए प्रत्येक भारतवासी को अपनी क्षमता का उपयोग करने का पूरा अवसर देकर समग्र समाज को ध्यान में रखना होगा। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नवप्रवर्तन श्रृंखला की प्रत्येक कड़ी को जीवंतता देनी होगी- प्रारम्भिक निर्माण करने वाले बच्चे, सकारात्मक आकांक्षाएं रखने वाले युवा और सहायता उपलब्ध करने वाली सरकार, सभी की आवश्यकता है। उन्होंने यह बात दोहराई कि नवप्रर्वतनों को उद्यम में बदलने वाले सक्षम परिस्थितिक तंत्र की आवश्यकता है, जिसके लिए युवा नवप्रवर्तकों तथा स्टार्ट-अप्स को सहयोग देना होगा। यह उत्सव नवप्रवर्तन एवं उद्यम को इस उद्देश्य के साथ लाता है तथा उन्हें आर्थिक मार्गदर्शन व नीतिगत सहयोग प्रदान करता है।

केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री डॉ. हर्ष वर्धन ने कहा कि अनौपचारिक क्षेत्र से शीर्ष नवप्रवर्तकों स्कूल व तकनीकी संस्थानों के नवप्रवर्तकों, शोध एवं विकास संस्थानों, उद्योगों तथा नव उद्यमियों को एक साथ एक मंच पर उपस्थित देखने का एतिहासिक अवसर है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव प्रो. आशुतोष शर्मा ने कहा कि भारत सरकार का उद्देश्य है वैज्ञानिक शोधों के परिणाम को जन-साधारण स्तर तक पहुँचाया जाए।

उत्सव के दौरान चार गोलमेज विमर्श भी आयोजित हुए जिनके विषय थे- सामाजिक उपक्रमों के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर आधारित नवप्रवर्तन, नवप्रवर्तन परिस्थितिक तंत्र का पोषण, नवप्रवर्तन व स्टार्ट-अप्स के उच्चीकरण व व्यापारीकरण में सरकार की भूमिका तथा बांस व हर्बल मेडिसिन के विशेष संदर्भ के साथ दीर्घकालिक कृषि में नवप्रवर्तन। सभी विमर्शों से कुछ महत्वपूर्ण अवुशंसाएं भी प्रस्तुत की गई।

पहले विमर्श के सुझावों व अनुशंसाओं का बताते हुए भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव प्रो. आशुतोष शर्मा ने प्रौद्योगिकी के विद्यार्थियों को गांवों से जोड़ने की जरूरत पर बल दिया तथा नवप्रवर्तन को बढ़ावा देने के प्रयास का विकेन्द्रीकरण करने की बात कही। दूसरे विमर्श की अनुशंसा रखते हुए अटल इनोवेशन मिशन के निदेशक श्री आर रमन्ना ने बच्चों को स्कूल स्तर पर ही नवप्रवर्तन की सुविधाएं उपलब्ध कराने की बात कही। उन्होंने बताया कि बच्चों को इस तरह का अवसर उपलब्ध कराने के लिए देश में हजारों अटल टिंकरिंग लैब स्थापित की गई है। उन्होंने देश में रजिस्टर्ड हुए कई सौ स्टार्ट अप्स को औद्योगिक मार्गदर्शन दिए जाने का महत्व भी बताया।

नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता उत्सव 2018 के दौरान राष्ट्रपति भवन में विज्ञान एवं तकनीकी पर आधारित नवप्रवर्तन के सामाजिक उपयोग विषय पर आधारित गोलमेज सम्मेलन के दौरान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के सचिव प्रो. आशुतोष शर्मा और अन्य गणमान्य।

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत के कार्यकारी उपाध्यक्ष प्रो. अनिल गुप्ता ने तीसरे विमर्श की संस्तुतियां प्रस्तुत कीं। इसमें नवप्रवर्तनों को बाजार और जनता तक पहुँचाने के लिए बेहतर प्रयास करने की आवश्यकता तथा ओपन सोर्स टेक्नोलॉजी तथा आई.पी. प्रोटेक्टेड टेक्नोलॉजी की आवश्यकता पर भी बल दिया गया। कृषि, सहकारिता व कृषक कल्याण विभाग के सचिव श्री शोभना के पटनायक ने चौथे विमर्श की संस्तुतियों को प्रस्तुत किया। उन्होंने भारत सरकार द्वारा सन 2020 तक किसानों की आय दोगुनी करने की योजना के परिपेक्ष्य में कुछ कार्य योजनाएं प्रस्तुत कीं। बांस उत्पादन क्षेत्र के विकास के लिए 200 करोड़ रूपये निर्धारित किए गए हैं। बांस से सम्बन्धित टेक्नोलॉजी व उत्पादों के लिए राष्ट्रपति भवन में एक प्रदर्शनी स्थापित किया जाएगा। नवप्रवर्तक कृषक योजना का विस्तार केन्द्रीय व राज्य कृषि विश्वविद्यालयों तक किया जाएगा। राष्ट्रपति भवन के आयुष केन्द्र के अनुभवों से देश के विभिन्न संस्थानों को भी लाभान्वित किया जाएगा। कृषि मंत्रालय, राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान के साथ मिलकर विभिन्न क्षेत्रों में नवप्रवर्तन की पहचान करेगा।

भारत के माननीय राष्ट्रपति ने आशा व्यक्त की कि इन अनुशंसाओं व संस्तुतियों का अगले वर्षों में अनुसरण किया जाएगा। उन्होंने मंत्रालयों एवं विभागों से मिलकर काम करने का आग्रह किया।

नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता उत्सव 2018 में कई अन्य कार्यशालाएं व विमर्श भी आयोजित किए गए। इनमें नेशनल इनोवेशन क्लब की बैठक तथा चयनित क्लबों की प्रस्तुति, नवप्रवर्तन पारिस्थितिकी को समृद्ध करने के लिए सरकार व उद्योगों के बीच बातचीत तथा डिजाइन इनोवेशन सेन्टर की कार्यशाला शामिल है। उत्सव का समापन बच्चों की सृजनात्मकता व सहभागिता के लिए सृष्टि द्वारा आयोजित कार्यशाला से हुआ।

नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता उत्सव 2018 के दौरान राष्ट्रपति भवन में चार अलग-अलग गोलमेज सम्मेलनों का आयोजन किया गया।

नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता उत्सव 2018 में अपनी बात रखते श्री संजय कोठारी, सचिव राष्ट्रपति।

उत्सव से जुड़ी एक नवप्रवर्तन प्रदर्शनी भी 19 से 23 मार्च 2018 तक अवलोकनार्थ खुली रही। इस प्रदर्शनी में प्रतिभागी नवप्रवर्तकों को आपस में मिलने तथा भविष्य में समाज की बेहतरी करने की संभावनाओं का संवर्धन करने का अवसर प्रदान किया। इस प्रदर्शनी ने नए भारत (न्यू इण्डिया) के नवप्रवर्तन परितंत्र को अधिक मजबूत करने व समृद्ध करने में भी भूमिका निभायी। अब नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता उत्सव ने भारत सरकार की नीतियों के साथ सामाजिक विकास के लिए सृजनात्मक नवप्रवर्तनों का अद्भुद समन्वय स्थापित किया तथा कृषि, ग्रामीण विकास, स्वच्छता, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल कल्याण, जैव प्रौद्योगिकी तथा चिकित्सा के क्षेत्र में जन साधारण स्तर पर हो रहे रचनात्मक नवप्रवर्तनों, विद्यार्थियों के सुझावों तथा अन्य प्रौद्योगिकी के लिए नया समाधान प्रस्तुत किया।

भारतकी प्रथम महिला श्रीमति सविता कोविंद प्रदर्शनी का अवलोकन करती हुई।

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान ने राष्ट्रपति भवन के साथ मिलकर 19 से 23 मार्च 2018 तक पाचवें इनोवेशन स्कॉलर-इन-रेजिडेंस कार्यक्रम का भी आयोजन किया। राष्ट्रपति भवन ने सन 2013 में जन साधारण स्तर पर नवप्रवर्तन को प्रोत्साहन देने के लिए नवप्रवर्तकों हेतु 'इन-रेजिडेंस' कार्यक्रम प्रारम्भ किया था। राष्ट्रपति भवन द्वारा नवप्रवर्तक स्कूली व कॉलेज विद्यार्थियों, किसानों और दस्तकारों की मेहमानवाजी का उद्देश्य केवल इतना था कि देश भर में यह संदेश जाए कि सृजनशील नवप्रवर्तक जन-सामान्य की पहुंच राष्ट्रपति भवन तक सहजता से हो सकती है। पाचवें संस्करण में राष्ट्रपति भवन ने 10 नवप्रवर्तकों का चयन किया था।

माननीय राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद नवप्रवर्तक श्री प्रकाश सिंह से बात करते हुए।

इनोवेशन स्कॉलर-इन-रेजिडेंस कार्यक्रम का पांचवा बैच राष्ट्रपति भवन में

शोध यात्रा - ग्रामीण क्षेत्रों में रचनात्मकता की खोज में

40वीं शोधयात्रा का आयोजन गुरेज बैली, जिला बांदीपोर जिला, जम्मू एवं कश्मीर किया गया।

ग्रामीण क्षेत्रों में रचनात्मकता की खोज में शोध यात्रा की जाती है, जिसका आयोजन वर्ष में दो बार राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान तथा हनी बी नेटवर्क के सहयोग से सृष्टि द्वारा किया जाता है। वर्ष 2017 में 11 मई से 18 मई तक 39 वीं शोध यात्रा का आयोजन ओडीसा के बरगढ़ जिले में किया गया। इस यात्रा में इनोवेट उड़ीसा इनिशिएटिव तथा संभलपुर व बरगढ़ जिले के विद्यार्थियों व स्वयंसेवकों ने भी सहयोग दिया। यात्रा बारपालि से प्रारम्भ हुई और नरसिंहनाथ पर समाप्त हुई। इस दौरान 50 यात्रियों, जिसमें किसान, विद्यार्थी, प्रोफेशनल्स, अध्यापक व नवप्रवर्तक शामिल थे, ने लगभग 120 किमी की दूरी तय की तथा 30 गावों के लोगों से बातचीत की। 40वीं शोध यात्रा का आयोजन जम्मू कश्मीर में 27 अक्टूबर से 2 नवम्बर, 2017 तक बांदीपुरा जिले की गुरेज घाटी में किया गया। इस यात्रा में गुरेज व तुंलेल घाटी के विद्यार्थियों ने सहयोग किया। यात्रा का प्रारम्भ देश की सीमा पर स्थित तुलेल घाटी के अंतिम गांव चेकवली से हुआ तथा अंत गुरेज घाटी के अंतिम गांव बर्नई पर हुआ। पहाड़ी इलाके में हुई इस यात्रा में 45 किमी की दूरी तय की गई तथा 25 गावों के लोगों से बातचीत की गई।

मसाले के किस्म का खेत में परीक्षण-नवप्रवर्तक श्रीटी पी जोसेफकी इलाचयी की संशोधित किस्म

ओडीसा शोध यात्रा के उद्घाटन अवसर पर क्षेत्र के लिए उपयोगी पुरस्कार प्राप्त नवप्रवर्तनों तथा उड़ीसा में पूर्व में अभिलेखित किए गये। नवप्रवर्तनों की प्रदर्शनी आयोजित की गई। शोध यात्रा के दौरान कुछ रोचक नवप्रवर्तनों की पहचान की गई, जिसमें सर्गिबहल के जुम्नीकांत दास की डीजल इंजन से चलने वाली वेल्डिंग मशीन, सालेपाले के साधु चरन पटेल का पोर्टेबुल हैण्डपम्प, बन्धपली के प्रफुल्ल कुमार मेहर की हाथ से चलने वाली स्विनिंग व विन्डिंग मशीन व राम प्रसाद मेहर की आटोमेटिक मशीन शामिल हैं। सत्ती गाता के स्कूल अध्यापक धनंजय साहू ने किसानों के लिए सोलर स्पेयर तथा दिव्यांगों के लिए स्वचलित (आटोमैटिक) बिस्तर तैयार किया है।

चालीसवीं शोध यात्रा के दौरान यात्री समुद्र तल से 8000 फीट ऊंचाई पर पाकिस्तान सीमा पर रहने वाले दर्द-शिन समुदाय के लोगों के संघर्ष व दुरूहताओं से रू-ब-रू हुए। वर्ष भर कठिन परिस्थितियों में कार्य करने वाली महिलाओं ने बिना किसी हिचक के यात्रियों से बातचीत की। ऐसी ही वहां के बच्चों ने किया। बिजली वहां की महत्वपूर्ण समस्या है अतः बच्चों के अधिकांश सुझाव सौर ऊर्जा और नदी के जल के सार्थक उपयोग को लेकर थे। अधिकांशतः मोबाइल चार्ज करने के लिए सोलर चार्जर चाहते थे। लाल दीन मलिक ने सोलर कैंप का सुझाव दिया, जिसकी सहायता से फेरन (कोट) को गर्म किया जा सके। ऐसा ही एक सुझाव सोलर बुखारी या कांगड़ी का भी मिला। मुदसिर अहमद लोन सोलर सभोवर (कश्मीर केतली) चाहते थे। आकिब पानी पर दौड़ने वाला वाहन, मोहम्मद दिलावर पवन ऊर्जा से बिजली चाहते थे। युवा नवप्रवर्तक तौसीफ ने घर को गर्म रखने वाली बुखरी बनाई है तो अरशद अहमद ने बर्फ चलने में सहायक जूते तैयार किए है। यात्रा के दौरान ऐस दी कई सृजनात्मक नवप्रवर्तन देखने को मिलें।

शोध यात्राओं के दौरान परम्परागत ज्ञान पर आधारित कृषि, मानव व पशु चिकित्सा आदि का डाक्यूमेटेशन करने का भी अवसर मिला। स्थानीय हर्बल जानकारियों व स्थानीय उत्पादों को अधिक उपयोगी बनाने की अपार संभावनाएं भी नजर आयीं, जिन्हें सहेज लिया गया।

इंस्पायर अवार्ड्स-मानक

इंस्पायर अवार्ड्स-मानक (राष्ट्रीय आकांक्षा और ज्ञान को बढ़ते लाखों मस्तिष्क) स्कूली विद्यार्थियों के नवप्रवर्तकों को पुरस्कृत करने की भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की राष्ट्रीय योजना है, जिसे राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान भारत के सहयोग से संचालित किया जाता है। इस योजना के अन्तर्गत प्रत्येक वर्ष 10 लाख सुझावों में पहले 1 लाख सुझाव चयनित किए जाते हैं। फिर इनमें से राज्य व जिला स्तर पर चयन करके 60 सुझाव व नवप्रवर्तन का चयन कर उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत किया जाता है तथा रानप्र द्वारा इनक्यूबेशन प्रदान किया जाता है। यह योजना 'स्टार्टअप इण्डिया' कार्य योजना की दिशा में बढ़ाया गया कदम है, जिसका उद्देश्य स्कूल स्तर (कक्षा 6 से 10 तक) के विद्यार्थियों को साथ लेकर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तंत्र को विकसित करके मानव संसाधन का विकास करना है।

चंडीगढ़ में आयोजित राजस्तरीय प्रदर्शनी ।

तमिलनाडू में आयोजित राज्यस्तरीय प्रदर्शनी।

इस वर्ष 35 राज्यों व केन्द्र शासित राज्यों के 595 जिलों से 2,58, 902 विद्यार्थियों के सुझाव प्राप्त हुए। इनमें से जिला स्तरीय प्रदर्शनियों व प्रोजेक्ट प्रतियोगिताओं के लिए 31,208 विद्यार्थियों के नवप्रवर्तनों/विचारों का चयन किया गया। पहले चरण में प्रत्येक नवप्रवर्तनों/विचारों के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा दस हजार रूपये डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से दिए गये। चयनित प्रतिभागियों के आधार पर रानप्र ने 200 जिला स्तरीय प्रदर्शनी व प्रोजेक्ट प्रतियोगिता का आयोजन करने की योजना बनाई। जागरूकता अभियान के लिए 15 भाषाओं में पोस्टर, ब्रोशर व एनिमेटेड फिल्म भी तैयार किए गये।

इंस्पायर अवार्ड्स-मानक के क्रियान्यवयन के दौरान देशभर मेंजिला एवं राज्यस्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट कॉम्पीटिशन का आयोजन किया गया। इसक्रम में तमिलाडू के ठोठूकोडी जिले में अपने नवप्रवर्तन का प्रदर्शन करते बच्चे।

विभागीय गतिविधियाँ

खोज एवं दस्तावेजीकरण

बुनियादी स्तर के पर्यावरण व असहायता प्राप्त प्रौद्योगिकिय नवप्रवर्तनों और विशिष्ट पारंपरिक ज्ञान धारकों की दसवीं राष्ट्रीय द्विवार्षिक प्रतियोगिता (अप्रैल 2015-जून 2017) का समापन 30 जून 2017 को हुआ। इसमें 34 राज्यों व केन्द्र शासित राज्यों से 12,500 प्रविष्टियों से भी अधिक प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई। 1 जुलाई 2017 से 11 वीं द्विवार्षिक प्रतियोगिता प्रारम्भ हुई है और 31 मार्च 2018 तक 3500 प्रविष्टियाँ प्राप्त हो चुकी हैं। अभी 31 मार्च 2019 तक प्रविष्टियाँ स्वीकार की जाएंगी।

वर्ष 2017 की डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इग्नाइट प्रतियोगिता के लिए देश के 576 जिलों से 65,000 से भी अधिक प्रविष्टियां प्राप्त हुई थीं। इनमें से 16 राज्यों के 56 विद्यार्थियों को उनके 29 सुझावों/नवप्रवर्तनों के लिए पुरस्कृत किया गया। 22 दिसम्बर 2017 को गांधीनगर के ग्राम भारती में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। भारत के पूर्व राष्ट्रपति माननीय श्री प्रणव मुखर्जी ने गुजरात के राज्यपाल माननीय श्री ओ.पी. कोहली की उपस्थित में सृजनशील विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम इग्नाइट 2018 प्रतियोगिता के लिए 31 मार्च 2018 तक 16000 प्रविष्टियाँ प्राप्त हो चुकी हैं।

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान ने साइंस ट्रेन से जुड़ी प्लेटफार्म गतिविधियों में भी प्रतिभागिता किया। साइंस एक्सप्रेस क्लाइमेट एक्शन स्पेशल ट्रेन बिहार, असम, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तेलंगाना, आन्ध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात राज्यों के कई प्लेटफार्म से होकर गुजरी। प्लेटफार्म गतिविधियों में विद्यार्थियों से बातचीत, विचार प्रतियोगिता और पोस्टर प्रदर्शनी प्रमुख रहे।

बिहार के सीतामढ़ी जिले में जलवायु विशेष साइंस एक्सप्रेस। इस दौरान रानप्र-भारत ने प्लेटफॉर्म पर कई गतिविधियां आयोजित की।

मूल्य संवर्धन शोध एवं विकास

इंजीनियरिंग टीम ने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम इग्नाइट प्रतियोगिता 2017 के दौरान प्राप्त हुई 65000 प्रविष्टियों की समीक्षा की तथा पुरस्कृत प्रविष्टियों (22) की प्रतिकृति भी तैयार की, पेटेंट फाइल करने हेतु तकनीकी प्रपत्र तैयार किए तथा प्रथम परीक्षा रिपोर्ट्स का उत्तर दिया। जन-साधारण नवप्रवर्तकों के बीच सीखने की प्रवृत्ति तथा किसी विचार को शीघ्रता से प्रतिकृत में बदलने की प्रक्रिया को सहायता के लिए असम, मेघालय, नागालैण्ड, अरूणांचल प्रदेश, मणिपुर, जम्मू-कश्मीर, ओडीसा, पश्चिम बंगाल, बिहार व छत्तीसगढ़ में 14 कम्युनिटी वर्कशॉप स्थापित की गई। राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान के सहयोग से देश में चलने वाली कार्यशालाओं (वर्कशॉप) की संख्या इस वर्ष 51 तक पहुँच गई। ये देश के 23 राज्यों में स्थापित हैं। इसके अतिरिक्त 20 राज्यों के 58 नवप्रवर्तकों को अपने नवप्रवर्तन को अवधारणा स्तर पर तैयार करने या फिर उनकी प्रतिकृति बनाने के लिए आर्थिक सहायोग दिया गया।

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत के फैब लैब में छात्रों का भ्रमण

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत के फैब लैब में प्रोटोटाइप निर्माण कार्य

कृषि

कृषि टीम ने 12 संस्थानों में 18 फसल प्रजातियों तथा 10 हर्बल फार्म्युलेशन (निरूपण) के प्रमाणीकरण में सहायता की, अंगूर की दो प्रजातियों का मौके पर मूल्यांकन किया। विभिन्न संस्थानों में प्रमाणीकरण ट्रायल के दौरान किसानों की मिर्च और कद्दू की प्रजातियों ने स्थानीय व राष्ट्रीय परीक्षण की अपेक्षा बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि गोभी की प्रजाति के जल्दी परिपक्व होने के कारण अधिक मूल्य-लाभ रिपोर्ट किया गया। गाजर की दो प्रजातियों ने भी बाजार ले जाने लायक अधिक उपज का प्रदर्शन किया। दुर्गा 4 प्रजाति आकर्षक लाल रंग अच्छा कुरकुरा स्वाद तथा मिठास रखती है। कैस्युराइना की मोदी-1 प्रजाति ने उन्नतशीलता व मोटे आधार व ऊँचाई के साथ उच्च विकास दर प्रदर्शित किया। गोभी की अजितगढ़ चयन ने गठी, गोल, सफेद गोभी उत्पादित की, जिसकी अपेक्षाकृत उपज भी अधिक हुई। इसी क्रम में प्याज की प्रजाति राशिदपुरा प्याज की अधिक उपज देखी गई, जबकि इसमें दो कन्द का प्रतिशत कम पाया गया। हयाचिन्थ प्रजाति (जेके 1) की भी अपेक्षाकृत उन्नत व ताजी उपज देखने को मिली। बाजरे की सुल्खनिया प्रजाति शीघ्र परिपक्वहोने के साथ, बेहतर अलग तरह से लम्बी व मोटी फली (इयर हेड) वाले थे तथा सूखे की स्थिति में भी उपज देने में सक्षम थे।

नवप्रवर्तक हरमन शर्मा के द्वारा विकसित की गई उपोष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में फल देने वाला सेब हरमन 99 ने तेलंगाना प्रदेश में फलोत्पादन हुआ।

गोभी के अजीतगढ़ चयन किस्म को फरवरी 2018 में प्रदर्शित करते नवप्रवर्तक जगदीश पारिख, सीकर, राजस्थान।

प्रमाणीकरण के दौरान यह पाया गया कि लीफ हॉपर, फ्रूट व शूट बोरर कीटों की उत्पत्ति को रोकने में रसायनिक नियंत्रण की अपेक्षा हर्बल फार्मुलेशन को अधिक प्रभावी पाया गया। इन फार्मुलेशन का परीक्षण सरदार कृषि नगर दंतेवाड़ा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में किया गया था।

सेब की हरमन- 99 किस्म को उगाने का प्रयास 2014 से उन क्षेत्रों में किया गया, जहां सेब की उपज नहीं होती है और 2017-18 में इसके सफल परिणाम 10 ऐसे क्षेत्रों में देखने को मिले। अब इस किस्म को पूरे देश में फैलाने की योजना है।

पन्द्रह राज्यों के 700 किसानों के खेत में 32 फसलें किस्मों का परीक्षण किया गया, जिसमें उपज व उपज से जुड़े लक्षणों के संदर्भ में अच्छी सफलता मिली। धान की किस्म डी आर के (स्व. दादाजी रामजी खेबराघड़े) अपने दोनों की उच्च गुणवत्ता के कारण बाजार में अधिक मूल्य दिलाने में सफल रही तो सोयाबीन की किस्म पाण्डरीनाथ-1 यलो मोजेक वायरस से लड़ने में सक्षम पायी गयी। सोलह हर्बल फार्मुलेशन का परीक्षण किसानों के खेत पर किया गया और वे धान के कीटों तथा मिर्च की कर्ल लीफ बीमारी के प्रति अधिक जैविक क्षमता वाले सिद्ध हुए। तीन हर्बल प्रौद्योगिकी के प्रमाणीकरण का परीक्षण राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान के रिसर्च फार्म पर किया गया और उन्हें बैगन के कीटों पर नियंत्रण पाने में प्रभावी पाया गया। इसी तरह किसानों के गेहूँ की 10 किस्मों को गुजरात परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार किया गया।

कुबरी महामनी चयन- दुर्ग के नवप्रवर्तक रोहित साहू द्वारा विकसित चावल की किस्म ।

दो शोध संस्थानों में 22 किस्मों का जैव-रासायनिक विश्लेषण किया गया। गेहूं की किस्म में आयरन, कर्बोहाइड्रेट और प्रोटीन की मात्रा अपेक्षाकृत अधिक पायी गयी। किसानों की बाजरा किस्म- सुल्खनिया में भी आयरन और प्रोटीन की मात्रा अधिक पायी गई। प्याज की (बलवान सिंह, हरियाणा) को उत्तराखण्ड ऊंचाई पर स्थित सात गांवों में उपजाने में सहायता की गई। सदाबहार आम किस्म को तेलंगाना और आन्ध्र प्रदेश में परिचित कराया गया ताकि क्षेत्र के नवप्रर्वकों के लिए व्यापार की संभावनाएं सृजित हो सकें। लौंग, काली मिर्च और जायफल की 12 किस्मों का ए आई सी आर पी परीक्षण आई सी ए आर की विभिन्न शोध केन्द्रों पर किया जा रहा है।

मानव स्वास्थ्य

इस अवधि में विभिन्न रोगों के सम्बन्ध में विभिन्न हर्बल प्रयोग के प्रमाणीकरण को पूरा किया गया, जिसमें प्रदाह (6) यकृत विकार (7), यूरोलिथिएसिस (4), अल्सर (4), घाव भरना (4), मलेरिया (6), ओस्टिओपोरेसिस (6), अपस्मार (एपलेप्सी) (8) तथा मोटापा (4) शामिल हैं। विभिन्न प्रोजेक्ट के अन्तर्गत नवप्रवर्तकों और पारंपरिक ज्ञानधारकों के 13 राज्यों के 56 हर्बल प्रयोगों का सत्यापन तथा विस्तृत अभिलेखीकरण किया गया, जो कि रोगों और पौधों से सम्बन्धित थे। योग्य प्रयोगों को आर ए सी/पी आर सी में विशेषज्ञों द्वारा उनकी समीक्षा की गई तथा प्रमाणीकरण व गुणवत्ता बढ़ाने के लिए चयनित किया गया। मधुमेह, हाइपरटेंशन, मोतियाबिन्द, ओस्टियोपोरेसिस, यकृत विकार, प्रदाह व गठिया, एपिलेप्सी, यूरोलिथिएसिस आदि के क्षेत्र में 60 से अधिक हर्बल प्रयोगों के प्रमाणीकरण से जुड़े 37 नए प्रोजेक्ट प्रोजेक्ट को दस विभिन्न संस्थानों/ सीआरओ में प्रारम्भ किया गया। विशेषकर दुर्योधन करमाकर (झारखंड), रामानन्द राम (बिहार), टी रामानाथन (तमिलनाडु) और गुलाम नबी वानी (जम्मू और कश्मीर) का मोतियाबिन्द रोधी हर्बल प्रयोग की रिपोर्ट आशाजनक रहीं। प्रमाणीकरण परीक्षण के दौरान रोग नियंत्रण समूह की अपेक्षा रोग परीक्षण समूह में लेन्स की अपारदर्शिता घटती पायी गई। दोनों समूहों के व्यवहार में कोई बड़ा परिवर्तन नहीं पाया गया।

पशु चिकित्सा

हिमांचल प्रदेश में राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान और कॉलेज ऑफ वेटेरिनरी एण्ड एनिमल साइंस ने मिलकर हिमांचल प्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस टेक्नालॉजी एण्ड इनवारन्मेंट, शिमला के सहयोग से स्वदेशी/देशज यूकानाशी (एक्रिसाइड) चिकित्सा के लोकप्रियकरण किया। इस मेडिकेशन (चिकित्सा) को राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान द्वारा विकसित तथा मानकीकरण किया गया तथा बा' परजीवी के संक्रमण के नियंत्रण के लिए वेटेरिनेरी संस्थानों द्वारा इसे अपनाया गया। प्रतिष्ठान ने डॉ. जी सी नेगी कॉलेज ऑफ वेटेरिनेरी एंड एनिमल साइंसेज, पालमपुर के साथ सहभागी बनकर 22 सितम्बर 2017 को कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें 100 वेटेरिनेरी फार्मासिस्टों ने भाग लिया। इनका उद्देश्य टिक संक्रमण, स्तन की सूजन (मस्टाइटिस) व स्तन के घाव (अडर सोर) के स्वदेशी उपचार से जुड़े प्रयोगों में स्वयंसेवा करना था।

बौद्धिक सम्पदा अधिकार

इस अवधि में नवप्रवर्तकों और ज्ञान प्रदान करने वालों के नाम पर 94 पेटेंट के लिए आवेदन किया गया। इस अवधि में जनसाधारण नवप्रवर्तकों के लिए 11 पेटेंट प्राप्त किये गए। किसानों द्वारा विकसित की गई किस्मों को पी पी वी एण्ड एफ आर एक्ट, 2001 के अन्तर्गत पंजीकृत कराने के लिए 14 आवेदन किए गए तथा दो किस्मों के पंजीकरण प्रमाण पत्र प्राप्त किए गए।

वाणिज्य विकास

इंजीरियरिंग टेक्नोलॉजी और पादप प्रजाति के 23 प्रोजेक्ट को माइक्रो वेन्चर इनोवेशन फण्ड के अन्तर्गत सहयोग किया गया। राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान ने डाबर रिसर्च फाउंडेशन के साथ हर्बल मानव स्वास्थ्य टेक्नोलॉजी पर आधारित प्रमाणीकरण, गुणवत्ता बढ़ाने और उत्पादों के विकास के लिए एक वृहद समझौता भी किया गया। डाबर सक्षम उत्पादों को मार्केट में ले जाने के लिए भी सहयोग करेगा। पांच उच्च क्षमतावान जन साधारण नवप्रवर्तकों ने NIFientreC के साथ समझौता करके इस बात पर सहमति जताई है कि वे रानप्र के साथ इक्विटी स्टेक या फिर अपने वार्षिक टर्नओवर का कुछ प्रतिशत शेयर करेंगे। प्रत्युत्तर में उन्हें NIFientreC सलाह, इनक्यूबेशन तथा अन्य सहयोग प्रदान करेगा। 12 तृणमूल नवप्रवर्तन आधारित स्टार्ट अप्स सफलता पूर्वक राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान द्वारा पंजीकृत किए गये तथा डी आई पी पी द्वारा इन्हें स्टार्ट-अप प्रमाणपत्र भी दे दिए गए।

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान ने उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के 13 वर्षीय छात्र सिकान्तो मंडल के नवप्रवर्तन 'मोबाइल गार्बेज कलेक्टिंग डिवाइस' का टेक्नोलॉजी लाइसेंस सरजन इनोवेशन्स प्राइवेट लिमिटेड, पारन, गुजरात को दिलाने में सहायता की। इसी तरह गोपाल भाई सुरतिया की ' काऊ डंग पॉट मेकिंग मशीन' का टेक्नोलॉजी लाइसेंस डी आई पी टेक्नोलॉजीज, अहमदाबाद को दिलाया गया। इसका उद्देश्य इन नवप्रवर्तनों के निर्माण तथा इनकी देश भर में मार्केटिंग करना है। प्रतिष्ठान ने लकी बेकरी प्राइवेट लिमिटेड और वारियरर्स मार्केटिंग एण्ड डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड के साथ संयुक्त उपक्रम व टेक्नोलॉजी स्थानांतरण के लिए समझौता किया है, जिसके अन्तर्गत रानप्र न्यूट्रास्युटिकल उत्पादों से जुड़ी प्रौद्योगिकी स्थानांतरित करेगा, जिसे लकी बेकरी बनाएगी तथा वारियरर्स उसकी मार्केटिंग करेगी। प्रतिष्ठान, हल्दीराम स्नैक्स प्राइवेट लिमिटेड; नोएडा तथा वारियर्स मार्केटिंग एण्ड डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड पुणे एक एसोसिएशन बनाने के प्रपत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके अन्तर्गत स्वास्थ्यवर्धक व नवप्रवर्तक खाद्य उत्पाद विकसित करने की योजना है। ये उत्पाद रानप्र विकसित करेगा, जिसका निर्माण वारियर्स करेगा तथा मार्केटिंग का उत्तरदायित्व हल्दीराम अपने ब्रॉण्ड के माध्यम से करेगा।

सूचना प्रसार एवं सामाजिक प्रसार

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान अपनी विभिन्न गतिविधियों के द्वारा तृणमूल नवप्रवर्तनों को जम्मू-कश्मीर, छत्तीसगढ़, आन्ध्रप्रदेश, तेलंगाना, मेघालय, ओडीसा, असम, नागालैण्ड, त्रिपुरा, मणिपुर, उत्तर प्रदेश में पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नवप्रवर्तन जैस कोकोनट ट्री क्लाइम्बर (स्व. अप्पचन, केरल), नेचुरल वाटर कूलर (अरविन्द भाई पटेल, गुजरात), अगरबत्ती की तीली बनाने की मशीन (परेश पांचाल, गुजरात) को लोगों तक पहुंचाया गया तो दूसरी तरफ हाथ से चलने वाला पम्प (एन शक्तिमैथन, तमिलनाडु), साइकिल फावड़ा (गोपाल भाई, भिसे, महाराष्ट्र) पैडी हस्क स्टोन (अशोक ठाकुर, बिहार), साइकिल पम्प (स्व. विक्रम राठौर, आंध्र प्रदेश) आदि को सम्बन्धित क्षेत्रों में ही निर्मित किया गया। जम्मू कश्मीर में हाथ से चलने वाला पम्प, काऊ डंग लॉग मेकिंग मशीन आदि नवप्रवर्तन का प्रसार किया गया।

कर्नाटक के श्री जी के रत्नाकर द्वारा विकसित एक अभिनव नवप्रवर्तन बिजली उत्पादन के लिए अनुकूलित हाइड्रो टरबाइन का प्रसार, तिप्ली, उत्तराखंड में किया गया।

जम्मू-कश्मीर ,छत्तीसगढ़, ओडीसा, मेघालय, असम , नागालैंड, त्रिपुरा, मणिपुर, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, में नए तृणमूल नवप्रवर्तनों के प्रसार की पहल की गई। इनमें सेनिटरी नेपकिन मेकिंग मशीन (एस अफजल, मल्टीपर्पज प्रोसेसिंग मशीन (धर्मवीर कम्बोज), इन्सेंस स्टिक रॉलिंग मशीन (परेश पांचाल) आदि शामिल हैं। राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान ने जम्मू-कश्मीर के नवप्रवर्तक रफीक के मल्टीपर्पज टूटल को असम, अरूणांचल प्रदेश, नार्थ बंगाल, मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा, और मिजोरम के लोगों के बीच प्रस्तुत किया और उनका फीडबैक प्राप्त किया। कृषि के लिए उपयोगी तीन हर्बल उत्पाद (विकास वर्धक और कीटनाशक) को असम, मेघालय, अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा और मिजोरम के विविध क्षेत्रों में भेजा गया, जहां चिन्हित किसानों को परीक्षण के लिए वितरित किया गया।

रानप्र-भारत द्वारा समर्थित तृणमूल नवप्रवर्तक परेश पंचाल के नवप्रवर्तन अगरबत्ती की तीली बनाने की मशीन का प्रशिक्षण अलीपुर महिला सुधार गृह में किया गया।

आठवीं वार्षिक वैश्विक उद्यमिता समिति 2017 के तहत आयोजित किए गए प्रथम आदिवासी उद्यमिता समिति में रानप्र-भारत ने भी भागीदारी की थी।

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान ने जेल में कैदियों को नवप्रवर्तक उत्पादों से जुड़ी स्किल (कौशल) सिखाने के उद्देश्य से देश के सभी राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों के सुधार घरों व ऐसी अन्य संस्थानों से संवाद स्थापित किया है। इस तरह की पहल उन्हें जेल से मुक्त होने पर समाज के प्रति व उत्पादक नागरिक बनाने में सहायक हो सकती है। पश्चिम बंगाल ने अलीपुर महिला सुधार गृह में अगरबत्ती /धूप (इनसेन्स स्टिक) बनाने की मशीन की इकाई लगाकर पहल की है। हिमांचल प्रदेश सुधार सेवा ने धर्मशाला जेल में गोबर से पॉट बनाने की मशीन की यूनिट लगाई है। उत्तर पद्रेश के डासना जेले के सुधार गृह तथा हरियाणा के गुरुग्राम जेल के सुधार गृह में दिल्ली स्थित इण्डिया विजन फाडण्डेशन के सहयोग से अगरबत्ती/धूप बनाने की मशीन लगाई गई है। पन्द्रह वर्ष पहले राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान ने ज्ञान पश्चिम के साथ मिलकर अहमदाबाद ओपन जेल में इरि सिल्क उत्पादक का प्रयोग किया था। इस तरह के प्रयास समाज में हाशिए पर पड़े लोगों में नवप्रवर्तन संस्कृति फैलाने में सहायक होते है।

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान ने जनसाधारण नवप्रवर्तन को प्रदर्शित करने के लिए 28 जुलाई से 11 अगस्त 2017 तक संसद भवन परिसर, नई दिल्ली में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नव प्रवर्तन पर प्रदर्शनी का आयोजन किया। प्रदर्शनी का उद्देश्य समाज के लिए उपयोगी उत्पादों और विकास के लिए तकनीकी उपोत्पाद का प्रचार-प्रसार करना था। राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान भारत के निदेशक डॉ. विपिन कुमार ने बताया कि किस तरह 12 सितम्बर 2017 को नेशनल ट्रस्ट द्वारा आयोजित इन्क्लूसिव इण्डिया समिट 2017 में जन-साधारण नवप्रवर्तनों ने मेकिंग इण्डिया को समग्रता प्रदान की। यह समिट एक ऐसा मंच उपलब्ध कराती है जहां देश बौद्धिक रुप से सक्षम व विकास में पिछड़े लोगों द्वारा झेली जा रही समस्याओं के हल खोजने के लिए नए-नए विचारों के साथ विमर्श होता है।

संसद भवन में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और नवप्रवर्तन पर आयोजित किए गए प्रदर्शनी को देखती हुए लोकसभा की अध्यक्ष श्रीमति सुमित्रा महाजन और विज्ञान प्रौद्योगिकी, पर्यावरण एवं वन विभाग की संसदीय समिति की अध्यक्ष श्रीमति रेणुका चौधरी।

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान ने 13 से 16 अक्टूबर 2017 तक इण्डिया इंटरनेशनल साइंस फेयर में भाग लिया, जहां इसने तृणमूल नवप्रवर्तन समिट स्थापित की। इसमें देश के सभी राज्यों के 100 नवप्रवर्तनों को प्रस्तुत किया गया। प्रतिष्ठान ने एक सेमिनार का भी आयोजन किया, जिसमें विशेषज्ञों ने खोज, दस्तावेजीकरण, मूल्य संवर्धन, उत्पाद विकास, औपचारिक एवं अनौपचारिक विज्ञान के सम्मिश्रण, पेटेन्ट संरक्षण, आई पी आर, सामाजिक व वाणिज्यिक परिवेश में प्रसार आदि विषयों पर चर्चा की। 16 से 20 मार्च 2018 तक प्रतिष्ठान ने इम्फाल, मणिपुर में 105 वीं राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस में भाग लिया। यहां पर नवप्रवर्तनों की प्रदर्शनी भी आयोजित की, जिसमें कई तृणमूल जनोपयोगी नवप्रवर्तन प्रदर्शित किए गये। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के पवेलियन में इस प्रदर्शनी के साथ-साथ पोस्टर भी प्रदर्शित किए गए। इस पवेलियन को सर्वाधिक नवप्रवर्तक पवेलियन का पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त रानप्र प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने, राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय आयोजनों व प्रदर्शनियों में उपस्थित रहने में महत्वपूर्ण पहल करता रहता है।

नई पहल व साझेदारी

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान और ओडिसा वानिकी क्षेत्र विकास परियोजना के बीच तीन वर्ष के लिए आपसी साझेदारी का समझौता हुआ है।इसके अन्तर्गत जनसाधारण नवप्रवर्तन एवं अप्रतिम परम्परागत ज्ञान की स्काउटिंग एवं डाक्यूमेन्टेशन के साथ-साथ जंगल के उत्पादों पर गुजर-बसर करने वाले आदिवासियों की आवश्यकता की पहचान करना शामिल है। इसी क्रम में प्रतिष्ठान व इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बेंगलूरू के बीच 22 दिसम्बर 2017 को पूर्व प्रधानमंत्री श्री प्रणव मुखर्जी तथा गुजरात के माननीय राज्यपाल श्री ओ.पी. कोहली की उपस्थिति के बीच समझौता हुआ है, जिसके अन्तर्गत तृणमूल नवप्रवर्तन की डिजाइनिंग व गुणवत्ता बढ़ाने में सहयोग दिया जाएगा। राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान और इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गोंहारी के बीच 27 दिसम्बर 2017 को समझौता किया गया। यह समझौता पूर्वोत्तर क्षेत्र में तृणमूल नवप्रवर्तन को बढ़ावा देने के लिए हुआ है। रानप्र एवं एनआईटी, मणिपुर के बीच 2 फरवरी 2018 को हुए समझौते के अनुसार मणिपुर के तृणमूल नवप्रवर्तन के विकास में साथ मिलकर काम करना है।

इसी तरह राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान एवं नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एवं एडवांस स्टडीज, बंगलोर के बीच हुए समझौते के अन्तर्गत इंस्टीट्यूट परिसर में 10 से 18 जनवरी 2018 तक नौ दिवसीय जनसाधारण नवप्रवर्तन पर शीर्षक स्कूल का आयोजन किया गया, जिसमें ट्रांस डिसिप्लनरी यूनिवर्सिटी बंगलोर तथा महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल एनर्जी एण्ड डेवलपमेन्ट ने सहयोग किया। इस स्कूल की थीम 'एनर्जी एण्ड वाटर' (ऊर्जा एवं जल) थी। इस स्कूल में 42 प्रतिभागियों की उपस्थिति थी, जिसमें शोधार्थी, इंजीनियरिंग के विद्यार्थी, नवप्रवर्तक, सामाजिक उद्यमी, स्टार्ट अप प्रारम्भ करने वाले , स्वयं सेवी संगठनों के प्रतिनिधि एवं अन्य शामिल थे। इस स्कूल के उद्देश्य थे -(अ) ऊर्जा एवं जल से सम्बन्धित जनसाधारण नवप्रवर्तनों के विभिन्न सिद्धान्तों, प्रक्रिया और अभ्यास से प्रतिभागियों को परिचित कराना। नवप्रवर्तन मूल्यवत्ता श्रृंखला में मध्यस्थ संस्थानों की भूमिका के प्रति प्रतिभागियों की समझ बनाना। (स) विभिन्न नवप्रवर्तन ओर उनके माध्यम से जन-साधारण स्तर पर व्यापक एवं प्रचलित सृजन संस्कृति से प्रतिभागियों को परिचित कराना। (द) तृणमूल नवप्रवर्तन में शोध एवं नीति के बीच की दूरी को पहचानना ताकि प्रतिभागी उसे कम करने की दिशा में सहचर्य व सहयोग करने के प्रति उत्साहित हो सकें।

पहली बार एक तृणमूल नवप्रवर्तक अरूणाचलम गुरूगनन्थम के जीवन पर मुख्यधारा की हिन्दी फिल्म 'पैडमैन' बनाई गई, जिसने कम मूल्य की सेनिटरी नेपकिन बनाने की मशीन का नवप्रवर्तन किया है। श्री अरूणाचलम को राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त है।'पैडमैन' फिल्म टिविकल खन्ना के उपन्यास 'द लीजेण्ड ऑफ लक्ष्मी प्रसाद से उपजी है, जिसमें 'द सेनिटरी मैन ऑफ सेकरेड लैण्ड' कहानी शामिल है। फिल्म में गुरूगन्थम की भूमिका लोकप्रिय अभिनेता अक्षय कुमार ने निभाई है। प्रतिष्ठान ने कई अन्य नवप्रवर्तकों को फिल्म में प्रतिभागिता दिलाई है तथा फिल्म से जुड़े कई कार्यक्रम में सहभागिता निभाई है।

अन्तर्राष्ट्रीय गतिविधियां एवं सहयोग

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग-अनीता बोर्ग इन्स्टीट्यूट, भारत व इण्डो-यूएस साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी फोरम के संरक्षण में सिलिकॉन वैली, केलिफोर्निया, यू एस ए में 01 से 08 मई 2017 तक आयोजित 'एडवांस लेवल ट्रेनिंग फॉर स्केलिंग वूमेन-लेड स्टार्टअप्स इन डेवलप्ड इकोनॉमिक्स' में राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान द्वारा नामांकित डॉ. सत्या सिंह ने भाग लिया। उन्होंने उद्यमिता विकास को समर्पित टेक्नोलॉजी पर आधारित सबसे बड़ी कान्फ्रेंस 'टाईकॉन 2017' (TiECon 2017) में भी प्रतिभागिता किया। इस कान्फ्रेंस में 22 देशों के 4700 से भी अधिक प्रतिनिधियों व 200 से अधिक वक्ताओं ने भाग लिया। इन प्रतिनिधियों ने अग्रसर की भूमिका निभा रही आईटी कम्पनियों तथा बिजनेस स्कूल का भ्रमण भी किया ताकि नवउद्यमियों द्वारा नवप्रवर्तन, मार्केटफिट, वेन्चर केपिटल और स्टार्टअप टीम बनाने प्रारम्भिक पूंजी के माध्यम से टीम तैयार करने सहित अन्य चुनौतियों का सामना करने के सम्बन्ध में अन्तर्दृष्टि प्राप्त की जा सके।

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान- भारत के निदेशक डा. विपिन कुमार ने 9-10 जून 2017 में द इण्डिया-कनाडा सेन्टर फॉर इनोवेटिव मल्टीडिसिप्लिनरी पार्टनरशिप टु एक्सलेरेट कम्युनिटी ट्रांसफार्मेशन एण्ड सस्टेनिबिलिटी की वार्षिक शोध संगोष्ठी में भाग लिया तथा तृणमूल नवप्रवर्तन व सामुदायिक सहभागिता के अनुभवों (परिज्ञान) को साझा किया। इस संगोष्ठी के विमर्शों में शोधार्थियों, विद्यार्थियों, उद्योगों व समुदाय के सदस्यों ने भाग लिया।

भारत एवं दक्षिण अफ्रीका के बीच विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहयोग कार्यक्रम के अन्तर्गत राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान ने जुलाई 2017 में दक्षिण अफ्रीका में अधिकारियों के लिए बौद्धिक सम्पदा अधिकार के प्रति क्षमता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रतिभागियों में दक्षिण अफ्रीका के वे वरिष्ठ व मध्य स्तर के सरकारी अधिकारी शामिल थे, जो बौद्धिक सम्पदा अधिकार (आई.पी.आर) के प्रबन्धन व प्रौद्योगिकी स्थानांतरण से जुड़ी गतिविधियों से सम्बन्धित थे। प्रतिष्ठान ने 13 जुलाई 2017 को भारत व दक्षिण अफ्रीका की ज्वाइंट कमेटी मीटिंग की भी मेजबानी की, जिसमें परस्पर सहयोग बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया गया।

जुलाई 2017 में दक्षिण अफ्रीका के अधिकारियों के लिए बौद्धिक संपदा प्रबंधन के क्षमता संर्वधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान ने 12 से 20 अक्टूबर 2017 तक मायांमार के नाय पी ताव में आयोजित 'आसियान साइंस, टेक्नोलॉजी एण्ड इनोवेशन' प्रदर्शनी में भाग लिया। इस प्रदर्शनी में प्रतिष्ठान ने भारत के तृणमूल नवप्रवर्तनों को आसियान देशों के प्रतिनिधियों के अवलोकनार्थ प्रस्तुत किया। थाईलैण्ड, कम्बोडिया, मयांमार, मलेशिया और फिलीपीन्स के मंत्रियों ने क्षेत्रीय विकास के लिए इन तृणमूल नवप्रवर्तनों की क्षमता की सराहना की। मयांमार की रेड क्रॉस सोसायटी ने शालिनी कुमारी द्वारा तैयार 'वाल्कर विद एडजस्टेबल लेग्स का प्रदर्शन देखा जबकि मयांमार के ऊर्जा मंत्रालय ने मुश्ताक अहमद डार के नवप्रवर्तन 'पोल क्लाइम्बर डिवाइंस' में गहरी रूचि दिखाई। इस प्रदर्शनी में भी तृणमूल नवप्रवर्तन जैस ट्री क्लाइम्बर (स्व. अप्पंचन) की मांग बढ़-चढ़ कर रही।

दसवें एशियान विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवप्रवर्तन प्रदर्शनी के दौरान म्यांमार में तृणमूल और बच्चों पर आधारित नवप्रवर्तनों कोदेखतेहुए म्यांमार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के मंत्री यांग बेहरु मातदतू कसेरी माडियस तांगाऊ

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान ने नई दिल्ली में 27 से 30 सितम्बर 2017 तक आयोजित इण्डो-अफगानिस्तान ट्रेड एण्ड इनवेस्टमेंट शो में अफगानिस्तान के लिए उपयोगी तृणमूल नवप्रवर्तन आधारित प्रौद्योगिकी को प्रदर्शित किया। जिन नवप्रवर्तनों में अधिक लोगों ने रूचि दिखाई, उनमें रफीक इनोवेशन्स प्राइवेट लिमिटेड (जम्मू कश्मीर का एक स्टार्टअप इण्डिया रुडी.आई.पी.पी 8028) द्वारा तैयार वालनट क्रैकर (मुश्ताक अहमद डार) तथा सी के इण्टरप्राइजेज एण्ड एग्रो इक्विपमेन्ट्स प्राइवेट लिमिटेड (महाराष्ट्र का एक स्टार्टअप इण्डिया रुडी आईपीपी 9215) द्वारा तैयार ट्रैक्टर द्वारा संचालित बगीचे में छिड़काव करने वाला यंत्र (राजेन्द्र जाधव) शामिल रहे।

नई दिल्ली स्थित इंस्टीट्यूट फार स्ट्डीज इन इण्डस्ट्रियल डेवलपमेंट (आईएसआईडी) में 22 व 23 मार्च 2018 को आयोजित 18वीं ग्लोबल डेवलपमेंट कान्फ्रेंस में भी प्रतिष्ठान ने भाग लिया। यह कान्फ्रेंस 'विकास के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी व नवप्रवर्तन' विषय पर केन्द्रित थी। यह कान्फ्रेंस युनाइटेडनेशन इण्डस्ट्रियल डेवलपमेंट आर्गेनाइजेशन, आई एस आई डी, ग्लोबल डेवलपमेंट नेटवर्क तथा कैम्पबेल को लेबरेशन द्वारा आयोजित थी, जिसमें 16 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस कान्फ्रेंस के दौरान राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान ने चयनित जनसाधारण नवप्रवर्तनों वे पोस्टर की प्रदर्शनी भी लगाई। प्रतिष्ठान के कार्यकारी उपाध्यक्ष प्रो. अनिल गुप्ता ने विकासशील देशों में जनसाधारण नवप्रवर्तनों की स्थिति पर मुख्य व्याख्यान दिया।

संस्थानिक नीतियां

कार्यालयी भाषा नीतिः संरकार की कार्यालयी/अधिकारिक भाषा नीति को लागू करने के सम्बन्ध में राष्ट्रीय नवप्रवर्तन संस्थान ने कई कदम उठाए हैं। चूंकि प्रतिष्ठान के कर्मचारियों में प्रोफेशनल्स देश के विभिन्न राज्यों से हैं और विभिन्न भाषा भाषी हैं, इसलिए उनमें हिन्दी भाषा को लोकप्रिय बनाने के लिए प्रत्येक दिन परिसर के व्हाइट बोर्ड पर एक हिन्दी शब्द प्रतिदिन लिखा जाता है। स्टाफ की सहजता के लिए शब्द का फोनेटिक ट्रांसक्रिप्शन और अंग्रेजी भाषा में उसके मायने को भी बोर्ड पर लिखा जाता है।

सभी पोस्टर व प्रचार-प्रसार की अन्य सामाग्री हिन्दी व अंग्रेजी, दोनों भाषाओं में उपलब्ध होते हैं। यह भी प्रयास किया जाता है कि अन्य प्रकाशन भी हिन्दी व अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध हो सकें। सृष्टि नवप्रवर्तन के हिन्दी प्रकाशन 'सूझ-बूझ आस-पास की' जो कि हिन्दी पटरी के तृणमूल नवप्रवर्तन के सम्बन्ध में हैं, को प्रसारित-प्रचारित करने में प्रतिष्ठान सहयोग करता है।

इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान क्षेत्रीय भाषाओं को भी आगे बढ़ाने का प्रयास करता है। स्थानीय भाषाओं में प्राप्त होने वाले पत्रों का उत्तर उसी भाषा में ही दिया जाता है। इसके लिए अनुवादकों की सेवाएं ली जाती हैं। प्रतिष्ठान पांच क्षेत्रीय भाषाओं यथा उड़िया, तेलगू, तमिल, मलयालम और गुजराती में न्यूजलेटर के प्रकाशन को भी सहयोग देता है।

प्रशासनिक विषय

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान में निदेशक की नियुक्तिःभारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के पत्र संख्या डी.एस.टी.एस. डी.ओ. नं.ः एआई/1/144/एनआईएफ/2017 दिनांक 16 नवम्बर 2017 (रिफरेंस डी ओ पी टी कम्युनिकेशन नं0 22/68/2012-ईओ (एस एम आइ आई) के द्वारा यह स्वीकृत किया गया कि एप्वाइटमेंट कमेटी ऑफ केबिनेट ने राष्ट्रीय नवप्रवर्तक प्रतिष्ठान-भारत के निदेशक/मुख्य नवप्रवर्तक अधिकारी पद पर डा. विपिन कुमार के कार्यकाल को 22 नवम्बर 2017 से अगले पांच वर्षों के लिए या फिर अगले आदेश तक, जो पहले हो, बढ़ा दिया है। डा. विपिन कुमार ने अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित विस्तार को स्वीकार कर लिया।

विभिन्न स्तरों पर फेलो व आर ए, प्रशासनिक और फाइनेंस मैनेजर्स/ एसोसिएट्स के लिए वर्ष 2017-18 के दौरान पांच बार आवेदन व साक्षात्कार की प्रक्रिया अपनायी गई तथा 65 अभ्यर्थियों को विभिन्न पदों (संविदा पर) के लिए चयनित किया गया।

सरकार सम्बन्धित गतिविधियोंः राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान ने विज्ञान एंव प्रौद्योगिकी विभाग को वर्ष 2016-17 की अनुमोदित वार्षिक रिपोर्ट हिन्दी व अंग्रेजी में , साथ ही 2016-17 की वार्षिक समीक्षा विवरण, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की 2017-18 की वार्षिक रिपोर्ट के लिए इनपुट, बजट परिणाम, वार्षिक आरटीआई रिपोर्ट, नीति आयोग के लिए सर्वश्रेष्ठ अभ्यास, रोजगार सृजन योजना पर आंकड़े, वीआईपी रिफरेंसेज (इतिविशिष्ट संदर्भों) पर लिए गए निर्णयों की रिपोर्ट, संधारणीय (टिकाऊ) विकास के लक्ष्य पर आंकड़े, हिमालय पारिस्थिकी के प्रोत्साहन की गतिविधियां, संसद में प्रश्नों के लिए आवश्यक इनपुट आदि सौंपा गया। प्रतिष्ठान ने एस आई आर ओं प्रमाणन से सम्बन्धित आंकड़े (डाटा) तथा वैज्ञानिक संस्थानों पर शोध के लिए आंकड़े भी प्रस्तुत किए।

प्रकाशन

पुस्तकेंः

1. द इनोवेशन प्रेसिडेंट, विपिन कुमार, महेश पटेल, रमेश पटेल, अनामिका डे और अनिल के गुप्ता, राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत और सृष्टि इनोवेशन, 2017

तकनीकी पत्रक/विवरणिकाः

हरदेव चौधरी, स्वाती परिहार, सत्या सिंह और नौशाद परवेज़; पारंपरिक ज्ञान आधारित हर्बल फॉर्मूलेशन द्वारा सफ़ेद मक्खियों का नियंत्रण 1/2017:1-16.

पुस्तिकाएंः

1. हर्बल पद्धतियां (कृषि/पशुचिकित्सा/मानव स्वास्थ्य, उर्दू में, जम्मू-कश्मीर में प्रसार के लिए
2. तृणमूल नवप्रवर्तन, उर्दू भाषा में, जम्मू-कश्मीर के लिए ग्रासरूट नवाचार
3. हर्बलकृषि पद्धतियां, ओडिशा में प्रसार के लिए
4. हर्बल पशुचिकित्सा पद्धतियां, ओडिशा में प्रसार के लिए
5. तृणमूल नवप्रवर्तन, ओडिशा में प्रसार के लिए
6. तृणमूल नवप्रवर्तन, नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता उत्सव 2018 (अंग्रेजी)
7. तृणमूल नवप्रवर्तन, नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता उत्सव 2018 (हिंदी)
8. इंस्पायर अवाड्र्स-मानक (14 भारतीय भाषाओं में एवं अंग्रेजी में)
9. इनोवेशन स्कॉलर इन रेजिडेंस 2018 (अंग्रेजी)

शोध और समीक्षा पत्रः

Sethiya, N.K., Nahata, A., Singh, P.K., Mishra, S.H., 2018. Neuropharmacological evaluation on four traditional herbs used as nervine tonic and commonly available as Shankhpushpi in India. J. Ayurveda Integr. Med. doi: 10.1016/j.jaim.2017.08.012.

Singh, P.K., Rawat, P., 2017. Evolving herbal formulations in management of dengue fever. J. Ayurveda Integr. Med. 2017, 8: 207–210.

Rawat, P., Singh, P.K., Kumar, V., 2017. Evidence-based traditional anti-diarrheal medicinal plants and their phytocompounds. Biomed. Pharmacother. 2017, 96: 1453–1464.

Yadav, S.S., Singh, M.K., Singh, P.K., Kumar, V., 2017. Traditional knowledge to clinical trials: A review on therapeutic actions of Emblicaofficinalis. Biomed. Pharmacother. 93, 1292–1302.

Patel, B.P., Singh, P.K., 2017. ViscumarticulatumBurm. f.: a review on its phytochemistry, pharmacology and traditional uses. J. Pharm. Pharmacol. doi: 10.1111/jphp.12837.

R Pandit, R Patel, N Patel, V Bhatt, C Joshi, PK Singh, AKunjadia, 2017. RNA-Seq reveals the molecular mechanism of trapping and killing of root-knot nematodes by nematode-trapping fungi. World Journal of Microbiology and Biotechnology 33 (4), 65; DOI 10.1007/s11274-017-2232-7

Maurya N, Ravikumar RK, Rajiv Milli, Madhava Prasad, VipinRaturi and Vivek Kumar, 2017. Conceptual Design in Integrating Informal Knowledge System: A Specific Reference To Livestock Science, Ruminant Science, 6(2): 357-360.

Maurya, N, &Ravikumar, R. K.,2017. Complementing Livestock Health Service through Indigenous System: Case Studies from West Khasi Hills of Meghalaya, India. International Journal of Livestock Research, 7(10), 254-260. http://dx.doi.org/10.5455/ijlr.20170801054925

Dhamale M, Ravikumar RK,Ksheersagar VH and Vipin Kumar, 2017. Social construction of technology: An illustrative model for scaling up the experimental wisdom of community in livestock welfare, Ruminant Science 6 (1), 119-123.

Ravikumar RK, Thakur D, Choudhary H, Kumar V, Kinhekar AS, Garg T, Ponnusamy K, Bhojne GR, Shetty VM, Kumar V., 2017. Social engineering of societal knowledge in livestock science: Can we be more empathetic? Veterinary World. 2017.10(1): 86-91.

पुस्तक में अध्यायः

Pawan Kumar Singh, Vivek Kumar,andVipin Kumar, 2017. Protection of Traditional knowledge and benefit sharing arrangements. In Methods and Approaches in Ethnobotany (Concepts, Practices,and Prospects) edsDr.Vartika Jain and Dr.S K Jain, 110-118.

सम्मेलन / संगोष्ठी मेंसार तत्वः

Satya Singh and HardevChoudhary, 2017. Managing Leaf curl in Chilli through Indigenous Farmers' Knowledge: Case studies from NIF-India. Abstract published in the international conference on "Potential Impact of Pesticides on Environment and Human Health" (ICPIPEHH-2017); 1:57.

Yadav, S.S., Singh, P.K., Singh, M.K., Khattri, S., 2017. Clinical prospects of altered mRNA expression levels of matrix metalloproteinases 1, 2 and 9 in metabolic syndrome. J Diabetes Investig. 8, 34. (The 9th Scientific Meeting of the Asian Association for the Study of Diabetes, 19–20 May 2017, Nagoya Congress Center, Nagoya, Japan)

Ponnusamy, K., Pachaiyappan K., and Ravikumar R K., 2017. Lead Paper, Strengthening extension research in livestock husbandry, 2nd National conference, Technological interventions for sustainable livestock production, SVAHE-2017, Jammu, 10-12 April 2017, Pp 232-239.

पत्रिकाओं / समाचार पत्रों में लोकप्रिय लेखः

Swati Parihar, NoushadParvez and HardevChoudhary, 2017. Kudrat Revolution: A Series of Improved Crop Varieties. RASHTRIYA KRISHI 12(2): 97-102.

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
(रानप्र)

वार्षिक लेखा

वर्ष 2017-2018 के लिए

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च, 2018 को तुलनपत्र

(राशि रु)

विवरण	अनुसूची	31.03.2018	31.03.2017
आधार/पूँजीगत निधि एवं देयताएं			
आधार/पूँजीगत निधियां	1	1558,54,475	331,16,123
भंडार और अधिशेष	2	448,14,315	399,54,483
निर्धारित / अंतराल फंड	3	1499,92,919	1287,96,946
सुरक्षित ऋण और उधारी	4	-	-
असुरक्षित ऋण और उधारी	5	-	-
आस्थगित ऋण	6	-	-
वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	7	26,75,075	125,42,534
कुल		**3533,36,784**	**2144,10,086**
परिसम्पत्तियां			
अचल परिसम्पत्तियां	8	212,62,333	211,63,731
निवेश- निर्धारित / अंतराल फंड से	9	-	
निवेश - अन्य	10	-	-
वर्तमान परिसम्पत्तियां, ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसम्पत्तियां	11	3320,74,451	1932,46,355
विविध व्यय (ख़ारिज करना/बट्टे - खाते में डाला गया)			
कुल		**3533,36,784**	**2144,10,086**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	24		
आकस्मिक देयताए एवं लेखा पर टिप्पणियां	25		

समान तिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
जी पी कपाडिया एंड कं. के लिए
चार्टड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजी सं. 104768W

(डॉ. विपिन कुमार)
निदेशक

साझेदार

स्थान : अहमदाबाद
तिथि :

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत

पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद

31 मार्च, 2018 को समाप्त वर्ष का आय व व्यय खाता

(राशि रुपये)

विवरण	अनुसूची	2017-18	2016-17
आय			
बिक्री / सेवाओं से आय	12	-	-
अनुदान / सब्सिडी	13	1901,91,168	1577,06,295
शुल्क / सदस्यता	14	-	-
निवेश से आय (निर्धारित / एंडॉवमेंट फंड से निवेश पर आय को कोष में स्थानांतरित कर दिया गया है)	15	-	-
रॉयल्टी, प्रकाशन इत्यादि से आय,	16	-	-
अर्जित ब्याज	17	89,81,276	54,37,585
अन्य आय	18	11,15,998	43,303
निर्मित माल और डब्ल्यूआईपी के स्टॉक में वृद्धि / (कमी)	19	-	-
कुल (क)		**2002,88,442**	**1631,87,183**
व्यय			
स्थापना व्यय	20	495,69,993	429,80,745
अन्य प्रशासनिक व्यय	21	1132,39,535	1062,85,250
अनुदान, सब्सिडी आदि पर व्यय,	22	-	-
ब्याज	23	40,382	3,812
मूल्यह्रास (अनुसूची 8 के अनुरूप वर्ष के अंत में कुल)	8	47,61,230	51,96,521
कुल (ख)		**1676,11,140**	**1544,66,328**
तुलन पत्र को स्थांतरित आय के ऊपर व्यय की अधिकता (क-ख)		**326,77,302**	**87,20,855**
विशेष रिजर्व में स्थानांतरण (प्रत्येक को निर्दिष्ट करें)			-
सामान्य रिजर्व से / में स्थानांतरित			-
शेष जो कि अधिक/(घाटा), जिसे की आधार/पूँजीगत निधियां में ले जाया गया		**326,77,302**	**87,20,855**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ और लेखा पर टिप्पणियाँ	24 25		

समान तिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
जी पी कपाडिया एंड कं. के लिए
चार्टड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजी सं. 104768W

साझेदार

(डॉ. विपिन कुमार)
निदेशक

स्थान : अहमदाबाद
तिथि :

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद
31 मार्च 2018 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

(रुपये)

विवरण	31.03.2018	31.03.2017
अनुसूची : 1 - आधारभूत/पूँजीगत निधि :		
पिछले तुलनपत्र के अनुसार शेष	331,16,123	4,33,294
जोड़े/(घटाएं) : आय और व्यय खाते से स्थानांतरित शुद्ध आय / (व्यय) का शेष	1227,38,352	326,82,829
साल के अंत में तुलन पत्र के अनुसार शेष	**1558,54,475**	**331,16,123**
अनुसूची : 2 - भंडार और अधिशेष		
1 पूँजी संचय :		
अंतिम खाते के अनुसार	-	-
वर्ष के दौरान वृद्धि	-	-
कमी: वर्ष के दौरान कटौती		-
2. रिवैल्यूएशन रिजर्व	-	-
अंतिम खाते के अनुसार	-	-
कमी: वर्ष के दौरान कटौती	-	-
3. विशेष संचय	448,14,315	399,54,483
अंतिम खाते के अनुसार	399,54,483	276,60,778
वर्ष के दौरान वृद्धि	48,59,832	122,93,705
कमी: वर्ष के दौरान कटौती	-	-
	-	-
अंतिम खाते के अनुसार	-	-
वर्ष के दौरान वृद्धि	-	-
कमी: वर्ष के दौरान कटौती		-
कुल	**448,14,315**	**399,54,483**

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद 31 मार्च 2018 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची (राशि रुपये)		
अनुसूची 3- निर्धारित/ अंतराल फंड	**कुल**	
	31.03.2018	**31.03.2017**
क) कोष (फंड) का प्रारम्भिक शेष	1287,96,946	1254,90,513
ख) निधि में जोड़		
i. दान / अनुदान	1078,20,592	182,11,603
ii. निधि के खातों पर किए गए निवेश से आय		
iii. अन्य जोड़ (प्रकार निर्दिष्ट करें)		
कुल (क+ख)	2366,17,538	1437,02,116
ग) कोष के उद्देश्यों के तहत उपयोगिता/व्यय		
कुल (ग)	866,24,619	149,05,170
साल के आखिर में शुद्ध शेष (क+ख+ग)	**1499,92,919**	**1287,96,946**

टिप्पणियाँ

1) अनुदान से जुड़ा हुआ प्रकटीकरण शर्तों के आधार पर
प्रासंगिक शीर्षकों के अंतर्गत किया जाएगा

2) केंद्र और राज्य सरकारों से मिली राशि को
अलग फंड के रूप में दिखाया गया और किसी भी अन्य फंड के साथ मिश्रित नहीं किया गया है

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी-सं-एफ/7412/अहमदाबाद
31 मार्च 2018 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

अनुसूची 7 - वर्तमान देनदारियां और प्रावधान	**31.03.2018**	**31.03.2017**
क. वर्तमान देनदारियां		
1. स्वीकृतियां		
2. विविध लेनदार	8,92,915	95,02,128
क) सामान के लिये		
ख) अन्य	8,92,915	95,02,128
3. अग्रिम प्राप्त	-	-
4. अर्जित ब्याज लेकिन इस पर देय नहीं है:	-	-
	-	-
5. वैधानिक देयताएं	3,31,969	7,80,327
क) अतिदेय		
ख) अन्य	3,31,969	-
6. अन्य मौजूदा देनदारियां / ईएमडी	10,39,500	19,81,377
कुल (क)	22,64,384	122,63,832
ख. प्रावधान		
1. कराधान के लिए	-	-
2. ग्रेच्युटी	-	-
3.सेवानिवृत्ति / पेंशन	-	-
4. संचित छुट्टी एनकैशमेंट	-	-
5. व्यापार वारंटी / दावों	-	-
6. अन्य	4,10,691	2,78,702
कुल (ख)	4,10,691	2,78,702
कुल (क+ख)	**26,75,075**	**125,42,534**

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी. सं. एफ/7412/अहमदाबाद

वित्तीय वर्ष 2017-18

31 मार्च 2018 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

अनुसूची : 8- अचल परिसंपत्तियाँ :	सकल एकमुश्त				मूल्यह्रास				31-03-2018
विवरण	01-04-2017 को शेष	वर्ष के दौरान अभिवृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती	31-03-2018 को सकल एकमुश्त	01-04-2017 तक मूल्यह्रास	वर्ष के दौरान कटौती	2017-18 का मूल्यह्रास	'2017-18 तक कुल मूल्यह्रास	को शुद्ध कुल संपत्तियां
	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.	रु.
कंप्यूटर एवं सहायक परिसंपत्तियाँ	183,21,755								
कंप्यूटर	131,79,776	12,07,331	-	143,87,107	109,70,303	-	16,89,083	126,59,386	17,27,721
नेटवर्किंग उपकरण	11,76,491	-	-	11,76,491	11,57,565	-	11,356	11,68,921	7,570
स्कैनर	3,63,990	-	-	3,63,990	3,61,915	-	1,245	3,63,160	830
सॉफ्टवेयर	35,56,360	1,06,500	-	36,62,860	34,72,256	-	50,462	35,22,718	1,40,142
कार्ड प्रिंटर	45,138	-	-	45,138	27,083	-	10,833	37,916	7,222
उपस्कर एवं जुड़नार (मेज कुर्सी इत्यादि) तथा जड़ स्टॉक									
उपस्कर एवं जुड़नार (मेज कुर्सी इत्यादि)	41,84,245	10,38,549	-	52,22,794	15,65,681	-	3,40,504	19,06,185	33,16,609
विद्युत संस्थापन	72,410	-	-	72,410	46,629	-	2,578	49,207	23,203
कार्यालय उपकरण									
एयरकूलर	8,61,768	3,49,493	-	12,11,261	3,05,517	-	1,35,862	4,41,379	7,69,882
बैलून	35,438	-	-	35,438	27,846	-	1,139	28,985	6,453
बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली	25,150	-	-	25,150	6,980	-	2,726	9,706	15,444
कैमरा	15,64,500	-	-	15,64,500	8,70,289	-	1,04,132	9,74,421	5,90,079
डीजी सेट	3,44,294	4,11,000	-	7,55,294	25,822	-	47,771	73,593	6,81,701
ईपीएबीएक्स सिस्टम	1,96,715	-	-	1,96,715	1,22,711	-	11,101	1,33,812	62,903
उपकरण	49,65,625	8,57,269	-	58,22,894	24,11,867	-	3,91,161	28,03,028	30,19,866
फैब लैब उपकरण	103,51,959	4,41,237	-	107,93,196	24,96,345	-	12,26,367	37,22,712	70,70,484
फैक्स मशीन	36,907	-	-	36,907	31,650	-	789	32,439	4,468
अग्निशामक यंत्र	18,505	-	-	18,505	14,229	-	641	14,870	3,635
हॉट एयर ओवन मशीन	48,825	-	-	48,825	7,324	-	6,225	13,549	35,276
फोटोकॉपी मशीन	3,51,000	-	-	3,51,000	99,585	-	37,712	1,37,297	2,13,703
पब्लिक एड्रेस सिस्टम	68,611	2,353	-	70,964	47,871	-	3,464	51,335	19,629
प्रोजेक्टर	1,12,770	-	-	1,12,770	16,916	-	14,378	31,294	81,476
पल्वराईज़र मशीन	39,000	-	-	39,000	5,850	-	4,973	10,823	28,177
रेफ्रीजरेटर	39,010	54,000	-	93,010	28,944	-	1,510	30,454	62,556
सोनी एलसीडी	3,31,980	-	-	3,31,980	89,578	-	36,360	1,25,938	2,06,042
टेप रिकॉर्डर	36,427	-	-	36,427	30,159	-	940	31,099	5,328
टेलीफोन/मोबाइल उपकरण	10,18,134	-	-	10,18,134	4,87,295	-	79,626	5,66,921	4,51,213
वाटर कूलर	23,000	-	-	23,000	6,383	-	2,493	8,876	14,124
सोनी एलइडी टीवी	99,453	27,000	-	1,26,453	14,918	-	12,680	27,598	98,855
सोनी ऑडियो रिकॉर्डर	1,01,515	-	-	1,01,515	7,614	-	14,085	21,699	79,816
सोनी ऑडियो रिकॉर्डर	27,200	-	-	27,200	4,080	-	3,468	7,548	19,652
किताबें	55,290	3,65,100	-	4,20,390	35,900	-	1,21,164	1,57,064	2,63,326
वाहन									
एक्टिवा होंडा	44,168	-	-	44,168	36,125	-	1,206	37,331	6,837
बजाज पल्सर	68,289	-	-	68,289	55,854	-	1,865	57,719	10,570
होंडा सिटी	10,37,399	-	-	10,37,399	6,75,489	-	54,287	7,29,776	3,07,623
टाटा सफारी	13,11,519	-	-	13,11,519	8,53,978	-	68,631	9,22,609	3,88,910
टाटा इंडिका	5,45,341	-	-	5,45,341	3,39,666	-	30,851	3,70,517	1,74,824
मोबाइल प्रदर्शनी वैन	27,09,873	-	-	27,09,873	15,95,111	-	1,67,214	17,62,325	9,47,548
हीरो एच एफ डीलक्स	52,547	-	-	52,547	17,429	-	5,268	22,697	29,850
ट्रैक्टर (जॉन डियर)	5,51,117	-	-	5,51,117	1,52,935		59,727	2,12,662	3,38,455
टीवीएस वैगो TV	58,105	-	-	58,105	22,421		5,353	27,774	30,331
कुल	**497,09,844**	**48,59,832**	**-**	**545,69,676**	**285,46,113**	**-**	**47,61,230**	**333,07,343**	**212,62,333**
पिछले वर्ष में	**374,16,139**	**122,93,705**	**-**	**497,09,844**	**233,49,592**	**-**	**51,96,521**	**285,46,113**	**211,63,731**

	राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत				वित्तीय वर्ष 2017-18			
					31-03-2018	365		
	मद	दर	दिनांक	राशि	दिन	वर्ष के लिए मूल्यह्रास		
कार्यालय उपकरण								
	एसी / एयर कूलर	15%	01-04-2017	5,56,251	365	83,438		
		15%	17-06-2017	80,000	288	12,000		
		15%	05-07-2017	1,15,497	270	17,325		
		15%	05-07-2017	1,53,996	270	23,099		
		15%			0	-		
			जोड़े	***3,49,493***		***1,35,862***	1,35,862	7,69,882
	गुब्बारा	15%	01-04-2017	7,592	365	1,139		
			जोड़े	-		***1,139***	1,139	6,453
	बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली	15%	01-04-2017	18,170	365	2,726		
			जोड़े	-		***2,726***	2,726	15,444
	कैमरा	15%	01-04-2017	6,94,211	365	1,04,132		
			जोड़े	-		***1,04,132***	1,04,132	5,90,079
	डीजी सेट	15%	01-04-2017	3,18,472	365	47,771		
		15%	08-11-2017	4,11,000	144	30,825		
			जोड़े	***4,11,000***		***47,771***	47,771	6,81,701
74004	ईपीएबीएक्स सिस्टम	15%	01-04-2017	74,004	365	11,101		
			जोड़े	-		***11,101***	11,101	62,903
	उपकरण	15%	01-04-2017	25,53,758	365	3,83,064		
		15%	05-06-2017	20,027	300	3,004		
		15%	20-07-2017	31,299	255	4,695		
		15%	04-08-2017	2,655	240	398		
		15%	04-08-2017	2,655	240	398		
		15%	16-08-2017	2,655	228	398		
		15%	27-09-2017	2,45,440	186	36,816		
		15%	11-10-2017	3,51,000	172	26,325		
		15%	10-11-2017	1,83,038	142	13,728		
		15%	29-03-2018	18,500	3	1,388		
			जोड़े	***8,57,269***		***3,91,161***	3,91,161	30,19,866
	फैब लैब उपकरण	15%	01-04-2017	78,55,614	365	11,78,342		
		15%	13-04-2017	1,14,700	353	17,205		
		15%	22-04-2017	65,969	344	9,895		
		15%	02-06-2017	2,670	303	401		
		15%	02-06-2017	7,875	303	1,181		
		15%	02-06-2017	7,875	303	1,181		
		15%	27-01-2018	76,700	64	5,753		
		15%	31-03-2018	55,000	1	4,125		
		15%	31-03-2018	1,10,448	1	8,284		
						-		
						-		
			जोड़े	***4,41,237***		***12,26,367***	12,26,367	70,70,484
	फैक्स मशीन	15%	01-04-2017	5,257	365	789		
			जोड़े	-		***789***	789	4,468
	अग्निशामक	15%	01-04-2017	4,276	365	641		
			जोड़े	-		***641***	641	3,635
	हॉट एयर ओवन मशीन	15%	01-04-2017	41,501	365	6,225		
			जोड़े	-		***6,225***	6,225	35,276
	फोटोकॉपी मशीन	15%	01-04-2017	2,51,415	365	37,712		
			जोड़े	-		***37,712***	37,712	2,13,703
	प्रोजेक्टर	15%	01-04-2017	95,854	365	14,378		
			जोड़े	-		***14,378***	14,378	81,476
	जन संबोधन साधन	15%	01-04-2017	20,740	365	3,111		
		15%	31-07-2017	2,353	244	353		
			जोड़े	***2,353***		***3,464***	3,464	19,629
	पल्वराईज़र मशीन	15%	01-04-2017	33,150	365	4,973		
			जोड़े	-		***4,973***	4,973	28,177

फ्रिज	15%	01-04-2017	10,066	365	1,510		
	15%	27-09-2017	54,000	186	8,100		
		जोड़े	***54,000***		***1,510***	1,510	62,556
सोनी ऑडियो रिकॉर्डर	15%	01-04-2017	23,120	365	3,468		
		जोड़े	-		***3,468***	3,468	19,652
सोनी एलसीडी	15%	01-04-2017	2,42,402	365	36,360		
		जोड़े	-		***36,360***	36,360	2,06,042
सोनी एलईडी टीवी	15%	01-04-2017	84,535	365	12,680		
एच पी टीएफटी एलईडी	15%	08-12-2017	27,000	114	2,025		
		जोड़े	***27,000***		***12,680***	12,680	98,855
स्टेबलाइजर	15%	01-04-2017	93,901	365	14,085		
		जोड़े	-		***14,085***	14,085	79,816
टेप रिकॉर्डर	15%	01-04-2017	6,268	365	940		
		जोड़े	-		***940***	940	5,328
टेलीफोन / मोबाइल उपकरण	15%	01-04-2017	5,30,839	365	79,626		
					-		
					-		
		जोड़े	-		***79,626***	79,626	4,51,213
वाटर कूलर	15%	01-04-2017	16,617	365	2,493		
		जोड़े	-		***2,493***	2,493	14,124
		कुल योग	**21,42,352**		**21,39,603**		-

उपस्कर एवं जड़नार (मेज कर्सी इत्यादि) तथा जड़ स्टॉक

विद्युत प्रतिष्ठापन	10%	01-04-2017	25,781	365	2,578		
					-		
		जोड़े	-		***2,578***	2,578	23,203
फर्नीचर और फिक्स्चर	10%	01-04-2017	26,18,564	365	2,61,856		
	10%	02-05-2017	29,999	334	3,000		
	10%	12-05-2017	4,322	324	432		
	10%	13-05-2017	41,300	323	4,130		
	10%	15-05-2017	94,472	321	9,447		
	10%	25-07-2017	10,700	250	1,070		
	10%	31-07-2017	2,78,784	244	27,878		
	10%	12-09-2017	30,976	201	3,098		
	10%	26-09-2017	2,50,000	187	25,000		
	10%	29-09-2017	2,050	184	205		
	10%	11-10-2017	42,240	172	2,112		
	10%	14-10-2017	40,400	169	2,020		
	10%	09-11-2017	5,120	143	256		
	10%	29-11-2017	1,43,360	123	7,168		
	10%	06-02-2018	14,160	54	708		
	10%	07-02-2018	14,514	53	726		
	10%	08-02-2018	5,000	52	250		
	10%	08-02-2018	5,192	52	260		
	10%	06-03-2018	16,520	26	826		
	10%	31-03-2018	9,440	1	472		
		जोड़े	***10,38,549***		***3,40,504***	3,40,504	33,16,609
		कुल योग	**10,38,549**		**3,43,082**		

कंप्यूटर और सहायक संपत्ति

कार्ड प्रिंटर	60%	01-04-2017	18,055	365	10,833		
		जोड़े	-		***10,833***	10,833	7,222
कंप्यूटर	60%	01-04-2017	22,09,473	365	13,25,684		
	60%	06-11-2017	15,200	146	4,560		
	60%	15-11-2017	3,54,000	137	1,06,200		
	60%	24-11-2017	2,450	128	735		
	60%	11-12-2017	3,71,880	111	1,11,564		
	60%	11-01-2018	7,670	80	2,301		
	60%	29-03-2018	3,65,000	3	1,09,500		
सीसीटीवी कैमरा	60%	31-03-2018	87,131	1	26,139		
स्पीकर	60%	31-05-2017	4,000	305	2,400		
		जोड़े	***12,07,331***		***16,89,083***	16,89,083	17,27,721
नेटवर्किंग उपकरण	60%	01-04-2017	18,926	365	11,356		
		जोड़े	-		***11,356***	11,356	7,570

स्कैनर	60%	01-04-2017	2,075	365	1,245		
		जोड़े	-		***1,245***	1,245	830
सॉफ्टवेयर	60%	01-04-2017	84,104	365	50,462		
	60%	13-02-2018	1,06,500	47	31,950		
		जोड़े	***1,06,500***		***50,462***	50,462	1,40,142
		कुल योग	**13,13,831**		**17,52,146**	17,52,146	

पुस्तकें

पुस्तकें	60%	01-04-2017	19,390	365	11,634		
	60%	24-10-2017	3,59,400	159	1,07,820		
	60%	19-01-2018	5,700	72	1,710		
					-		
		जोड़े	***3,65,100***		***1,21,164***	1,21,164	**2,63,326**

वाहन

एक्टिवा होंडा	15%	01-04-2017	8,043	365	1,206		
			8,043		**1,206**	1,206	6,837
बजाज पल्सर	15%	01-04-2017	12,435	365	1,865		
			12,435		**1,865**	1,865	10,570
हॉंडा सिटी	15%	01-04-2017	3,61,910	365	54,287		
			3,61,910		**54,287**	54,287	3,07,623
टाटा सफारी	15%	01-04-2017	4,57,541	365	68,631		
			4,57,541		**68,631**	68,631	3,88,910
टाटा इंडिका	15%	01-04-2017	2,05,675	365	30,851		
			2,05,675		**30,851**	30,851	1,74,824
मोबाइल प्रदर्शनी वैन	15%	01-04-2017	11,14,762	365	1,67,214		
			11,14,762		**1,67,214**	1,67,214	9,47,548
हीरो एचएफ डीलक्स	15%	01-04-2017	35,118	365	5,268		
			35,118		**5,268**	5,268	29,850
टीवीएस वेगो	15%	01-04-2017	35,684	365	5,353		
			35,684		**5,353**	5,353	30,331
ट्रैक्टर (जॉन डीयर)	15%	01-04-2017	3,98,182	365	59,727		
			3,98,182		**59,727**	59,727	3,38,455
		जोड़े	-		**3,94,402**		**212,62,333**

Opening Balance	जोड़े	Dep. For the year	Net Block
211,63,731	48,59,832	47,61,230	212,62,333

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी. सं. एफ/7412/अहमदाबाद
31 मार्च 2018 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

(रुपये)

अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्तियाँ, ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियाँ :	31.03.2018		31.03.2017	
क.चालू संपत्तियाँ :				
1.वस्तु सूची				
2.विविध देनदार				
3.रोकड़ शेष (चेक / ड्राफ्ट और अग्रदाय सहित)	-	-	-	594
4. बैंकों में शेष				
क) अनुसूचित बैंकों के साथ				
i) चालू खातों में				
- एक्सिस बैंक, वस्त्रापुर - खाता सं. No.1548	230,61,817		316,40,646	
- एक्सिस बैंक, वस्त्रापुर - खाता सं. 8099-एमवीआईए	1,18,842		25,62,027	
		231,80,659		342,02,673
ii) सावधि जमा खाते में (मार्जिन मनी के साथ)				
- रानप्र निधियों से	2081,88,624		386,16,835	
- एमवाईआईएफ निधियों से	628,88,973		587,94,713	
		2710,77,597		974,11,548
iii) बचत खातों में				
-यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया, वस्त्रापुर, एसबी खाता सं. 724, एंड	114,07,358		296,97,260	
-यूनियन बैंक - आरओबीबीएन	-		1,05,000	
-यूनियन बैंक - आरओजीयूडब्लू	-		30,000	
-यूनियन बैंक - भुवनेश्वर - 090	1,85,832		(28,158)	
-यूनियन बैंक - देहरादून - 088	2,36,354		1,35,937	
-यूनियन बैंक - गुवाहाटी - 089	2,37,931		79,525	
		120,67,475		300,19,564
ख) गैर अनुसूचित बैंकों के साथ:				
5. डाकघर-बचत खाता			-	
6. अन्य अग्रिम				
'-स्टाफ और एमवीआईएफ को अग्रिम	213,55,310		264,64,984	
- उपार्जित ब्याज	18,38,273		34,03,535	
- टीडीएस प्राप्य	21,84,269		17,31,455	
- प्रतिभूति जमा	67,621		12,002	
7. पूर्वदत्त व्यय	3,03,247			
		257,48,720		316,11,976
कुल (क)		**3320,74,451**		**1932,46,355**

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी. सं. एफ/7412/अहमदाबाद
31 मार्च 2018 के तुलनपत्र का अंश बनने वाली अनुसूची

(राशि रुपये)

अनुसूची 13-अनुदान / सब्सिडी (अपरिवर्तनीय अनुदान और सब्सिडी प्राप्त हुई)	**2017-18**	**2016-17**
1) केंद्र सरकार	1901,91,168	1577,06,295
2) राज्य सरकारों से	-	-
3) सरकारी संस्थाओं से	-	-
4) संस्थानों / कल्याण निकायों से	-	-
5) अंतर्राष्ट्रीय संगठन	-	-
6) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	**1901,91,168**	**1577,06,295**

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी. सं. एफ/7412/अहमदाबाद

31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खातों का अंश बनाने वाली अनुसूची

		(राशि रुपये)
अनुसूची 17 अर्जित ब्याज	**2017-18**	**2016-17**
1) सावधि जमा पर		
क) अनुसूचित बैंकों के साथ	88,96,543	54,24,285
ख) गैर अनुसूचित बैंकों के साथ	-	-
ग संस्थानों के साथ	-	-
घ) अन्य	-	-
2) बचत खातों पर		
क) अनुसूचित बैंकों के साथ	83,011	11,895
ख) गैर अनुसूचित बैंकों के साथ	-	-
ग) डाकघर बचत खाते	-	-
घ) अन्य	-	-
3) ऋण पर		
क) कर्मचारियों	1,722	1,405
ख) अन्य		-
4) देनदार / अन्य प्राप्तियों पर ब्याज		-
कुल	**89,81,276**	**54,37,585**

नोट- स्रोत पर कटौती का संकेत दिया जाना चाहिए

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी. सं. एफ/7412/अहमदाबाद
31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खातों के अंश बनाने वाली अनुसूची

		(राशि रु.)
अनुसूची 18 - अन्य आय	**2017-18**	**2016-17**
1) संपत्तियों की बिक्री / निपटान पर लाभ		
क) स्वामित्व वाली	-	-
ख) अनुदान से प्राप्त संपत्तियां, या मुफ्त में प्राप्त की गई	-	-
2) निर्यात प्रोत्साहन वसूली	-	-
3) विविध सेवाओं के लिए शुल्क		-
4) विविध आय / निविदा शुल्क / स्क्रैप	11,15,998	43,303
कुल	**11,15,998**	**43,303**

अनुसूची 20-स्थापना खर्च	**2017-18**	**2016-17**
क) वेतन और मजदूरी	481,40,095	420,29,417
ख) भत्ते और बोनस		
ग) भविष्य निधि में योगदान		-
घ) अन्य फंड में योगदान (निर्दिष्ट करें)		
i) नियोक्ता के एनपीएस योगदान	11,26,518	8,23,836
च) कर्मचारी सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ पर खर्च		-
घ) अन्य (निर्दिष्ट करें)		
i) चिकित्सा प्रतिपूर्ति / चिकित्सा उपचार खर्च।	3,03,380	1,27,492
कुल	**495,69,993**	**429,80,745**

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी. सं. एफ/7412/अहमदाबाद

31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खातों के अंश बनाने वाली अनुसूची

		(Amount Rs)
अनुसूची 21-अन्य प्रशासनिक खर्च इत्यादि	**वर्तमान वर्ष 2017-18**	**पिछले वर्ष 2016-17**
भाग क - आवर्ती व्यय		
व्यापार विकास		
लाइसेंसिंग के लिए विज्ञापन	-	1,70,000
बेंचमार्किंग और मार्केट रिसर्च	25,567	83,606
ऑनलाइन कैटलॉग	1,18,471	1,35,556
व्यावसायिक योजनाओं के लिए छात्रों की भागीदारी	12,43,032	2,77,400
यात्रा (बीडी)	28,02,237	13,59,731
उप-जोड़	**41,89,307**	**20,26,293**
सूचना प्रसार एवं सामाजिक प्रसार		
नवप्रवर्तन प्रदर्शनी	57,111	1,22,140
प्रदर्शन (डीएनएसडी)	135,13,270	11,68,432
किसानों / मीडिया / केवीके के माध्यम से पद्धतियों का प्रसा	51,96,213	27,57,537
प्रदर्शनी और अभिनव प्रदर्शनी	4,77,402	34,60,473
नवप्रवर्तन प्रसार	2,28,725	1,13,944
मुद्रण और प्रकाशन (डीएएसडी)	1,12,865	4,55,708
परिवहन: प्रदर्शनी	-	7,926
यात्रा (प्रसार)	1,72,810	7,18,305
यात्रा (प्रसार) एसटी	2,61,152	2,78,304
कार्यशाला / बैठकें (प्रसार)	7,15,502	8,69,686
उप-जोड़	**207,35,050**	**99,52,455**
बौद्धिक संपदा प्रबंधन और विधि		
विशेषज्ञ / सलाहकार समिति बैठक (आईपीआर)		
राष्ट्रीय पेटेंट आवेदन दायर करने के लिए	31,64,830	25,97,842
राष्ट्रीय पेटेंट आवेदन दायर करने के लिए-अन्तर्राष्ट्रीय	56,962	8,477
व्यापार चिह्न और भौगोलिक अनुप्रयोगों के लिए आवेदन	13,000	31,300
सदस्यता आईपीआर	69,978	19,700
यात्रा (आईपीआर)	51,882	1,46,292
उप-जोड़	**33,56,652**	**28,03,611**
आईटी और डाटाबेस		
कंप्यूटर रखरखाव और उन्नयन	11,03,868	7,98,495
डाटाबेस और सॉफ्टवेयर विकास, प्रूफ रीडिंग	11,06,722	12,13,172
इन्टरनेट	10,17,170	7,00,945
वेबसाइट	11,305	90,329
उप-जोड़	**32,39,065**	**28,02,941**

खोज एवं दस्तावेजीकरण		
विज्ञापन- क्षेत्रीय और राष्ट्रीय	61,48,869	12,41,826
सहयोगियों	70,15,194	31,43,918
विशेषज्ञ / सलाहकार बैठकें (एस एंड डी)	42,305	3,000
इग्नाइट (भोजन और आवास)	2,718	-
इग्नाइट (एस एंड डी)	25,12,473	32,79,763
इग्नाइट (यात्रा)	6,63,951	-
छपाई और लेखन सामग्री	17,73,405	5,59,773
नमूना / प्रोटोटाइप संग्रह और पहचान	22,56,731	23,60,501
यात्रा (एस एंड डी)	32,60,133	15,86,214
सत्यापन / विस्तृत दस्तावेज़ीकरण	7,40,162	5,67,005
कार्यशालाएं और प्रकाशन	24,46,000	21,08,920
उप-जोड़	**268,61,941**	**148,50,920**
मूल्य संवर्धन और शोध एवं विकास		
प्रशासनिक व्यय - वार्ड	33,37,857	18,93,624
विशेषज्ञ / सलाहकार बैठकें (वार्ड)	1,17,764	6,49,817
प्रायर आर्ट सर्च, नवाचारों का सत्यापन	103,82,587	286,12,954
प्रोटोटाइप / उत्पादों का परीक्षण	12,52,584	8,76,169
यात्रा (वार्ड)	32,30,280	40,25,627
मूल्य संवर्धन और उत्पाद विकास	138,20,815	89,11,838
उप-जोड़	**321,41,887**	**449,70,029**
प्रौद्योगिकी अधिग्रहण निधि		3,00,000
नवप्रवर्तन उत्सव 2017 /फाइन 2018		
निवास	19,30,903	32,40,122
खानपान	21,13,715	17,10,077
प्रसार	980	5,39,979
प्रदर्शनी और अन्य खर्चे	39,91,609	39,45,745
पुरस्कार (9वीं एएफ)	14,80,000	51,35,000
प्रोटोटाइप विकास	5,79,330	1,74,178
यात्रा और परिवहन	22,08,259	45,35,186
ट्रॉफी (9वीं एएफ)	-	3,68,575
छपाई और लेखन सामग्री	1,25,921	-
फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी फाइन 2018 में	88,500	-
अन्य खर्चे	1,39,220	-
उप-जोड़	126,58,437	196,48,862
8 वां पुरस्कार समारोह / नवप्रवर्तन उत्सव	3,10,000	
कुल (क)	**1034,92,339**	**973,55,111**

भाग ख - अन्य प्रशासनिक व्यय: -		
वैधानिक लेखा परीक्षा शुल्क	46,000	46,000
आंतरिक और समवर्ती लेखापरीक्षा शुल्क	2,30,000	2,30,000
अन्य प्रमाणीकरण शुल्क	21,227	14,376
आवास खर्च		
बैंक प्रभार	4,075	4,349
भवन मरम्मत शुल्क	-	12,000
सवारी खर्च		
डीजी जनरेटर में डीजल		-
बिजली और पॉवर	4,83,869	3,34,324
विशेषज्ञ सलाहकार बैठक		-
फैबलैब मरम्मत और रखरखाव		
जी.सी. बैठक व्यय	52,011	5,00,652
बीमा व्यय	1,13,769	81,769
इंटरनेट लीज लाइन		
मजदूरी प्रभार		-
कानूनी शुल्क	1,41,140	-
कार्यालय-ख़र्च	26,88,738	20,94,502
डाक व्यय	9,34,684	3,88,300
छपाई और लेखन सामग्री		
प्रोफेशनल शुल्क	2,21,094	1,43,750
भर्ती खर्च	4,32,610	10,05,828
किराया, दर और कर	18,40,613	17,97,134
किराया (आरओबीबीएन)	2,10,000	3,00,000
किराया (आरओडीडीएन)	3,04,500	87,500
मरम्मत और रखरखाव		
सुरक्षा खर्च	12,13,690	7,92,203
टेलीफोन और संचार शुल्क	1,36,202	1,27,845
यात्रा व्यय		
वाहन चलाना और रखरखाव	6,68,974	8,02,607
सदस्यता शुल्क	4,000	1,67,000
नवाचार अनुसंधान अनुदान		-
कुल (ख)	**97,47,196**	**89,30,139**
कुल (क+ख)	**1132,39,535**	**1062,85,250**

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान - भारत
पंजी. सं. एफ/7412/अहमदाबाद

31.03.2018 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खातों के अंश बनाने वाली अनुसूची

(राशि रु)

अनुसूची 23-ब्याज	**2017-18**	**2016-17**
क) फिक्स ऋण पर	-	-
ख) अन्य ऋणों पर (बैंक शुल्क सं	-	-
ग) अन्य: -		
- ब्याज	40,382	3,812
कुल	**40,382**	**3,812**

वित्तीय वर्ष 2017-2018

अग्रिम खाता एमवीआईएफ परियोजनाएँ		
	रु.	रु.
उत्तर क्षेत्र		
हर्बल ग्रोथ	1,62,407	
एचएनपी-प्रदर्शन प्रोत्साहक, पेट्रोल इंजन के लिए - हरिनार	1,41,767	
बहु फसली थ्रेसर	5,34,931	
अनेक बीज बोने वाली सीडड्रिल	3,85,268	
ट्रेंच डिगर मशीन	9,93,480	22,17,853
पश्चिमी क्षेत्र		
हेल्थकेयर चेयर	37,390	
स्टैंसिल कटिंग डीवाईस - नाजिम शेख	1,65,555	
सुगरकेन रोटेटर	47,486	
		2,50,431
दक्षिणी क्षेत्र		
सेवा (बहद्देशीय खाना बनाने का बरतन - अब्दुल रज्जाक)	42,150	
ज्ञान जम्मू एवं कश्मीर	70,000	1,12,150
रानप्र की सीधी निगरानी वाली परियोजनाएँ		
अरविन्द भाई - नेचुरल वाटर कूलर	6,50,000	
बाँस से अगरबत्ती की तीली बनाने की मशीन	3,00,000	
भगवान सिंह डांगी- रीपर विनरोवर	3,00,000	
बी. मोहनलाल - जलीय रिवर्सिबल रिडक्शन गीयरबॉक्स	7,30,000	
बोममगनी मल्लेश- इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए रिमोट	1,20,000	
क्लीयर बनाना एल्कली - बसंत शर्मा	96,050	
सी.वी.राजू- हैंड से कुछ भी संभव	3,80,045	
दादाजी खोबरागड़े - डी.आर.के 2008 धान की किस्म	2,00,000	
देबेन सिंह - बायोमास स्टोव एंड ड्रायर्स	2,50,000	
दीपक भराली - डिज़ायन निर्माण यंत्र	8,65,020	
निदेशक एसएमआईटी - अजूबा ट्यूब लाइट फ्रेम	1,82,032	
धर्मवीर कंबोज़ - बहउद्देशीय खाद्य प्रसंस्करण यंत्र	5,00,000	
डीएन वेंकट- कई तरह के पेड़ों पर चढ़ने में सहायक उपकरण	1,70,000	
जी चंद्रशेखर- पासीफ्लोरा फोएतिदा (झूमका लता फूल)	3,60,000	
जी के रत्नाकर - संशोधित हाइड्रोइलेक्ट्रिक टरबाइन	5,00,000	
हमा शौचालय क्लीनर - मो. मोतीन अहमद	24,000	
इंद्रजीत बलवीर सिंह ख़ास - हल्दी और अदरक प्लान	3,79,630	
लोहे की जाली बनाने का यंत्र - एन. इन्द्र कुमार सिंह	90,000	
जय प्रकाश सिंह - गेहूँ की किस्में	75,000	
जयदीप मण्डल	4,70,000	
जयप्रकाश - ऊर्जा की बचत करने वाला स्टोव	3,00,000	
के पांडुरंग राव - एयरसील पंचरलेस टायर ट्यूब	6,30,000	
मोहम्मद फजलुल हक- धान थ्रेसर	6,04,075	
मोहम्मद इदरीस - हार्स शेवर	1,25,000	
मोहन मुक्त जी लम्ब- संशोधित स्प्रयेर	1,00,000	
मुजीब खान - दिव्यांगो के लिए कार में नवीनीकृत किट	60,000	
प्रेम सिंह सैनी - फोन चालित स्विच	2,00,000	
प्रकाश सिंह रघुवंशी - धान और अरहर	1,50,000	

अग्रिम खाता एमवीआईएफ परियोजनाएँ		
राजकुमार राठौड़ - रिचा 2000	79,040	
रामा शंकर शर्मा - संशोधित हैण्डपम्प	37,000	
शैलेंद्र रखेचा- एनिमेशन युक्त टी-शर्ट	1,85,000	
श्रवण कुमार बज्य - मोटरसाइकिल संचालित निराई यंत्र	2,00,000	
गन्ने की आँख निकालने का यंत्र-रोशनलाल विश्वकर्मा	9,00,000	
सुरजीत सिंह - सुरजीत बासमती -1 धान की किस्म	7,50,000	
एस वेंकट कृष्णुड्र - तुलसी ग्रोथ प्रमोटर	5,50,000	
तुलसी ग्रोथ प्रमोटर	1,00,000	
उमेश चंद शर्मा- इंटरलॉकिंग ईंटें	4,00,000	
विनोद महादेविया - नारियल तोड़ने वाला यंत्र और इंस्टेंट कूलर	1,40,000	
यलो फूरियर टेक्नो. प्रा. लि.-इंडियन टी मेकिंग	2,10,000	
ऐरेकानट काटने वाला यंत्र - वजीर	5,00,000	
मैकेनिकल जूट रिबनर	1,00,000	
मोआ सुबांग	1,00,000	
सुभाष ओला	10,00,000	
दक्ष कुकर सह चूल्हा- रघुबीर सिंह	50,000	
केशु फोऊ- वेंगबम केशो सिंह	40,000	
मंगल हर्बल साबून- जिना खुमूजम	50,000	
मैथ्यूज के मैथ्यू-हॉकर-सौर संचालित मच्छर मारने वाला यंत्र	1,09,000	
नरसिम्हा भंडारी - काली मिर्च थ्रेसर	2,00,000	
काली मिर्च किस्म- बालकृष्णन ए	64,600	
राजेंद्र छब्बूलाल जाधव - बागानों पर छिडकाव करने वाला यंत्र	2,50,000	
रोबोटिकहेलमेट- मनोज कुमार	50,000	
सैंडल पेस्ट मेकिंग मशीन- सुभाष जगताप	40,000	
संतोष पापचार - संशोधित गाजर की किस्म	95,000	
संयाम्बी फोऊ- चनाम्बम सनायाम्बा मयेति	40,000	
सौर ऊर्जा से संचालित जुताई करने की मशीन- राजेश कुमार	1,00,000	
अखरोट तोड़ने वाला यंत्र-मो. रफीक अहंगर	1,50,000	
येसुदास - सुपारी छिलने की मशीन	1,00,000	
बहउद्देशीय पिसाई मशीन - रबींद्र बेहेरा	2,00,000	
मनसाराम सुतार-मूंगफली खोदने की मशीन एवं हैरो सीड ड्रि	2,00,000	
श्री सी ए विन्सेंट - फ़्लोटिंग साबून	2,50,000	
रतन लाल यादव-ट्रैक्टर संचालित बुवाई करने का यंत्र	2,00,000	
		162,50,492
पीडीएस - केरल		
पी के रवि	6,40,000	6,40,000
कुल		**194,70,926**

बॉम्बे पब्लिक ट्रस्ट एक्ट 1950
अनुसूची 9सी (नियम 32 देखें)

01-04-2017 से 31-03-2018 तक की अवधि के लिए अंशदान अधीन आय विवरण

	सार्वजनिक न्यास का नाम : **राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान-भारत** बंगला नं. 1, सैटेलाइट सेंटर,सैटेलाइट कॉम्पलेक्स, प्रेमचंदनगर रोड, जोधपुर टेकरा, सैटेलाइट, अहमदाबाद - 380015 फोन: + 91 079 26753501, +91 079 2673 2095 / 2456, ईमेल : : info@nifindia.org		
	न्यासियों का नाम, पता और फोन नंबर, जिसे ऑडिट रिपोर्ट में प्रस्तुत किया गया है: अनुलग्नक 1 देखें		
	संबंधित बैंक खाते का विवरण: बचत खाता संख्या: 606802010000724 बैंक का नाम: यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया, प्रेमचंदनगर, अहमदाबाद		
	ट्रस्ट के विदेशी योगदान के लेनदेन से संबंधित बैंक खाता: उपलब्ध नहीं एएफसीआर संख्या पंजीकरण सं. F/7412/अहमदाबाद		
		रुपये	
	सकल वार्षिक आय		
	उस आय का विवरण जो अनुच्छेद 58 नियम 32 के तहत अंशदान के प्रभार्य नहीं है:		
(i)	वर्ष के दौरान किसी भी प्रकार से प्राप्त दान		
	(क) कोर्पस		
	(1) देश से	-	
	(2) विदेश से, एएफसीआर संख्या और दिनांक	-	
	(ख) सामान्य		
	(1) देश से	-	
	(2) विदेश से, एएफसीआर संख्या और दिनांक	-	
(ii)	सरकार और स्थानीय प्राधिकरणों से प्राप्त अनुदान		
	(क) सरकार और स्थानीय प्राधिकरणों से		
	(विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा योजनागत अनुदान])	1901,91,168	
	(ख) विदेश से	-	
	(ग) निधिकरण एजेंसी द्वारा		
	(1) देश से	-	
	(2) विदेश से, एएफसीआर संख्या और दिनांक	-	
	ब्याज से आय	89,81,276	
	कुल सकल वार्षिक आय		1991,72,444
(iii)	शिक्षा के उद्देश्य से खर्च राशि	1676,11,140	
(iv)	चिकित्सीय राहत कार्य के उद्देश्य से खर्च राशि	-	
(v)	कृषि उद्देश्य हेतु प्रयुक्त भूमि से हुई आय में से कटौती		
	(क) भू राजस्व और स्थानीय निधियों/उपकर	-	
	(ख) बड़े भूस्वामी को देय किराया	-	
	(ग) उत्पादन लागत, यदि न्यास द्वारा खेती की जा रही हो	-	
	(घ) कृषि प्रयोजन के लिए उपयोग किए गए भूमि से आय	-	
(vi)	(क) गैर-कृषि उद्देश्य हेतु प्रयुक्त भूमि से हुई आय		
	उद्देश्य :		
	(क) मूल्यांकन, उपकर और अन्य सरकारी या निगम के कर	-	
	(ख) बड़े भूस्वामी को देय प्रत्यक्ष किराया	-	
	(ग) बीमा किश्त	-	
	(घ) भवनों के कुल किराए का 10 प्रतिशत मरम्मत में	-	
	(च) संग्रहण लागत, किराए पर दिए गए भवनों के कुल किराए का 4 प्रतिशत	-	
	(ख) कृषि उद्देश्य हेतु प्रयुक्त भूमि से हुई आय		
(vii)	प्रतिभूति स्टॉक से आय या प्राप्तियों की संग्रहण लागत, ऐसी आय का 1 प्रतिशत	-	
(viii)	अंशदान अधीन अनुमानित सकल वार्षिक किराए के 10 प्रतिशत के हिसाब से, ऐसे किराए पर न दिए गए हों या उनसे कोई आय न होती हो, की मरम्मत के लिए कटौती	-	
	कुल आय जो अंशदान के प्रभार्य नहीं है।		1991,72,444
	सकल वार्षिक आय जो अंशदान के प्रभार्य है		-

कृते राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान

न्यासी

स्थान अहमदाबाद
तारीख :

समान तिथि की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
जी पी कपाडिया एड क. के लिए
चार्टड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजी स. 104768W

साझेदार

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान	पैन:	AAATN3637Q	23 of 24
बंगला नं. 1, सैटेलाइट कॉम्प्लेक्स		छूट /एबीडी	
मानसी टॉवर के विपरीत, प्रेमचंद नगर रोड	निर्धारण व	2018-19	
अहमदाबाद-380015	लेखांकन व	2017-18	
पंजीकरण सं एफ/7412/अहमदाबाद	आईटी वार्ड:	आईटीओ डब्लूडी. डीडीआईटी (छूट)	
स्थापना की तारीख: 1 मार्च, 2000	स्थिति:	धर्मार्थ न्यास	निवासी
पंजीकरण सं HOIIIAA (686) 2000-01 dated 1		[08]	[01]

कुल आय का विवरण

ट्रस्ट के तहत होने वाली संपत्तियों से आय			
क राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान के बही के अनुसार :			
आय और व्यय खाते के अनुसार आय			
निवेश के अनुमोदित सिद्धांत के तहत सावधि जमा पर प्राप्त आय			
टीए एडवांस पर ब्याज		1,405	
बैंकों द्वारा बचत खाते पर प्राप्त ब्याज		11,895	
बैंकों से सावधि जमा पर प्राप्त ब्याज		54,24,285	
			54,37,585
सरकार से प्राप्त अनुदान			1700,00,000
दूसरों से प्राप्त अनुदान- साल के दौरान नवाचार निधि में प्राप्त राशि			-
अन्य आय			43,303
कुल सकल आय			**1754,80,888**
घटाएं **न्यास द्वारा अपने उद्देश्यों के तहत धर्मार्थ प्रयोजनों के लिए प्रयोग की गयी राशि और आवेदन पिछले वर्ष के दौरान आय और व्यय खाते के अनुसार**			
ट्रस्ट की वस्तुओं पर किए गए व्यय [अनुभाग - 11(1) के अधीन]			
स्थापना खर्चे	429,52,957		
आवर्ती व्यय	939,34,333		
		1368,87,290	
ट्रस्ट के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए			
किए गए प्रशासनिक व्यय [अनुभाग - 11(1) के अधीन]		130,63,082	
संपत्ति पर मूल्यह्रास		51,44,520	
पूंजीगत आस्तियों की खरीद पर राशि का उपयोग किया गया [अनुभाग - 11(1) के अधीन		119,47,030	
			1670,41,922
राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान से कुल आय			**84,38,966**
B **कुल अधिशेष / (घाटे) यानी [A]**			**84,38,966**
घटाएं: वर्ष के दौरान अर्जित 15 फीसदी अर्जित आय पर उपलब्ध संचय.[अनुभाग - 11(1) के अधीन]			**84,38,966**
कुल अधिशेष वर्ष के दौरान अर्जित 15 फीसदी अर्जित आय पर उपलब्ध संचय को घटाने के बाद [अनुभाग - 11(1) के अधी			-
घटाएं: आगे बढ़ाए गए मूल्यों में गिरावट की वजह			
शुद्ध अधिशेष / (घाटे)			-

ANNUAL REPORT
2017-18

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION-INDIA
GANDHINAGAR

Preface

Dr. P. S. Goel
Chairperson, National Innovation Foundation – India

At the outset, let me express my gratitude to Dr RA Mashelkar, former Chairperson of NIF's Governing Board for his vision and leadership, which has helped NIF to achieve many a milestones in the last close to two decades. My deep appreciation for Prof. Anil Gupta as well for his personal guidance and mentorship in establishing NIF. My sincere appreciation for all the other Governing Board members as well who have had collectively shared their vision for NIF and guided its activities.

There is a tremendous potential in the people of the country spread across villages and cities, which somehow has not been harnessed to the best extent possible. NIF is putting efforts to identify an innovator and support his innovation if it has potential. In this way, NIF is trying to harness the potential of untrained less/uneducated people of our country by bringing its services to them. It has been undertaking a lot of activities for identifying innovations, getting them value added/validated, filing patents, supporting entrepreneurship development and diffusion through commercial or non-commercial channels.

There are broadly three segments of the innovation value chain propagated by NIF. First pertains to identification of an innovation through various means, second pertains to undertaking scientific validation and making desired improvement in a technology and the third, protecting the intellectual property for commercial or social diffusion. The first segment assumes important as it is a feeder of innovations and ideas. Without undergoing the second, one cannot proceed to the third hence it become quite important. The third segment assumes importance because it is the culmination of all efforts and gives visibility to all the background action. Scale, thus becomes important.

So far, NIF has done pioneer work in identifying such innovators in many areas that are not well connected and it has collected almost 3 lakh innovations. It has now undertaken the task of preparing a digital catalogue which should be ready by the end of this financial year and the same will be available on its website.

Our immediate task is to take these innovations to the people across the country. In a first attempt, NIF will identify its best 5-10 innovations and develop a diffusion plan so as to reach at least one million people across the country to create large scale impact. Once a big impact is created, rest everything in respective segments will get an immense push. In this effort, NIF has initiated partnership with many bodies, ministries and expert pools like Indian National Academy of Engineering.

I now take this opportunity to welcome all the new Governing Board members and look forward to engage with them closely to take the mission and activities of NIF further. I also greet all the grassroots innovators the NIF serves and also the young staff at NIF. On behalf of the Governing Board, I reiterate our commitment to provide all support, guidance and direction to the NIF so as to bring the best in all the activities undertaken in service of innovators and the society as a whole. I look forward to an exciting year of activities.

With my blessings and best wishes

P. S. Goel

Director's Message

Dr. Vipin Kumar
Director and Chief Innovation Officer

The year 2017-18 was a year of many changes and new beginnings. The country welcomed its new President, Shri Ram Nath Kovind ji, and NIF gave a tribute to the outgoing President Shri Pranab Mukherjee ji by editing a special volume "The Innovation President" to commemorate his legacy as the Head of State who initiated a number of innovation promotion schemes for the inclusive innovative development of the country.

The new President of India Shri Ram Nath Kovind ji continues to bless NIF with his patronage and advice like his predecessors. By adding the dimension of 'Entrepreneurship' the 'Festival of Innovation (FOIN)', being celebrated since 2015 at the Rashtrapati Bhavan, got transformed as the 'Festival of Innovation and Entrepreneurship (FINE)' to make it more inclusive. It is hoped that through the FINE, the innovation and entrepreneurship ecosystem in the country will get more enriched in the years to come.

NIF team continued its sincere efforts to undertake various activities for the promotion of grassroots innovations with social diffusion being the thrust area for the year. Another first this year was the release of a mainstream Hindi movie based on the life and work of NIF National Awardee, Shri Arunachal Muruganatham, innovator of the sanitary napkin making machine. The movie was important not only from the point of the message it carried about menstrual hygiene but also in emphasizing that the common people of the country innovate. NIF helped coordinate the DST's INSPIRE MANAK Awards scheme across the country and mobilize entries for the same particularly from backward and remote regions.

NIF's governance structure has witnessed a change as well. Dr RA Mashelkar, Chairperson of NIF and Prof Anil Gupta, Executive Vice Chair of NIF, having served the Governing Board since NIF's inception in 2000, stepped down to make way for a new leadership to lead NIF into the next decade. I take this opportunity to put on record my deepest appreciation and regards the outgoing Governing Board for guiding and mentoring a new institution and bringing it to a point where it stands today. I am sure that NIF will continue to get their blessings through their guidance, advice and support.

With due regards I warmly welcome Dr. P. S. Goel, Former Secretary, Ministry of Earth Sciences (MoES) NIF's incoming Chairperson of the Governing Board and Shri N.P. Rajive, Executive Director, Vibha Vani the incoming Vice Chair and other new Governing Board members to the NIF family. I hope that NIF will greatly benefit from their experience and advice.

I express my gratitude to the Hon'ble Union Minister of Science and Technology, Dr. Harsh Vardhan ji who continues to provide guidance and vision to the organization. I am thankful to Prof Ashutosh Sharma, Secretary, Department of Science and Technology and to the officials of the Department for their continued support and engagement to the cause of grassroots innovations. In the last but not the least, I appreciate the efforts of all colleagues at NIF and extended family of Honey Bee Network volunteers for their relentless efforts to take the mission forward. As I look forward to another eventful year for NIF, I hope you will enjoy reading the activities undertaken in the last year, which are detailed in the subsequent pages.

With my best wishes to all

Vipin Kumar

Contents

1. Governing Board	68-69
2. Finance Committee	70
3. Moving Ahead	71
4. Dr. APJ Abdul Kalam IGNITE Awards 2017	72-73
5. Festival of Innovation and Entrepreneurship 2018	74-79
6. ShodhYatras – the learning walks	80-81
7. INSPIRE AWARDS – MANAK	82
8. Sectional Activities	83-90
9. New Initiatives and partnerships	91
10. International activities and cooperation	92-93
11. Institutional Policies	94
12. Administrative Matters	94
13. Publications	95-96

Governing Board

1. Dr. P. S. Goel - Chaiperson
Former Secretary, Ministry of Earth Sciences (MoES), New Delhi

2. Shri. N.P. Rajive - Vice Chairperson-Member
Executive Director, Vibha Vani, Delhi

3. Prof. Anil K. Gupta - Member
Visiting Faculty, Indian Institute of Management, Ahmedabad

4. Prof. Anil D. Sahasrabudhe - Member
Chairman, All India Council for Technical Education, New Delhi

5. Prof. Satyajit Majumdar - Member
Tata Institute of Social Sciences, Mumbai

6. Dr. C. Shambu Prasad - Member
Centre for Social Entrepreneurship and Enterprises, Institute of Rural Management, Anand

7. Dr. K. Vijaya Lakshmi - Member
Vice President, Development Alternatives, New Delhi

8. Ms. Anuradha Bhavnani - Member
Regional Head, Shell Foundation, Gurgaon

9. Ms. Lakshmi N.- Member
Trustee, Good Karma Foundation, Kochi

10. Secretary, DST - Ex- officio Member
New Delhi

11. Secretary, DBT - Ex- officio Member
New Delhi

12. Secretary, D/O School Education & Literacy, MHRD- Ex- officio Member
New Delhi

13. Secretary, MSME - Ex- officio Member
New Delhi

14. Secretary, AYUSH - Ex- officio Member
New Delhi

15. Director General, ICMR - Ex- officio Member
New Delhi

16. Director General, ICAR- Ex- officio Member
New Delhi

17. Director General, CSIR - Ex- officio Member
New Delhi

18. Chief Secretary, Government of Gujarat - Ex- officio Member
Gandhinagar, Gujarat

19. Financial Advisor, DST, Government of India - Ex- officio Member
New Delhi

20. Director/Chief Innovation Officer - Member Secretary, Ex- officio
National Innovation Foundation-India, Gandhinagar

Finance Committee

1. Dr. P. S. Goel – Chairperson
Former Secretary, Ministry of Earth Sciences (MoES), New Delhi

2. Financial Advisor, DST, Government of India - Ex Officio Member
New Delhi

3. Prof. Anil D. Sahasrabudhe – Member
Chairman, All India Council for Technical Education, New Delhi

4. Dr. Sanjeev Saxena – Member
Assistant Director General, Indian Council of Agricultural Research, New Delhi

5. Prof. Satyajit Majumdar – Member
Tata Institute of Social Sciences, Mumbai

6. Director/Chief Innovation Officer - Member Secretary, Ex- officio
National Innovation Foundation-India, Gandhinagar

Moving ahead

National Innovation Foundation – India (NIF) continued its efforts, unabated, in the service of grassroots innovators and knowledge holders of the society; and continued to expand its reach and presence in hither to unreached regions of the country through its regional nodes. The efforts of NIF and its role in knowledge creation got acknowledged in the "Task Force on Innovation - Report on Global Innovation Index: An Indian Perspective" released on June 15, 2017, by the Department of Industrial Policy and Promotion (DIPP), quoted as below.

"In knowledge creation, only the knowledge created by formal systems has been considered. This is simply because resource-poor people are considered as sinks and not sources. As National Innovation Foundation (nif.org.in) has shown, minds on the margin are not marginal minds. They create vast amount of knowledge through grassroots innovation. There must be a way to include this valuable source of knowledge, as also building a link between the formal and informal systems so that the socio-economic benefits ultimately reach and benefit the humanity as a whole."

NIF also acknowledged the contribution of the Hon'ble former President of India, Shri Pranab Mukherjee, in enriching the innovation ecosystem of the country through various initiatives of the President's House by compiling "The Innovation President" book. It was released on July 24, 2017, at the President's House by then Vice President of India Shri Hamid Ansari in presence of then President of India Shri Pranab Mukherjee, then President-elect Shri Ram Nath Kovind, and the Prime Minister of India Shri Narendra Modi.

On July 24, 2017 then President of India, Shri Pranab Mukherjee received the first copy of book "The Innovation President" from then Vice President of India, Mohd. Hamid Ansari who formally released it, on the eve of demitting office as the 13th President of India, at Rashtrapati Bhavan Cultural Centre in presence of Prime Minister of India Shri Narendra Modi and then President-elect Shri Ram Nath Kovind.

Dr. APJ Abdul Kalam IGNITE Awards 2017

Dr. APJ Abdul Kalam IGNITE competition is a national competition for school students' original technological ideas and innovations organized every year by NIF. For the 2017 edition of the awards, more than 65,000 submissions were received from 576 districts of the country. From among these, 56 students from 16 states were awarded for their 29 ideas/innovations. The award ceremony was organized at Grambharti, Gandhinagar on December 22, 2017. Shri Pranab Mukherjee, the former President of India gave away the awards to the creative students in presence of the Hon'ble Governor of Gujarat Shri OP Kohli. An exhibition to showcase all award-winning ideas by young, creative minds of this nation was also organized at the venue. In most cases, engineers at NIF had developed proofs-of-concept and prototypes in the Fab Lab at NIF.

Prof Anil Gupta, in his address, remarked that children, by nature, are impatient towards problems, and it is this impatience, which becomes a driver for their innovative ideas. He appreciated the creative zeal in the children. He then elaborated how the President's House, during the Presidency of Shri Pranab Mukherjee, had developed schemes to promote innovations and enrich the innovation ecosystem in the country. Chairperson NIF,Dr. R A Mashelkar observed that globally India is considered as an innovation nation. He also appreciated the various initiatives taken by the President's house during the Presidency of Shri Pranab Mukherjee to reinforce its commitment towards innovation.

Dr A P J Abdul Kalam IGNITE Awards 2017 awardee Anang Tadar demonstrating his idea “Intelligent sun glasses for blind” to Shri Pranab Mukherjee, the former President of India.

Hon'ble Governor of Gujarat, Shri OP Kohli, while appreciating the creative ideas of the children, made an appeal to the parents and teachers to allow their children to dream and work towards it. They were urged not to ask their children to pursue their parent's unfulfilled dreams. He suggested that the children from privileged background must be encouraged to connect with those coming from the less privileged background so that while they develop an understanding of issues at the ground level, they also develop a collegial attitude towards others. This will help them to develop sensitivity and empathy while they grow up.

The former President Shri Pranab Mukherjee remarked that creative ideas of children are a stimulus to the brain and should be included as lessons in the textbooksfor children. He further mentioned that the children should learn to identify problems and unmet social needs and conceive solutions to address them. He added that the ideas and activities related to risk-taking, and social, economic and cultural entrepreneurship should be introduced to the children. They should also get a chance to interact with some other creative children of the country whose ideas have been appreciated and recognised at an appropriate level. He suggested that the children must be encouraged to think originally and contribute to the inclusive development of the country.

Hon'ble former President expressed his happiness on the current thrust of the Government of India to promote entrepreneurship at all levels in society through a very vigorous start-up movement in India. Talking about the INSPIREAwards MANAK scheme of Department of Science and Technology, he called itas a unique effort where NIF will process a million creative ideas- two ideas each from around half a million schools- all over the country with the top sixty ideas being incubated by NIF.

Children receiving awards by Shri Pranab Mukherjee, the former president of India.

Festival of Innovation and Entrepreneurship 2018

The Festival of Innovation & Entrepreneurship (FINE) {previously known as Festival of Innovation FOIN} is a unique initiative of the President House to recognise, respect and reward grassroots innovations and develop an enabling ecosystem around these innovations. Organised in the month of March at the President's House, the FINE has become a national celebration of creativity, innovation and entrepreneurship. In 2018, it was decided to organize the Festival of Innovation and Entrepreneurship (FINE) from March 19-21, 2018 at Rashtrapati Bhavan by the President's Secretariat in association with National Innovation Foundation-India and Department of Science & Technology. FINE is a celebration of the country's Innovation potential, particularly those ideas which stem from the grassroots level including the creative communities in disadvantaged regions.

The Festival of Innovation & Entrepreneurship (FINE) 2018 was inaugurated by The President of India Shri Ram Nath Kovind on 19th March, 2018.

The Festival of Innovation & Entrepreneurship (FINE) 2018, Rashtrapati.

On March 19th, Hon'ble President of India, Shri Ram Nath Kovind, inaugurated the Festival of Innovation and Entrepreneurship and interacted with some innovators at the exhibition arena. He also had an interaction with the fifth batch of Innovation Scholars In-Residence programme along with Dr. Harsh Vardhan, Union Minister of Science and Technology and Earth Sciences. The Hon'ble President then presented the Gandhian Young Technological Innovation (GYTI) Awards at the Rashtrapati Bhavan in presence of Dr. Harsh Vardhan, Union Minister of Science and Technology and Earth Sciences, Prof. Ashutosh Sharma, Secretary, Department of Science and Technology, Dr. RA Mashelkar, Chairperson, NIF and Prof. Anil Gupta, Executive Vice Chair, NIF. In the GYTI 2018 competition, 2915 entries from 312 universities & institutes from 34 states & Union Territories were received. These entries were from 54 technology domains. The President gave away fifteen BIRAC-SRISTI GYTI awards for innovative projects in biotechnology-related field and eight in the engineering field. Twenty-eight appreciation awards were handed over to the awardees by Dr. Harsh Vardhan. In total, 118 students were recognised for their efforts.

The President of India Shri Ram Nath Kovind visited an Exhibition of Innovations organized as a part of The Festival of Innovation & Entrepreneurship (FINE) 2018: Mushtaq Ahmed Dar an innovator from Anantnag, J&K explaining his innovation “Pole Pro”, and a device to climb poles of varying configurations.

Speaking on the occasion, the President said that the vision of a new India called for the meeting of \certain developmental milestones, focussing on building an inclusive society by providing every individual an opportunity to realise his or her potential. He added that to achieve this every link in the innovation value chain needs to be revitalised; children as tinkerers, youth with positive aspirations and government as a facilitator, all are needed. He reiterated that a robust ecosystem for converting innovations into enterprises is needed which requires support for start-ups and for incubating young innovators. FINE brought both innovation and enterprise together with the hope to connect all the links of incubating innovations into enterprises by providing financial, mentoring and policy support.

Prof. Anil Gupta, Executive Vice Chair (EVC), National Innovation Foundation – India, presented the recommendations of the third roundtable on the role of government in nurturing innovations. The requirement of support for testing and calibration of innovations to accelerate their introduction in the market, public procurement of innovations, and the need for open source technologies in addition to IP protected technologies were highlighted. Shri Shobhana K Pattanayak, Secretary, Department of Agriculture, Cooperation & Farmers Welfare presented the recommendations of the fourth roundtable on Agriculture innovations. He mentioned that in line with Government's call of doubling farmers' income by 2020, few action points have been identified. An amount of rupees 200 crores has been dedicated for the promotion of bamboo sector. An exposition of bamboo related technologies and products will also be set up at the Rashtrapati Bhavan. The scheme of innovator farmer will be extended to Central and State Agricultural Universities. The Experience of AYUSH center at Rashtrapati Bhavan will be replicated across the country in various institutions. Ministry of Agriculture will work with NIF to identify innovations that can be introduced in different areas. The Hon'ble President of India elaborated on the FINE and expressed hope that the recommendations will be followed up the next year. He urged Ministries and Departments to work together to address the unmet needs.

Four distinct Round table were organized during The Festival of Innovation and Entrepreneurship 2018 at Rashtrapati Bhavan.

Shri Sanjay Kothari, Secretary to the President of India and other dignitaries at the Round table on innovations for sustainable agriculture with special focus on bamboo and herbal medicine, aroma, fragrance, and flavours organized during The Festival of Innovation and Entrepreneurship 2018 at Rashtrapati Bhavan.

Dr. Harsh Vardhan, Union Minister of Science and Technology and Earth Sciences, opined that this may be one such historic occasion when top innovators from the informal sector, innovators from schools and technical institutions, research and development institutions, industry, and entrepreneurs were sharing a single platform Prof. Ashutosh Sharma, Secretary, Department of Science and Technology (DST) reiterated the Government of India's commitment to facilitate the diffusion of scientific research outputs at the grassroots level.

During the FINE, four roundtable discussions were held focusing on areas: science & technology led innovations for societal application, nurturing innovation ecosystem, the role of government in scaling up and commercialization of innovations including start-ups, and innovations for sustainable agriculture with special focus on bamboo and herbal medicine, aroma, fragrance, and flavours. Certain recommendations were made based on each of the roundtable discussion.

Prof Ashutosh Sharma, Secretary, Department of Science and Technology and other dignitaries at the Round table on Science & Technology led Innovations for Societal Application organized during The Festival of Innovation and Entrepreneurship 2018 at Rashtrapati Bhavan.

Presenting the recommendation of the first roundtable on S&T led innovations for societal applications, Prof. Ashutosh Sharma, Secretary, Department of Science and Technology, Government of India highlighted the need of rural immersion programs for technology students, and in situ or decentralised incubation of innovations.

Shri R Ramanan, Mission Director, Atal Innovation Mission, while presenting the recommendations of the second roundtable on nurturing innovations, laid importance on providing opportunities for innovation to children from the very beginning i.e. the school level. He mentioned thousands of Atal Tinkering Labs have been established in the country to provide children with such opportunities. He also highlighted the importance of industrial mentorship to the many hundred startups registered across the country.

During the FINE 2018, a number of other workshops and interactions were also organized, which included a meeting of National Innovation Clubs and the presentation of selected innovation clubs, government-industry interaction on enriching innovation ecosystem, and workshop by Design Innovation Centers and their interaction with innovators. The festival concluded with the Children's Creativity and Co-creation workshopsorganised by SRISTI.

An innovation exhibition associated with FINE remained open during March 19 - 23, 2018. It provided a platform to participating innovators for building linkages with potential stakeholders whose support can improve their prospects in the coming years for the larger social good. It helped in promoting lateral learning and linkages among the innovators to enrich the ecosystem for New India. In sync with the policies of the government of India, FINE provided a window to the creative and innovative solutions for social development through grassroots innovations, student ideas and other technologies for agriculture, rural development, sanitation, health, women and child development, biotechnology and medical innovation for grassroots.

First Lady of India Ms Savita Kovind visited the exhibition of innovations organized during The Festival of Innovation & Entrepreneurship (FINE) 2018

NIF also coordinated with the President's House in organizing the 5th Innovation Scholar-in-Residence program at Rashtrapati Bhawan during March 19-23, 2018. The Rashtrapati Bhavan, in 2013,had launched an 'In-Residence' Programme for innovators with the idea to give impetus to the cause of innovation, in particular, grassroots Innovation. By hosting the innovators including school children, college students, farmers,and artisans, the President wanted them to spread the word around the country that it is possible for common creative and innovative people to reach the portals of the Rashtrapati Bhavan by sheer virtue of their creativity and innovation In its fifth edition, the Rashtrapati Bhavan selected ten innovators for providing residency during the FINE 2018.

Fifth batch of Innovation Scholars In-Residence Programme called on The President of India,Shri Ram Nath Kovind: Shri Prakash Singh Raghuvanshi, an innovator from Varanasi, Uttar Pradesh has developed Improved Varieties of Wheat, Paddy, Mustard and Pigeon pea.

Fifth batch of Innovation Scholars In-Residence Programme, 2018 at the Rashtrapati Bhavan.

Shodh Yatras – the learning walks in rural areas

The 40th shodh yatra organised in the Gurez valley of Bandipora district of Jammu and Kashmir during October 27- Nov 2, 2017.

Shodh Yatras are learning walks organized twice every year by SRISTI and supported by NIF and the Honey Bee Network. The 39th Shodh Yatra was organised in Bargarh district of Odisha during May 11-18, 2017 with support from Innovate Orissa Initiative and, students and volunteers of Sambalpur and Bargarh districts. The walk began from Barpali and ended at Nursinghnath, during which fiftyshodhyatris, comprising farmers, innovators, students, professionals, teachers, etc., covered a distance of approximately 120 km interacting with villagers of about 30 villages on the way. The 40th shodhyatra was organised in the Gurez valley of Bandipora district of Jammu and Kashmir during October 27- Nov 2,with the support of the students from Gurez and Tulel valley. The walk began from Chekwali, the last village of Tulel Valley toward the line of control on the border, and ended at Burnai, the last village of Gurez Valley. The Shodhyatriswalked across 25 villages covering about 45 km in high altitude mountainous terrain.

On Farm Trial of spice crop varieties: Thiruthali - improved cardamom variety by Mr. T. P. Joseph

On the inaugural day of the Odisha shodhyatra, an innovation exhibition was setup displaying award-winning innovations useful for the region and innovations documented earlier from Odisha. During the shodh yatra, a number of interesting innovations were identified and these include modification in welding machine run on diesel engine by Jumnikanata Dash of Sargibahal, portable hand pump of Sadhu Charan Patel of Salepale; manual spinning and winding machines by Prafulla Kumar Meher and automatic machines for the same purpose by Ram Prasad Mehr of Bandhapali. Dhananjay Sahoo, a school teacher from Sattigata made a solar sprayer for farmers and an automatic bed for physically challenged persons. The efforts of the local communities in furthering the weaving tradition were also appreciated.

The 40th Shodhyatra exposed the yatris to the peaceful but struggle prone existence of ethnic Dard-Shin community living in a difficult region, 8000 feet above the mean sea level in Jammu and Kashmir, near Pakistan border. The women folk, who have to engage in arduous work round the year, were quite friendly and did not shy away from the yatris. Same with the children, they were quite keen and curious to talk to the yatris. Electricity is a problem hence many ideas of children were around utilising solar energy and that of river water to undertake various tasks or run machines/gadgets. Most of them wanted a charger equipped with solar energy to charge mobile phones. Lal Din Malik shared the idea of a solar cap to help keep the Pheran(long coat) warm. Another similar idea was shared with solar equipped Bukhari or Kangri. Mudasir Ahmad Lone wanted a solar samovar (Kashmiri kettle). Aaqib wished for a vehicle run with water whereas Mohammad Dilawar wanted to generate electricity from winds. Tauseef, a young innovator introduced the energy-efficientBukhari (stoves used to keep houses warm). Arshad Ahmad Lone innovated a shoe attachment to make it convenient to walk in the snow. Likewise, during the yatra, many more creative people were met.

During the shodh yatras many traditional knowledge practices for agriculture, human and animal health were documented along with some ingenious innovations and ideas like the ones above. Many creative innovations and ideas of innovators and school children were recognized during the yatras. A tremendous scope for adding value to innovation and local herbal knowledge and bring local products into the market was also felt.

INSPIRE Awards – MANAK

The INSPIRE Award - MANAK (Million Minds Augmenting National Aspiration and Knowledge) isa national scheme for school students innovationsofthe Department of Science & Technology and executed in partnership with the National Innovation Foundation-India. Under the scheme, an initial investment of Rs. 10,000 is envisioned in the top one lakh ideas identified from a pool of one million ideas every year. These one lakh ideas are further shortlisted at District and state level and the top sixty ideas/innovations are awarded at the National level, with NIF incubating them. The scheme, which is aligned with the action plan for "Start-up India", aims to build a critical human resource pool for strengthening, expanding science and technology system by involving students at the school level (class 6-10, age 10-15 years).

State Level Exhibition & Project Competition in Chandigarh

State Level Exhibition & Project Competition in Uttrakhand

During the year, 2,58,902 student ideas were received from 595 districts of 35 States & Union Territories of the country. Of these, a total of 31,208 student ideas were shortlisted for District Level Exhibition & Project Competitions (DLEPC)/ State Level Exhibition & Project Competitions (SLEPC). In the first phase, support of Rs. 10,000 per idea was already given to student through Direct Benefit Transfer (DBT) by DST directly. Based on the number of shortlisted entries, NIF planned to organize 200 DLEPCs and 35 SLEPCs. For awareness building, posters, brochure, and animated films were made in 15 languages.

DLEPC (District Level Exhibition and Project Competition) was organized all over the country as a part of implementation of INSPIRE Awards MANAK. Students from Thoothukudi, Tamil Nadu displaying their prototypes at the DLEPC

Sectional Activities

Scouting and Documentation

The Tenth National Biennial Competition for unaided grassroots innovations and outstanding traditional knowledge (April 2015-June 2017) concluded on 30 June 2017 with more than 12,500 entries received from various districts of 34 states and union territories. The Eleventh National Biennial Competition started on July 1, 2017, and 3500 entries were received till March 31, 2018. The entries will continue to be accepted up to March 31, 2019.

Dr. A P J Abdul Kalam IGNITE Award ceremony 2017 was organised at Grambharti, Gandhinagar on December 22, 2017, where Shri Pranab Mukherjee, the former President of India gave away the awards to 56 creative and innovative students in presence of the Hon'ble Governor of Gujarat Shri OP Kohli. This year, students from 16 states were awarded for their ideas/innovations. Overall, more than 65,000 submissions were received from 576 districts of the country. For Dr. APJ Abdul Kalam IGNITE 2018 competition about 16,000 submissions were received till March 31, 2018.

NIF also participated in the platform activities related with the science train – the Science Express Climate Action Special (SECAS) at many stations in the states of Bihar, Assam, Tripura, West Bengal, Odisha, Telangana, Andhra Pradesh, Maharashtra,and Gujarat. Visitor andstudent interactions, Idea competitions & Poster Exhibitions constituted the major highlights of the platform activity at various halts.

Science Express Climate Action Special (SECAS) at KIUL and Sitamarhi station in Bihar: Children interacting with staff members of NIF

Value Addition Research and Development

Engineering

The engineering team reviewed about 65,000 entries received in the Dr. APJ Abdul Kalam IGNITE competition 2017, developed prototypes (22) of award-winning ideas of IGNITE 2017, undertook prior art search to ascertain novelty in entries submitted for the 10th National Biennial Competition, prepared technical documents for filing of patents, and the replies to First Examination Reports (FERs). To foster lateral learning among grassroots innovators and faster conversion of an idea into a prototype, support for setting up of fourteen community workshops in Assam, Meghalaya, Nagaland, Arunachal Pradesh, Manipur, Jammu & Kashmir, Odisha, West Bengal, Bihar,and Chhattisgarh was provided. The total number of community workshops supported by NIF reached 51 during the year. These have been established in 23 states of the country.In addition to this, financial and technical support was extended to innovators (58) from 20 states for developingproofs-of-concept/prototypes of their innovations. NIF also facilitated the testing of three innovations of grassroots innovators.

Students visit at FABLAB in National Innovation Foundation-India

Development of Prototype at FABLAB in National Innovation Foundation-India

Agriculture

The agriculture team facilitated the validation of 18 crop varieties and 10 herbal formulations at 12 institutes, CAUs and SAUs along with the on-site evaluation of 2 grapes varieties. During the validation trials at different institutes, farmers' Chilli and Pumpkin varieties performed better than local and national checks whereas Cauliflower variety reported the highest benefit-cost ratio due to its early maturing trait. Two carrot varieties reported highly significant marketable root yield and harvest index as compared to the checks; the *Durga* 4 variety had attractive red color, good crisp taste, and sweetness.*Casuarina* variety MODI-1 showed superiority and higher growth rate in basal diameter and height. The cauliflower variety *Ajitgarh Selection* produced compact, round and white curds with higher marketable curd yield compared to checks, while onion variety- *Rashidpura Pyaj* reported higher quality yield with very less percentage of double bulbs. The Hyacinth variety (*JK 1*) gave superior fresh pod yield over the checks. The pearl millet variety *Sulkhaniya* was found to be early maturing with unique, distinct and very long compact medium thick ear heads and possessinggood potential for increasing productivity under rainfed conditions. It was also found to be superior over the best check in terms of grain yield with good fodder quality.The farmers' grapes varieties were found to be of export quality due to their elongated and good berry size, length and attractive colour.

HRMN-99, the apple variety for low altitude developed by Shri Hariman Sharma, has fruited in the State of Telangana.

Performance of Ajitgarh selection cauliflower variety as of Feb 2018 developed by Shri Jagdish Pareek, Sikar, Rajasthan.

During validation, the herbal formulations tested at Sardarkrushinagar Dantiwada Agricultural University (SDAU), were found to be effective against leafhoppers, fruit and shoot borer producing at par yield with chemical control. The HRMN-99 apple variety trials initiated in 2014 in all the states for the adoption of the variety in non-apple growing areas resulted in fruiting in 10 non-apple growing states during 2017-18 proving the adaptation of the variety in different regions spread across the country.

On-farm trials of 32 crop varieties were conducted at over 700 farmers' field in 15 states of the country, which showed good performance of farmers' varieties in terms of yield and yield attributing traits. The paddy variety *DRK* (Late Dadaji Ramji Khobraghade) fetched higher market price due to its superfine grain quality whereas soyabean variety – *Pandrinath* 1 was found to be tolerant to the yellow mosaic virus. Sixteen herbal formulations tested at farmers' field demonstrated good bio-efficacy against pests of paddy and for the control of leaf curl disease in chilli. The validation of three herbal technologies tested at NIF research farm provided effective control of pests of brinjal whereas 10 farmers' wheat varieties performed well under Gujarat condition over the check varieties.

Kubri Mamhani selection: Green Rice Variety, developed by the innovator Rohit Sahu, Durg.

Biochemical analysis of 22 varieties was carried out at two research institutes. The iron, carbohydrates and proteins content in tested wheat varieties were found to be higher as compared to the checks. The iron and protein content was also found to be higher in farmer's pearl millet variety-*Sulkhaniya.* Large-scale on-farm trials of onion variety (Balwan Singh, Haryana) were also facilitated in seven high altitude villages of Uttarakhand. The *Sadabahar* mango variety was introduced in Telangana and Andhra Pradesh creating business opportunity for the innovator in the region. The AICRPs trials of 12 spice crop varieties (of cardamom, black pepper, and nutmeg) are undergoing at various research stations of ICAR.

Human Health

During this period, the validation of various herbal practices in several disease areas was completed and these areas include inflammation (6), liver disorders (7), urolithiasis (4), ulcer (4), wound healing (4), malaria (6), osteoporosis (6), epilepsy (8) and obesity (4). The verification/detailed documentation of disease, plant and the practices of innovators/ traditional knowledge holders from 13 states was carried out for about 56 herbal practices under different projects. Potential practices were shortlisted, reviewed by the experts in RAC/PRC and selected for validation and value addition. Total 37 new projects were initiated at 10 different institutes/ CROs in the area of diabetes, hypertension, cataract, osteoporosis, liver disorders, inflammation & arthritis, epilepsy, urolithiasis, etc. for validation of more than 60 herbal practices. Particularly, the validation reports of herbal anti-cataract practices of Duryodhan Karmakar (Jharkhand), Ramnandan Ram (Bihar), T. Ramanathan (Tamil Nadu) and Ghulam Nabi Wani (Jammu & Kashmir) seem to be quite promising. During the validation trials, a significant decrease in lens opacity was observed in the test groups as compared to the disease control group. No major behavioral changes were observed in any of the groups.

Veterinary

In Himachal Pradesh, NIF collaborated with the College of Veterinary and Animal Sciences in popularising an indigenous acaricide medication with the support of Himachal Pradesh Council of Science, Technology & Environment, Shimla for the the larger benefit of the society. The medication was developed, standardized by NIF and adopted by the veterinary institution to control the ectoparasite infestation. NIF alsoorganized a workshop in partnership with Dr. G. C. Negi College of Veterinary & Animal Sciences, Palampur on September 22, 2017, where over 100 veterinary pharmacists participated to volunteer forlarge-scale on-farm experimentation of indigenous medications to control tick infestation, mastitis and udder sore.

Intellectual Property Rights

During this period 94 patent applications were filed in the name of innovators/ knowledge providers. 11 patents for grassroots innovations were also granted during the period. Fourteen applications of farmer-developed varieties were filed for registration under the PPV&FR Act, 2001 and certificates of registrations were granted to two varieties.

Business Development

Twenty three projects of engineering technologies and plant varieties were supported under Micro Venture Innovation Fund (MVIF). NIF entered into an umbrella MoU with Dabur Research Foundation for joint validation, value addition and product development, based on the herbal human health technologies. Dabur will support in taking the potential products into the market after technology transfer agreements are signed at mutually agreed terms and conditions in each case.Five high potential grassroots innovators signed a formal Incubation Agreement with NIFientreC, thereby in principle agreeing to either share an equity stake or a percentage of their annual turnover, in lieu of a mentoring, incubation and other forms of support offered to Incubates by NIFientreC.Twelve grassroots innovation-based start-ups were successfully registered by NIF where Start-up certificates were also issued by the DIPP.

NIF facilitated the technology licensing of “Mobile garbage collecting device”, an innovation by Sikanto Mandal, a 13 year old student from Mathura, Uttar Pradesh to Sarjan Innovations Private Limited, Patan, Gujarat, and of “Cow dung Pot Making Machine”, by Gopalbhai Suratiya to DIP Technologies, Ahmedabad the manufacturing and marketing of the innovation across the country. NIF also signed a Joint Venture cum technology transfer agreement with Luckys Bakery Private Limited and Warriors Marketing and Distribution Limited under which NIF transferred technology of nutraceutical products, which will be manufactured by Luckys and marketed by Warriors. NIF, Haldiram Snacks Private Limited, Noida and Warriors Marketing and Distribution Limited, Pune also signed a letter of intent to form an association for developing various innovative and healthy range of food products. Under the agreement, NIF will develop innovative products, which Warriors will manufacture, Haldiram will market under its brand.

Dissemination and Social Diffusion

NIF undertook various activities related to the projects for diffusion of grassroots innovations in Jammu and Kashmir, Chattisgarh, Odisha, Meghalaya, Assam, Nagaland, Tripura, Manipur, Uttar Pradesh, Andhra Pradesh, Telangana under which innovations like Coconut Tree Climber (Late Appachan, Kerala), Natural Water Cooler (Arvindbhai Patel, Gujarat), Incense Stick Making Machine (Paresh Panchal, Gujarat) were introduced whereas many others like Hand operated pump (N Sakthimainthan, Tamil Nadu), Bicycle hoe (Gopalbhai Bhise, Maharashtra), Paddy husk stove (Ashok Thakur, Bihar), Cycle pump (Late Vikram Rathore, Andhra Pradesh), etc. were fabricated in the respective regions. In Jammu and Kashmir, a number of innovations like hand operated water pump, cow dung log making machine, head load reducer among others were diffused, some in the interior and border areas.

Dissemination of customized Hydro turbine for generating electricity, Tipli, Uttarakhand :
An Innovation by Shri G K Ratnakar from Karnataka

New projects were initiated for diffusion of grassroots innovations in Jammu and Kashmir, Chattisgarh, Odisha, Meghalaya, Assam, Nagaland, Tripura, Manipur, Uttar Pradesh, Andhra Pradesh, Telangana for innovations like Sanitary Napkin Making Machine (S Afzal), Multi-purpose Processing Machine (Dharamveer Kamboj), Incense Stick Rolling Machine (Paresh Panchal, Gujarat) etc. NIF also facilitated the introduction of multipurpose tool of innovator Rafiq of Jammu and Kashmir in Assam, Arunachal Pradesh, North Bengal, Meghalaya, Manipur, Tripura,and Mizoram for user trial and feedback collection. Three herbal products for agricultural uses (growth promotion and pesticide) were dispatched to different locations in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Manipur, Tripura and Mizoram where they were distributed to identified farmers for on-farm trials.

NIF was invited to participate in India's first Tribal Entrepreneurship Summit which was a part of Eight Annual 2017 Global Entrepreneurship Summit (GES)

Training and Implementation of Incense Stick Making Machine unit, a Grassroots Innovation by Shri Paresh Panchal, supported by NIF at Alipore Women Correctional Homes

NIF initiated communication with Correctional Homes/Services of all States and UT's in the country to encourage jail inmates to learn new skills based on innovative products. This might help them to become more responsible and productive citizen of the society after their release. West Bengal has initiated Incense stick Making Machine unit at Alipore Women Correctional Homes. Himachal Pradesh Correctional Services have initiated Cow dung pot making machine unit in Dharamshala prison. On similar lines, Uttar Pradesh Correctional Homes at Dasna prison and Haryana Correctional Homes at Gurugram prison are in the process of implementing Incense stick Making Machines with the help of Delhi based India Vision Foundation. More than 15 years ago, NIF had worked with GIAN West Gujarat in an experiment on Eri silk cultivation in Ahmedabad open Jail. Such efforts help in spreading innovative culture among otherwise neglected sections of the society.

NIF setup a display of grassroots innovationsas part of the "Exhibition on Science & Technology Innovations" in the Parliament House Annexe, New Delhi during July 28-August 11, 2017. The purpose of the exhibition is to showcase the S&T innovations by the Science Departments of India and to disseminate socially relevant products and technological spin-offs ready for deployment.Dr. Vipin Kumar, Director, National Innovation Foundation - India shared insights on how grassroots innovations can help in making India inclusive at the Inclusive India Summit 2017organised by the National trust on September 12, 2017. The Summit served as a platform to discuss ideas and to find long-termsolutions for various problems being faced by the persons with intellectual and developmental disabilities (PwIDDs) in the country in order to ensure a bright future for them.

Smt. Sumitra Mahajan, Hon'ble Speaker, Lok Sabha and Smt. Renuka Chowdhury, Chairperson, Parliamentary Standing Committee on Science & Technology, Environment & Forests at "Exhibition on Science & Technology Innovations" in the Parliament House Annexe, New Delhi

During October 13-16, 2017, NIF participated in the India International Science Fair where it setup a Grassroots Innovation Summit, which showcased close to 100 grassroots innovations from all the states of the country. A seminar on Grassroots Innovation is also organized by NIF where experts will share their views with the audience on themes like Scouting, Documentation, Value addition and Product Development, blending of formal and informal science, the relevance of patent protection and IPR, diffusion through.

Grassroots Innovations were at display during India International Trade Fair 2017, New Delhi

Delegates evinced interest in Technologies exhibited by NIF during India-Afghanistan Trade and Investment Show, New Delhi - September 27-30, 2017

social/commercial spheres. During March 16-20, 2018, NIF participated in the 105th Indian Science Congress at Imphal, Manipur Where it set up an exhibition of innovations viz. solar multi muga reeling machine, cooking cum drying stove, magnetic bobbin device, keshophou paddy variety, sanayanbiphou paddy variety, multi-tree climber, multipurpose processing machine, BamHum, stencil cutter, adjustable walker and different varieties of herbal soaps, in the pavilion of the Department of Science and Technology along withposter display setup. The pavilion won the Award for the Most Innovative Pavilion ofthe Indian Science Congress.In addition to these efforts, NIF also engaged with print and electronic media, participated in exhibitions and reputed national/international events like the India International Trade Fair.

New Initiatives and partnerships

A Memorandum of Understanding (MoU) between NIF and Odisha Forestry Sector Development Project (OFSDP)was signed on April 29, 2017, for a period of three years. The MoU is intended to facilitate systematic scouting and documentation of grassroots innovations and outstanding traditional knowledge as well as identification of unmet needs of the tribal groups dependent on the forest products in Odisha.NIF and Indian Institute of Science (IISc) Bangalore signed a MoU on December 22, 2017, in presence of former President of India Shri Pranab Mukherjee and Hon'ble Governor of Gujarat Shri OP Kohli, for value addition and design inputs in grassroots Innovations. NIF and Indian Institute of Technology (IIT) Guwahati entered into a MoU on Dec 27, 2017, to work jointly to promote grassroots innovations in the North Eastern Region. NIF and NIT Manipur also entered into a MoU on Feb 2, 2018, to work closely on incubation of grassroots innovations in Manipur.

Under the MoU between NIF and National Institute of Advanced Studies (NIAS), Bangalore, a nine-day annual school on Grassroots Innovations was organisedin partnership with NIAS, Trans-Disciplinary University (TDU) Bangalore and Mahatma Gandhi Institute of Rural Energy and Development (MGIRED), Bangalore at NIAS during Jan 10-18, 2018. The theme was “Energy and Water”. There were 42 participants including researchers, engineering student innovators, social entrepreneurs, start-up enthusiasts, NGOs personnel, and some others. The objectives of this school were: a) to expose the participants to the various principles, processes, and practices related to grassroots innovations in energy and water, b) to make participants understand the role of intermediary organizations in an innovation value chain, c) to expose them to various innovations and through them the pervasive and prevalent culture of creativity at the grassroots,and d) to assess the gaps in research and policy in grassroots innovation so that the participants can feel motivated to address them cooperatively.

For the first time, a mainstream Hindi movie, “Padman”, based on the life of a grassroots innovator, Arunachalam Muruganantham, the innovator of the low-cost sanitary napkin making machine, was made and released. He has been a National Awardee of NIF. The story “*The Sanitary Man of Sacred Land*” by Twinkle Khanna in her novel “The legend of Lakshmi Prasad” on Muruganantham's life was the genesis of the film Padman. Popular actor Akshay Kumar played the character of Muruganantham in the movie Padman. NIF facilitated the participation of many other innovators in the movie and a few functions associated with it.

International activities and cooperation

NIF nominated Dr. Satya Singh to participate in the 'Advanced Level Training for Scaling Women-Led Startups in Developed Economies' organized at Silicon Valley, California, USA duringMay 1-8, 2017 under the aegis of DST-Anita Borg Institute (ABI) India- Indo-U.S. Science and Technology Forum (IUSSTTF). She also attended the TiECon 2017 conference, the largest technology anchored conference dedicated to fostering entrepreneurship. The conference had 4,700+ attendees and 200+ speakers from across 22countries, and also visited leading IT companies and Business schools to gain perspectives and insights about innovation, market fit, venture capital and building start-up teams, scaling in the absence of capital, building teams through seed capital and also other challenges that are faced by entrepreneurs.

During June 9-10, 2017, Dr. Vipin Kumar, Director, National Innovation Foundation - India participated in the Annual Research Conference of IC-IMPACTS (the India-Canada Centre for Innovative Multidisciplinary Partnerships to Accelerate Community Transformation and Sustainability) and shared insights into grassroots innovations and community engagement. The Conference brought together leading researchers, students, companies & community members for an engaging discussion.

Under the bilateral S&T Cooperation program of India and South Africa, NIF organized the IPR capacity building program for the officials of South Africa in July 2017. The participants were Senior and Middle-level Government officials from South Africa engaged in execution and management of IPR and technology transfer related activities of the country. NIF also hosted India - South Africa Joint Committee Meeting (JCM) on July 13, 2017, to discuss ways to take forward the cooperation further.

The IPR capacity building program for the officials of South Africa was organizedduring July 2017

NIF also participated in the Tenth ASEAN Science, Technology and Innovation Exhibition organized at Nay Pai Taw, Myanmar during October 12-20, 2017 where NIF showcased grassroots innovations of India to the participants from ASEAN countries. The Ministers from Thailand, Cambodia, Myanmar, Malaysia,andPhilippines expressed deep interest and appreciated the potential of grassroots innovation for regional development. Myanmar Red Cross Society took a demonstration of Walker with adjustable legs (Shalini Kumari) whereas Myanmar's Ministry of Energy, which is responsible for electrification, took a deep interest in Pole Climber device(Mushtaq Ahmad Dar). Grassroots Innovations like Tree Climber (Late Appachan) experienced a surge in demand, following NIF's participation in this exhibition.

Datuk Seri Panglima Wilfred Madius Tangau, STI Minister of Malaysia experiencing Grassroots Innovations and children creativity based innovations during Tenth ASEAN Science, Technology and Innovation Exhibition at Nay Pyi Taw, Myanmar

NIF also displayed India's grassroots innovation based technologies useful for Afghanistan during India-Afghanistan Trade and Investment Show, New Delhi during September 27-30, 2017. Innovations that evinced maximum interest included Walnut Cracker (Mushtaq Ahmad Dar) manufactured by Rafiq Innovations Private Limited (a start-up from J&K, India # DIPP8028) and Tractor operated orchard sprayer (Rajendra Jadhav) manufactured by CK Enterprises and Agro Equipments Pvt. Ltd (a start-up from Maharashtra, India # DIPP9215).

NIF also participated in the 18th Global Development Conference on Science, Technology,and Innovation for Development at the Institute for Studies in Industrial Development (ISID), New Delhi, during March 22-23, 2018.The conference was jointly organised by the United Nation Industrial Development Organization (UNIDO), ISID, Global Development Network (GDN) and Campbell Collaboration and witnessed participation from sixteen countries.Selected Grassroots Innovations were exhibited by NIF along with poster display. Prof. Anil Gupta, EVC, NIF delivered a lead lecture on the status of grassroots innovations in developing countries.

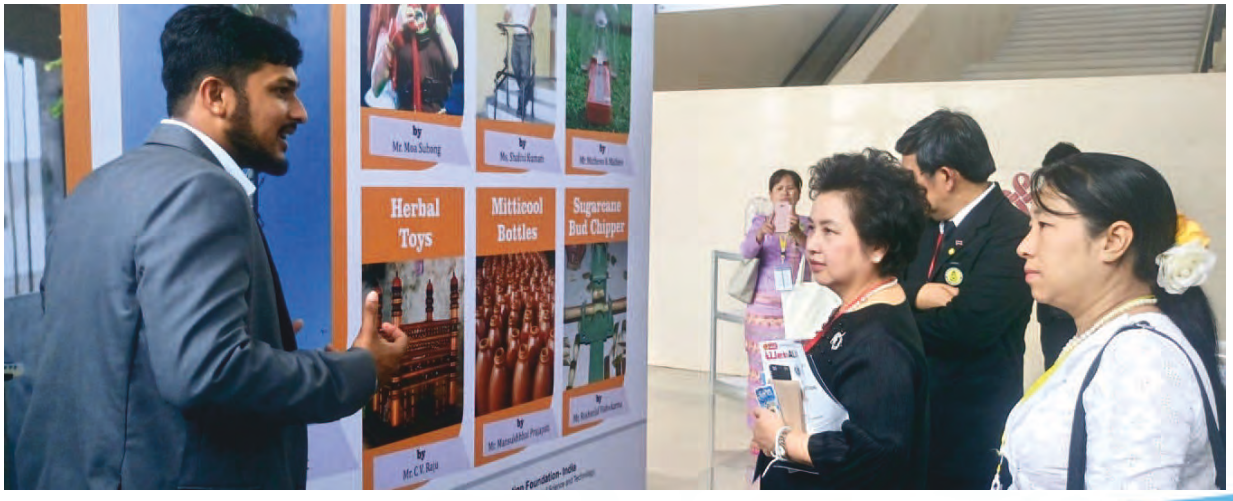

Institutional Policies

Official language policy: For implementing the Official Language Policy of the Government, NIF has taken quite a few initiatives. As NIF staff comprises professionals from many states speaking different languages, in order to popularize Hindi among them, a Hindi word is written everyday on a whiteboard displayed prominently at the premises. Phonetic transcription of the Hindi word and its meaning is also written in English for the ease of the staff.

All posters and dissemination material of NIF are available in both Hindi and English. Efforts are being undertaken to have all other publications in Hindi as well as other regional languages. NIF also supports dissemination of SRISTI Innovations' Hindi publication, ***Soojh Boojh aas paaski*** about grassroots innovations in the Hindi speaking belt.

Additionally, NIF makes concerted efforts to promote regional languages as well. All letters received by NIF in local languages are replied in the same language. For this, the services of translators are taken. NIF also supports the publication of newsletters in five regional newsletters viz. Oriya, Telugu, Tamil, Malayalam, and Gujarati for wider dissemination.

Administrative Matters

Appointment of Director, NIF: The Department of Science and Technology, Govt of India vide letter No. DST's D.O No: AI/1/144/NIF/2017 dated 16 November 2017 (ref. DOPT communication No. 22/68/2012-EO (SMII) dated 14 November 2017), communicated the approval of Appointments Committee of Cabinet (ACC) for the extension of the tenure Dr. Vipin Kumar as Director/Chief Innovation Officer of National Innovation Foundation-India for a further period of five years w.e.f. November, 22,2017, or till the date of his superannuation or until further orders whichever is earlier. Dr. Vipin Kumar accepted the extension approved by the Chair.

Recruitment of staff: During 2017-18, for five calls for applications, interviews for fellows/RAs at various positions and, Administration and Finance Managers/Associates were conducted and65 candidates were selected for various positions (contractual).

Government Related activities: NIF submitted to the Department of Science and Technology, the approved Annual Report for the year 2016-17 in English and Hindi along with the Annual Review Statement 2016-17, inputs for DST's Annual Report 2017-18, Outcome budget, Annual RTI report, Best practices for NITI Ayog, data on Employment Generation Scheme (EGS), Action taken report on VIP references, data on Sustainable Development Goals (SDG), activities to promote Himalayan Ecosystem, as per required formats and inputs related to Parliamentary questions. NIF also submitted SIRO certification related data and data for research on scientific institutions.

Publications

Books:

1. The Innovation President, Eds. Vipin Kumar, Mahesh Patel, Ramesh Patel, Anamika Dey and Anil K Gupta, National Innovation Foundation – India and SRISTI Innovations, 2017
2. Dr. APJ Abdul Kalam IGNITE Award Book 2017

Technical Bulletin:

1. Hardev Choudhary, Swati Parihar, Satya Singh and Noushad Parvez; Control of whiteflies by traditional knowledge-based herbal formulations. Technical bulletin 1/2017:1-16.

Booklets:

1.Herbal Practices (Agriculture/Veterinary/ Human Health for dissemination in J&K (Urdu)
3. Grassroots Innovations for J&K (Urdu)
4. Herbal Agricultural Practices for dissemination in Odisha (Odiya)
5. Herbal Veterinary Practices for dissemination in Odisha (Odiya)
6. Grassroots Innovations for Odisha (Odiya)
7. Grassroots Innovations, Festival of Innovation and Entrepreneurship 2018(English)
8. Grassroots Innovations, Festival of Innovation and Entrepreneurship 2018 (Hindi)
9. INSPIRE AWARDS – MANAK (in 14 Indian languages and English)
10. Innovation Scholars in Residence 2018 (English)

Research and Review Papers:

Sethiya, N.K., Nahata, A., Singh, P.K., Mishra, S.H., 2018. Neuropharmacological evaluation on four traditional herbs used as nervine tonic and commonly available as Shankhpushpi in India. J. Ayurveda Integr. Med. doi: 10.1016/j.jaim.2017.08.012.

Singh, P.K., Rawat, P., 2017. Evolving herbal formulations in management of dengue fever. J. Ayurveda Integr. Med. 2017, 8: 207–210.

Rawat, P., Singh, P.K., Kumar, V., 2017. Evidence-based traditional anti-diarrheal medicinal plants and their phytocompounds. Biomed. Pharmacother. 2017, 96: 1453–1464.

Yadav, S.S., Singh, M.K., Singh, P.K., Kumar, V., 2017. Traditional knowledge to clinical trials: A review on therapeutic actions of Emblica officinalis. Biomed. Pharmacother. 93, 1292–1302.

Patel, B.P., Singh, P.K., 2017. Viscum articulatum Burm. f.: a review on its phytochemistry, pharmacology and traditional uses. J. Pharm. Pharmacol. doi: 10.1111/jphp.12837.

R Pandit, R Patel, N Patel, V Bhatt, C Joshi, PK Singh, A Kunjadia, 2017. RNA-Seq reveals the molecular mechanism of trapping and killing of root-knot nematodes by nematode-trapping fungi. World Journal of Microbiology and Biotechnology 33 (4), 65; DOI 10.1007/s11274-017-2232-7

Maurya N, Ravikumar RK, Rajiv Milli, Madhava Prasad, Vipin Raturi and Vivek Kumar, 2017. Conceptual Design in Integrating Informal Knowledge System: A Specific Reference To Livestock Science, Ruminant Science, 6(2): 357-360.

Maurya, N, & Ravikumar, R. K.,2017. Complementing Livestock Health Service through Indigenous System: Case Studies from West Khasi Hills of Meghalaya, India. International Journal of Livestock Research, 7(10), 254-260. http://dx.doi.org/10.5455/ijlr.20170801054925

Dhamale M, Ravikumar RK, Ksheersagar VH and Vipin Kumar, 2017. Social construction of technology: An illustrative model for scaling up the experimental wisdom of community in livestock welfare, Ruminant Science 6 (1), 119-123.

Ravikumar RK, Thakur D, Choudhary H, Kumar V, Kinhekar AS, Garg T, Ponnusamy K, Bhojne GR, Shetty VM, Kumar V., 2017. Social engineering of societal knowledge in livestock science: Can we be more empathetic? Veterinary World. 2017.10(1): 86-91.

Chapter in book:

Pawan Kumar Singh, Vivek Kumar,and Vipin Kumar, 2017. Protection of Traditional knowledge and benefit sharing arrangements. In Methods and Approaches in Ethnobotany (Concepts, Practices,and Prospects) eds Dr. Vartika Jain and Dr.S K Jain, 110-118.

Abstracts in Conference/Seminar:

Satya Singh and Hardev Choudhary, 2017. Managing Leaf curl in Chilli through Indigenous Farmers' Knowledge: Case studies from NIF-India. Abstract published in the international conference on "Potential Impact of Pesticides on Environment and Human Health" (ICPIPEHH-2017); 1:57.

Yadav, S.S., Singh, P.K., Singh, M.K., Khattri, S., 2017. Clinical prospects of altered mRNA expression levels of matrix metalloproteinases 1, 2 and 9 in metabolic syndrome. J Diabetes Investig. 8, 34. (The 9th Scientific Meeting of the Asian Association for the Study of Diabetes, 19–20 May 2017, Nagoya Congress Center, Nagoya, Japan)

Ponnusamy, K., Pachaiyappan K., and Ravikumar R K., 2017. Lead Paper, Strengthening extension research in livestock husbandry, 2nd National conference, Technological interventions for sustainable livestock production, SVAHE-2017, Jammu, 10-12 April 2017, Pp 232-239.

Popular Articles in Magazines/Newspapers:

Swati Parihar, Noushad Parvez and Hardev Choudhary, 2017. Kudrat Revolution: A Series of Improved Crop Varieties. RASHTRIYA KRISHI 12(2): 97-102.

National Innovation Foundation-India
(NIF)
ANNUAL ACCOUNTS
FOR THE YEAR 2017-18

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA
Regn.No.F/7412/Ahmedabad

BALANCE SHEET AS AT MARCH 31, 2018

(Amount Rs.)

Particulars	SCH	31.03.2018	31.03.2017
CORPUS/CAPITAL FUND AND LIABILITIES			
CORPUS/CAPITAL FUND	1	155,854,475	33,116,123
RESERVES AND SURPLUS	2	44,814,315	39,954,483
EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	3	149,992,919	128,796,946
SECURED LOANS AND BORROWINGS	4	-	-
UNSECURED LOANS AND BORROWINGS	5	-	-
DEFERRED CREDIT LIABILITIES	6	-	-
CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS	7	2,675,075	12,542,534
Total		**353,336,784**	**214,410,086**
ASSETS			
FIXED ASSETS	8	21,262,333	21,163,731
INVESTMENTS - FROM EARMARKED/ENDOWMENT FUNDS	9	-	
INVESTMENTS - OTHERS	10	-	-
CURRENT ASSETS, LOANS, ADVANCES ETC., MISCELLANEOUS EXPENDITURE (to the extent not written off or adjusted)	11	332,074,451	193,246,355
Total		**353,336,784**	**214,410,086**
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	24		
CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS	25		

As per our report of even date
For G. P. Kapadia & Co.
Chartered Accountants
Firm Registration No. 104768W

G. P. KAPADIA & CO. AHMEDABAD CHARTERED ACCOUNTANTS

Uday R. Parikh
Partner

(Dr. Vipin Kumar)
Director

Place : Ahmedabad
Date : July 24, 2018

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA

Regn.No.F/7412/Ahmedabad

INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED ON MARCH 31, 2018

(AMOUNT RS)

Particulars	SCH	2017-18	2016-17
INCOME			
Income from Sales/Services	12	-	-
Grant / subsidies	13	190,191,168	157,706,295
Fees/Subscriptions	14	-	-
Income from Investments (Income on Investment from Earmarked/endowment Funds transferred to Funds)	15	-	-
Income from Royalty, Publication etc.,	16	-	-
Interest earned	17	14,220,948	5,437,585
Other Income	18	1,115,998	43,303
Increase/(Decrease) in stock of Finished Goods and WIP	19	-	-
Total (A)		**205,528,114**	**163,187,183**
EXPENDITURE			
Establishment Expenses	20	49,569,993	42,980,745
Other Administrative Expenses etc.,	21	113,239,535	106,285,250
Expenditure on Grants, Subsidies etc.,	22	-	-
Interest	23	40,382	3,812
Depreciation (Net Total at the year end corresponding to Schedule 8)	8	4,761,230	5,196,521
Total (B)		**167,611,140**	**154,466,328**
Balance being Excess of Income over Expenditure (A-B)		**37,916,974**	**8,720,855**
Transfer to Special Reserve (Specify each)			-
Transfer to/from General Reserve			-
BALANCE BEING SURPLUS/(DEFICIT) CARRIED TO CORPUS/CAPITAL FUND		**37,916,974**	**8,720,855**
SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES	24		
CONTINGENT LIABILITIES AND NOTES ON ACCOUNTS	25		

As per our report of even date
For G. P. Kapadia & Co.
Chartered Accountants
Firm Registration No. 104768W

Uday R. Parikh
Partner

G. P. KAPADIA & CO. AHMEDABAD CHARTERED ACCOUNTANTS

(Dr. Vipin Kumar)
Director

Place : Ahmedabad
Date : July 24, 2018

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA

Regn.No.F/7412/Ahmedabad

SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT MARCH 31, 2018

(AMOUNT Rs.)

Particulars	31.03.2018	31.03.2017
Schedule : 1 - CORPUS/Capital Fund :		
Balance As at Beginning of the year	33,116,123	433,294
Add/(Deduct) : Balance of Net Income/(Expenditure) transferred from the Income and Expenditure Account	122,738,352	32,682,829
Balance as the year end	**155,854,475**	**33,116,123**
Schedule : 2 - RESERVES AND SURPLUS :		
1 Capital Reserve :		
As per Last Account	-	-
Addition During the year	-	-
Less : Deductions during the year		-
2. Revaluation Reserve	-	-
As per Last Account	-	-
Less : Deductions during the year	-	-
3. Special Reserve	44,814,315	39,954,483
As per Last Account	39,954,483	27,660,778
Addition During the year	4,859,832	12,293,705
Less : Deductions during the year	-	-
	-	-
As per Last Account	-	-
Addition During the year	-	-
Less : Deductions during the year		-
Total	**44,814,315**	**39,954,483**

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA Regn.No.F/7412/Ahmedabad SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018 (AMOUNT Rs.)		
SCHEDULE 3-EARMARKED/ENDOWNMENT FUNDS	**TOTALS**	
	31.03.2018	**31.03.2017**
a) Opening balance of the funds	128,796,946	125,490,513
b) Additions to the Funds		
i. Donations/grants	107,820,592	18,211,603
ii. Income from Investments made on account of funds		
iii. Other additions (specify nature)		
Total (A+B)	236,617,538	143,702,116
c) Utilisation/Expenditure towards objectives of funds		
Total (C)	86,624,619	14,905,170
NET BALANCES AS THE YEAR END (A+B+C)	**149,992,919**	**128,796,946**

Notes

1) disclosures shall be made under relevant heads based on conditins attaching to the grants.

2) plant Funds received from the Central/state Governments are to be Shown as separate Funds and not to be mixed up with any other Funds

G. P. KAPADIA & CO. AHMEDABAD CHARTERED ACCOUNTANTS

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA
Regn.No.F/7412/Ahmedabad
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018

SCHEDULE 7 - CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS	31.03.2018	31.03.2017
A. CURRENT LIABILITIES		
1. Acceptances		
2. Sundry Creditors.	892,915	9,502,128
a) For Goods		
b) Others	892,915	9,502,128
3. Advances received	-	-
4. Interest accrued but not due on :	-	-
	-	-
5. Statutory Liabilities	331,969	780,327
a) Overdue		
b) Others	331,969	-
6. Other current liabilities /EMD	1,039,500	1,981,377
Total (A)	2,264,384	12,263,832
B. PROVISIONS		
1. For Taxation	-	-
2. Gratuity	-	-
3.Superannuation/Pension	-	-
4. Accumulated leave Encashment	-	-
5. Trade warranties/Claims	-	-
6. Others	410,691	278,702
Total (B)	410,691	278,702
Total (A+B)	**2,675,075**	**12,542,534**

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA
Regn.No.F/7412/Ahmedabad

SCHEDULE FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT MARCH 31, 2018

F.Y.2017-18

Schedule : 8- Fixed Assets :	GROSS BLOCK				DEPRECIATION				WDV
Particulars	Balance as on 01-04-2017	Additions during the year	Deductions during the year	Gross Block as on 31-03-2018	Depreciation on 01-04-2017	Deductions during the year	Depreciation for 2017-18	Total Depreciation up to 2017-18	Net Block As on 31-03-2018
	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.	Rs.
Computers & Ancillary Assets	18,321,755								
Computers	13,179,776	1,207,331	-	14,387,107	10,970,303	-	1,689,083	12,659,386	1,727,721
Networking equipment	1,176,491	-	-	1,176,491	1,157,565	-	11,356	1,168,921	7,570
Scanner	363,990	-	-	363,990	361,915	-	1,245	363,160	830
Software	3,556,360	106,500	-	3,662,860	3,472,256	-	50,462	3,522,718	140,142
Card Printer	45,138	-	-	45,138	27,083	-	10,833	37,916	7,222
Furniture & Fixtures and Dead Stock									
Furniture & Fixtures	4,184,245	1,038,549	-	5,222,794	1,565,681	-	340,504	1,906,185	3,316,609
Electrical Installations	72,410	-	-	72,410	46,629	-	2,578	49,207	23,203
Office Equipments									
Air Cooler	861,768	349,493	-	1,211,261	305,517	-	135,862	441,379	769,882
Balloon	35,438	-	-	35,438	27,846	-	1,139	28,985	6,453
Bio-Metric ESSL Attendance System	25,150	-	-	25,150	6,980	-	2,726	9,706	15,444
Camera	1,564,500	-	-	1,564,500	870,289	-	104,132	974,421	590,079
DG Set	344,294	411,000	-	755,294	25,822	-	47,771	73,593	681,701
EPABX System	196,715	-	-	196,715	122,711	-	11,101	133,812	62,903
Equipment	4,965,625	857,269	-	5,822,894	2,411,867	-	391,161	2,803,028	3,019,866
Fab Lab Equipment	10,351,959	441,237	-	10,793,196	2,496,345	-	1,226,367	3,722,712	7,070,484
Fax Machine	36,907	-	-	36,907	31,650	-	789	32,439	4,468
Fire Extinguisher	18,505	-	-	18,505	14,229	-	641	14,870	3,635
Hot Air Oven Machine	48,825	-	-	48,825	7,324	-	6,225	13,549	35,276
Photo Copying Machine	351,000	-	-	351,000	99,585	-	37,712	137,297	213,703
Public Address System	68,611	2,353	-	70,964	47,871	-	3,464	51,335	19,629
Projector	112,770	-	-	112,770	16,916	-	14,378	31,294	81,476
Pulveriser Machine	39,000	-	-	39,000	5,850	-	4,973	10,823	28,177
Refrigerator	39,010	54,000	-	93,010	28,944	-	1,510	30,454	62,556
Sony LCD	331,980	-	-	331,980	89,578	-	36,360	125,938	206,042
Tape recorder	36,427	-	-	36,427	30,159	-	940	31,099	5,328
Telephone/mobile Instrument	1,018,134	-	-	1,018,134	487,295	-	79,626	566,921	451,213
Water Cooler	23,000	-	-	23,000	6,383	-	2,493	8,876	14,124
Sony LED TV	99,453	27,000	-	126,453	14,918	-	12,680	27,598	98,855
Sony Stabilizer	101,515	-	-	101,515	7,614	-	14,085	21,699	79,816
Sony Audio Recorder	27,200	-	-	27,200	4,080	-	3,468	7,548	19,652
Books	55,290	365,100	-	420,390	35,900	-	121,164	157,064	263,326
Vehicles									
Activa Honda	44,168	-	-	44,168	36,125	-	1,206	37,331	6,837
Bajaj Pulser	68,289	-	-	68,289	55,854	-	1,865	57,719	10,570
Honda city	1,037,399	-	-	1,037,399	675,489	-	54,287	729,776	307,623
Tata safari	1,311,519	-	-	1,311,519	853,978	-	68,631	922,609	388,910
Tata Indica	545,341	-	-	545,341	339,666	-	30,851	370,517	174,824
Mobile Exhibition Van	2,709,873	-	-	2,709,873	1,595,111	-	167,214	1,762,325	947,548
Hero HF Deluxe	52,547	-	-	52,547	17,429	-	5,268	22,697	29,850
Tractor (John Deere)	551,117	-	-	551,117	152,935		59,727	212,662	338,455
TVS Wego	58,105	-	-	58,105	22,421		5,353	27,774	30,331
Total	**49,709,844**	**4,859,832**	**-**	**54,569,676**	**28,546,113**	**-**	**4,761,230**	**33,307,343**	**21,262,333**
Previous Year	**37,416,139**	**12,293,705**	**-**	**49,709,844**	**23,349,592**	**-**	**5,196,521**	**28,546,113**	**21,163,731**

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA
Regn.No.F/7412/Ahmedabad
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018

(AMOUNT RS)

SCHEDULE 11 - CURRENT ASSETS LOANS ADVANCES ETC	31.03.2018		31.03.2017	
A. CURRENT ASSETS :				
1.Inventories.				
2.Sundry Debtors				
3. Cash balances in hand (including cheques/drafts and imprest)	-	-	-	594
4. Bank balances				
a)With Scheduled Banks.				
i) On current Accounts				
- Axis Bank, Vastrapur - A/c. No.1548	23,061,817		31,640,646	
- Axis Bank, Vastrapur - A/c. No. 8099-MVIF	118,842		2,562,027	
		23,180,659		34,202,673
ii) On Deposit Accounts (includes mrgin money)				
- From NIF funds/FD	208,188,624		38,616,835	
- From MVIF funds/FD	62,888,973		58,794,713	
		271,077,597		97,411,548
iii) On Savings Accounts				
-Union Bank of India,- SB A/c.No.724 & SWAP FD's	11,407,358		29,697,260	
-Union Bank - ROBBN	-		105,000	
-Union Bank - ROGUW	-		30,000	
-Union Bank - Bhuvneshwar - 090	185,832		(28,158)	
-Union Bank - Dehradun - 088	236,354		135,937	
-Union Bank - Guwahati - 089	237,931		79,525	
		12,067,475		30,019,564
b) With non Scheduled Banks:				
5. Post Office-Savings Accounts			-	
6. Other Advances				
'-Advance to Staff and MVIF	21,355,310		26,464,984	
- Accrued Interest	1,838,273		3,403,535	
- TDS Receivable	2,184,269		1,731,455	
- Security Deposit	67,621		12,002	
7. Prepaid Expenses	303,247			
		25,748,720		31,611,976
Total (A)		**332,074,451**		**193,246,355**

G. P. KAPADIA & CO. AHMEDABAD CHARTERED ACCOUNTANTS

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA
Regn.No.F/7412/Ahmedabad
SCHEDULES FORMING PART OF BALANCE SHEET AS AT 31.03.2018

		(AMOUNT Rs)
SCHEDULE 13 -GRANTS / SUBSIDIES	**2017-18**	**2016-17**
(Irrevocable Grants & Subsidies Received)		
1) Central Government	190,191,168	157,706,295
2) State Government (s)	-	-
3) Government Agencies	-	-
4) institutions / Welfare Bodies	-	-
5) International organisations	-	-
6) Others (Specify)	-	-
Total	**190,191,168**	**157,706,295**

		(AMOUNT Rs)
SCHEDULE 17 INTEREST EARNED	**2017-18**	**2016-17**
1) On Term Deposits		
a) With Scheduled banks	8,896,543	5,424,285
b) With Non-Scheduled Banks	-	-
c) With Institutions	-	-
d) Others	-	-
2) On Savings Accounts		
a) With Scheduled banks	83,011	11,895
b) With Non-Scheduled Banks	-	-
c) Post Office Saving Accounts	-	-
d) Others	-	-
3) On loans		
a) Employees/staff	1,722	1,405
b) Others		-
4) Interst on Debtor	-	-
Total	**8,981,276**	**5,437,585**

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA

Regn.No.F/7412/Ahmedabad

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE A/C FOR THE YEAR ENDED 31.03.2018

		(AMOUNT RS)
SCHEDULE 18 - OTHER INCOME	**2017-18**	**2016-17**
1) Profit on sale /disposal of Assets		
a) Owned assets	-	-
b) Assets acquired out of grants, or received free of cost	-	-
2) Export Incentives realized	-	-
3) Fees for Miscellaneous Srvices		-
4) Miscellaneous Income/Tender Fees/Scrap	1,115,998	43,303
TOTAL	**1,115,998**	**43,303**

SCHEDULE 20 -EASTABLISHMENT EXPENSES	**2017-18**	**2016-17**
A) Salaries and wages	48,140,095	42,029,417
B) allowances and Bonus		
C) Contribution to Provident Fund		-
D) Contribution to Other Fund (Specify)		
i) Employer's NPS Contribution	1,126,518	823,836
E) Expenses on Employees Retirement and terminal Benefits		-
D) Others (Specify)		
i) Medical reimburesement/Medical treatment E	303,380	127,492
TOTAL	**49,569,993**	**42,980,745**

G. P. KAPADIA & CO. AHMEDABAD CHARTERED ACCOUNTANTS

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA

Regn.No.F/7412/Ahmedabad

SCHEDULES FORMING PART OF INCOME & EXPENDITURE A/C FOR THE YEAR ENDED 31.03.2018

		(Amount Rs)
SCHEDULE 21 -OTHER ADMINISTRATIVE EXPENSES ETC	**CURRENT YEAR 2017-18**	**PREVIOUS YEAR 2016-17**
Part A - Recurring Expenses		
Business Development		
Advertising for Licensing	-	170,000
Benchmarking and Market Research	25,567	83,606
Online Catalogues	118,471	135,556
Student Involvement for Business Plans	1,243,032	277,400
Travel (BD)	2,802,237	1,359,731
Sub Total	**4,189,307**	**2,026,293**
Dissemination & Social Diffusion		
Innovation Exhibition	57,111	122,140
Demonstrations (Dnsd)	13,513,270	1,168,432
Diffusion of Practices Through Farmers /media /KVK	5,196,213	2,757,537
Exhibitions & Innovation exhibition	477,402	3,460,473
Innovation Diffusion Centre	228,725	113,944
Printing & Publication (Dasd)	112,865	455,708
Transportation : Exhibition	-	7,926
Travel (Dissemination)	172,810	718,305
Travel (Dissemination) ST	261,152	278,304
Workshop/Meetings (Dissemination)	715,502	869,686
Sub Total	**20,735,050**	**9,952,455**
IPR and Law		
Filing National Patent Applications	3,164,830	2,597,842
Filing National Patent Applications - Internationals	56,962	8,477
Filling Trade Mark and Geographical Applications	13,000	31,300
Subscription IPR	69,978	19,700
Travel (IPR)	51,882	146,292
Sub Total	**3,356,652**	**2,803,611**
IT & Database		
Computer Maintenance & Upgradation	1,103,868	798,495
Database & Software Dev , Proof Reading	1,106,722	1,213,172
Internet	1,017,170	700,945
Website	11,305	90,329
Sub Total	**3,239,065**	**2,802,941**
Scouting & Documentation		
Advertisement- Regional and National	6,148,869	1,241,826
Collaborators	7,015,194	3,143,918

Experts / Mentors Meetings (S&D)	42,305	3,000
Ignte (food and accomodation)	2,718	-
Ignite (S&D)	2,512,473	3,279,763
Ignite (Travel)	663,951	-
Printing and Stationery	1,773,405	559,773
Sample / Prototype Collection & Identification	2,256,731	2,360,501
Travel (S&D)	3,260,133	1,586,214
Verification / Detailed Documentation	740,162	567,005
Workshops and Publications	2,446,000	2,108,920
Sub Total	**26,861,941**	**14,850,920**
Value Addition and Research & Development		
Administrative Exps - VARD	3,337,857	1,893,624
Experts /mentors Meetings (Vard)	117,764	649,817
Prior Art Search, Validation of Innovations	10,382,587	28,612,954
Testing of Prototypes / Products	1,252,584	876,169
Travel (VARD)	3,230,280	4,025,627
Value Addition and Product Development	13,820,815	8,911,838
Sub Total	**32,141,887**	**44,970,029**
Technology Acquisition Fund		300,000
FOIN 2017 /FINE 2018		
Accomodation	1,930,903	3,240,122
Catering	2,113,715	1,710,077
Dissemination	980	539,979
Exhibition and Other Exps	3,991,609	3,945,745
Prizes (9th AF)	1,480,000	5,135,000
Prototype Development	579,330	174,178
Travel and Transportation	2,208,259	4,535,186
Trophy (9th AF)	-	368,575
printing and stationery	125,921	-
Photography and videography FINE 2018	88,500	-
Miscellaneaus exp	139,220	-
Sub Total	12,658,437	19,648,862
8th Award function/FOI	310,000	
TOTAL (A)	**103,492,339**	**97,355,111**
Part B - Other Administrative Expenses : -		
Statutory Audit Fees	46,000	46,000
Internal and Concurrent Audit Fees	230,000	230,000
Other certification fees	21,227	14,376
Bank Charges	4,075	4,349
Building repairing charges	-	12,000
Electricity and Power	483,869	334,324
G.C. Meeting Expenses	52,011	500,652

Insurance Expenses	113,769	81,769
Legal Charges	141,140	-
Office Expenses	2,688,738	2,094,502
Postage Expenses	934,684	388,300
Professional Charges	221,094	143,750
Recruitment Expenses	432,610	1,005,828
Rent, Rates and Taxes	1,840,613	1,797,134
Rent (ROBBN)	210,000	300,000
Rent (RODDN)	304,500	87,500
Security Expenses	1,213,690	792,203
Telephone and Communication Charges	136,202	127,845
Vehicles Running and Maintenance	668,974	802,607
Membership Fees	4,000	167,000
TOTAL (B)	**9,747,196**	**8,930,139**
TOTAL (A+B)	**113,239,535**	**106,285,250**

(AMOUNT Rs)

SCHEDULE 23 -INTEREST	**2017-18**	**2016-17**
A) On Fixes Loans	-	-
B) On Other Loans (including bank Charg	-	-
C) Others :-		
- Interest	40,382	3,812
TOTAL	**40,382**	**3,812**

G.P. KAPADIA & CO. AHMEDABAD CHARTERED ACCOUNTANTS

F.Y. 2017-2018

ADVANCES A/c. MVIF PROJECTS	Rs.	Rs.
North Region		
Herbal Growth	162,407	
HNP-Performance Enhancer for Petrol Engine- Harinar	141,767	
Multi Crop Thresher	534,931	
Multi Seed Drill	385,268	
Trench Digger Machine	993,480	2,217,853
Western Region		
Healthcare Chair	37,390	
Stencil Cutting Device- Nazim Shaikh	165,555	
Sugarcane Rotator	47,486	
		250,431
Southern Region		
SEVA (Multipurpose Cooking Vessel-Abdul Razak)	42,150	
GIAN J & K	70,000	112,150
Projects under direct supervision of NIF		
Arvindbhai Patel - Natural Water Cooler	650,000	
Bamboo Agarbati Stick Making Machine	300,000	
Bhagwan Singh Dangi- Reaper Winrower	300,000	
B.Mohanlal- Marine Reversible Reduction Gearbox	730,000	
Bommagani Mallesh- Remote for electronic gadgets	120,000	
Clear Banana Alkali- Basanta Sharma	96,050	
C.V.Raju- Anything by HAnd	380,045	
Dadaji Khobragade- DRK 2008 Paddy Variety	200,000	
Debensingh - Biomass Stoves & Dryers	250,000	
Deepak Bharali- Innovative Design Making Machine	865,020	
Director, SMIT- Ajooba Tube Light Frames	182,032	
Dharmveer Kamboj - Multipurpose Food Processing	500,000	
D N Venkat- Multi Tree Climbing Instrument	170,000	
G Chandrashekhar- Passiflora Foetida	360,000	
G K Ratnakar - Modified Hydro Electric Turbing	500,000	
Huma Toilet Cleaner- Md. Motin Ahmed	24,000	
Indrajit Balvirshingh Khass - Turmeric & Ginger Plan	379,630	
Iron Mesh Making Machine- N. Indrakumar Singh	90,000	
Jai Prakash Singh- Wheat Varieties	75,000	
Jaydeep Mandal	470,000	
Jayprakash- Energy Efficient Stove	300,000	
K Pandurang Rao - Airceal Puncture Less Tire tube	630,000	
Md.Fajlul Haque- Paddy Thresher	604,075	
Mohammad Idress - Horse Shaver	125,000	
Mohan Muktaji Lamb - Modified Knapack Sprayer	100,000	
Mujib Khan- Retrofitted Kit in Car for Physically Challenge	60,000	
Premsingh Saini- Phone Operated Switch	200,000	
Prakash singh Raghuvanshi - Paddy & Pigon Pea	150,000	

G. P. KAKADIA & CO. AHMEDABAD CHARTERED ACCOUNTANTS

17

NATIONAL INNOVATION FOUNDATION - INDIA

F.Y. 2017-2018

ADVANCES A/c. MVIF PROJECTS		
Rajkumar Rathore- Richa 2000	79,040	
Rama Shankar Sharma- Modified Hand Pump	37,000	
Shailendra Rakhecha- Animated T- Shirt	185,000	
Shravankumar Bajiya - Motorcycle Operated Weeder	200,000	
Sugarcane Bud Chipper Device-Roshanlal Vishwakarma	900,000	
Surjeet Singh - Surjeet Basmati 1 Peddy Variety	750,000	
S Venkata krishnudu - Tulasi Growth Promoter	550,000	
Tulsi Growth Promoter	100,000	
Umesh Chandra Sharma- Interlocking Bricks	400,000	
Vinod Mahadevia - Coconut Breaker & Instant Cooler	140,000	
Yellow Fourier Technologies P.Ltd.-Indian Tea Makin	210,000	
Arecanut Cutting machine-Wazeer	500,000	
Mechanical Jute Ribboner	100,000	
Moa Subbong	100,000	
Subhas Ola	1,000,000	
Daksh Cooker Cum Chulah- Raghubir Singh	50,000	
Kesho Phou- Wahengbam Kesho Singh	40,000	
Mangal Herbal Soaps- Jina Khumujam	50,000	
Mathews K Mathew-Hawker-Solar Mosquito Destroyer	109,000	
Narsimha Bhandari - Pepper Thresher	200,000	
Pepper Varieties- Balakrishnan A	64,600	
Rajendra Chhabulal Jadhav - Orchard Sprayer	250,000	
Robotic Helmet- Manoj Kumar	50,000	
Sandal Paste Making Machine- Subhash Jagtap	40,000	
Santosh Pachar - Improved Carrot Variety	95,000	
Sanyambi Phou- Chanambamm Sanayaima Singh	40,000	
Solar Cultivator- Rajesh Kumar	100,000	
Walnut Cracker- Mohd Rafiq Ahanger	150,000	
Yesudas - Arecanut Deshusker	100,000	
Multipurpose Grinding Machine - Rabindra Bahera	200,000	
Mansaram Suthar-Groundnut Digger & Harrow Seed Dril	200,000	
Mr. C A Vincent - Floating Soap	250,000	
Ratan Lal Yadav-Tractor Operated Weeder	200,000	
		16,250,492
PDS - Kerala		
P K Ravi	640,000	640,000
TOTAL		**19,470,926**

SCHEDULE 24 & 25 - SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES AND NOTES ON ACCOUNTS

1. The annual financial statements for the year 2017-18 along with previous year balance carried forward are prepared as per the schedule mentioned on prescribed format for central autonomous bodies as suggested by DST as per the PARA no : 17 in audit reports.

2. **Accounting convention**
The financial statements are prepared on the basis of historical cost convention, unless otherwise stated and on the accrual method of accounting.

3. **FIXED ASSETS**

2.1 Fixed Assets are stated at cost of acquisition inclusive of inward freight, duties and taxes and incidental and direct expenses related to acquisition In respect of Projects involving construction, related pre operational expenses (including interest on loans for project prior to its completion), form of the value of the assets capitalized

2.2 Fixed Assets received by way of non-monetary grants (other than towards the Corpus Fund), are capitalized at values stated, by corresponding credit to capital Reserve.

4. **DEPRECIATION**

4.1 Depreciation provided on written down value as per rates specified in the income tax act

4.2 In respect of additions to/ deductions from fixed assets during the year, depreciation is considered ~~on pro-rata basis~~ as per Income Tax Act

G. P. KAPADIA & CO. AHMEDABAD CHARTERED ACCOUNTANTS

5. **GOVERNMENT GRANTS/SUBSIDIES**

5.1 Government grants of the nature of contribution towards capital of setting up projects are treated as Capital Reserve

5.2 Grants in respect of specific fixed assets acquired are shown as a deduction from the cost of the related assets.

5.3 Government grants/subsidy are accounted on realization basis.

6. Corresponding figures for the previous year have been regrouped/rearranged, wherever necessary

7. Tractor received as donation for Rs. 4,88,250/- in earlier year accounted to capital reserve for tractor has been transferred to income & expenditure account during FY 2017-18.

8. Balance shown under saving bank accounts includes amounts held by Bank under 'Auto Swap Accounts'.

9. Income Tax: The Institute is registered under Section 12 A of the Income Tax Act, 1961 and is eligible for exemption from tax and hence no provision has been made towards income tax.

Schedules 1 to 24 are annexed to and from an integral part of the Balance Sheet as at 31.03.2018 and the Income and Expenditure Account for the year ended on that date.

As per our report of even date

For G. P. Kapadia & Co.
Chartered Accountants
Firm Registration No. 104768W

Dr. Vipin Kumar
(Director)

Partner

Place: Ahmedabad

Date : 24.07.2018

Schedule: 11 – SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES AND NOTES TO ACCOUNTS:

1. **Significant accounting policies :**

   a) **Basis of accounting**

   The financial statements are prepared under the historical cost convention, on the accrual basis of accounting in conformity with the generally accepted accounting principles in India (Indian GAAP) as applicable, and the relevant provisions of the Bombay Public Trust Act, 1950 and in accordance with the guidelines on accounting for the central autonomous bodies, issued by Ministry of Finance. The accounting policies consistently applied by the foundation; and the accounting polices not referred to otherwise, are in conformity with Indian GAAP.

   b) **Revenue recognition**

   All income and expenditure are recognized on accrual basis except in case of specific and conditional Grants. The un-spent amount of such Grant is liable to be returned or re-directed as per the direction of the Donor organizations. Accordingly the unspent amounts as on the date of Balance Sheet are shown as liability. Government grants/subsidies are accounted on realization basis. Benefit sharing on the MVIF support is variable considering the business risk and uncertainty associated with its collection/recovery.

   c) **Fixed assets and intangible assets**

   Fixed assets are stated at cost,less accumulated depreciation.Coast includes all expenditure necessary to bring the asset to its working condition for its intended use. Fixed assets are acquired from earmarked funds are shown as utilization funds in Schedule-2 in respective earmarked funds.

   d) **Depreciation and amortization**

   Depreciation is provided on the Written down Value (WDV) at rates and in the manner prescribed in Appendix I to the Income Tax Rules, 1962.

   e) **Plan/Non-plan grant received from the Government**

   Plan Grants received during the year are credited to revenue account except grants utilized for acquisition of capital assets during the year is credited to respective "Capital Fund" account.

   f) **Earmarked Fund**

   Funds/grants received for the specific projects are credited to separate account and the utilization of the same also debited to respective funds/grand accounts. Outstanding of those funds/grants shows amounts still to be incurred on running projects. Further grant is yet to be released in respect of project which shows debit balance.

   g) **Innovation Funds**

   Interest earned, administrative fund of projects and other income during the year has been credited to Innovation Funds.

   h) **Fellowship and scholarships**

   Sponsored fellowship and scholarships are accounted against the sponsored project fund/grant. Fellowships and scholarships paid out of the organization funds are treated as revenue expenditure and debited to "Establishment Expenses".

   i) **Expenditure on Technology acquisition**

   Payments made for acquiring rights in innovated products from the innovators for making it available to public at large at low cost or no cost are charged to revenue in the year of payment as recurring expenditure as "Technology acquired under Technology Acquisition Fund".

   j) **Investments**

KAPADIA & CO. AHMEDABAD

21

The investments are stated at cost.

k) **Retirement and other employee benefits.**
The foundation has not made any retirement benefits payable to the employees. The retirement benefits are accounted for as and when they become sue and payable to the employees.

2. **Notes on Accounts :**

a) In the opinion of the trustees, the current assets, loans and advances have a value on realization in the ordinary course, at least equal to the amount at which they are stated in the Balance Sheet.

b) In opinion of the trustees, there is no contingent liability as on the date of balance sheet.

c) The balances of loans and advances to innovators are subject to confirmation / reconciliation and the necessary adjustments, if any, in respect thereto will be carried out in the year in which they are settled.

d) **Taxation**
In view of there is no taxable income under Income Tax Act, 1961, no provision for income tax

e) Previous year's figures have been re-arranged / re-grouped to make them comparable with **current year's figures.**

Schedule – 1 to 11 are annexed to and form an integral part of the Balance Sheet as at March, 2017 and the Income and Expenditure Account for the year ended on that date.

As per our report of even date attached

For and on behalf of
G.P.KAPADIA & CO
CHARTERED ACCOUNTANTS
Firm Registration No104767w

Uday R. Parikh

G.P. KAPADIA & CO. AHMEDABAD CHARTERED ACCOUNTANTS

UDAY R. PARIKH
PARTNER
MEMBERSHIP NO.10217
PLACE: AHMEDABAD
DATE: July 24, 2018

राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान – भारत
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान
National Innovation Foundation - India
Autonomous Body of the Department of Science and Technology, Govt. of India

ग्रामभारती, अमरापुर, गांधीनगर-महुडीरोड
गांधीनगर-382650, गुजरात
दूरभाषः 02764-261131/ 32/ 38/ 39
वेबसाइटः www.nifindia.org.in

Grambharti, Amrapur,
Gandhinagar-Mahudi Road
Gandhinagar, 382650 Gujarat
Tel: 02764261131/ 32/ 38/ 39
Website: www.nifindia.org.in